● वर्ष-3
● अंक-128
रायपुर, शनिवार
06 जनवरी 2024
● पृष्ठ-8
● मूल्य-3 रु.
samacharpacheesa@gmail.com

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

पेज-6›› बैचलरेट पार्टी के लिए तलाश...

मिशन 2024 के लिए 6 घंटे चली मैराथन बैठक- भाजपा अध्यक्ष किरणदेव बोले

केंद्र की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाएंगे

रायपुर. छत्तीसगढ़ में लोकसभा चुनाव को लेकर दोनों ही प्रमुख पार्टी अपनी-अपनी रणनीति तैयार कर रही है. एक ओर कांग्रेस भारत जोड़ा न्याय यात्रा निकालने जा रही है तो वहीं भाजपा ने आज रायपुर में 6 घंटे तक मैराथन बैठक की.

भाजपा की मैराथन मीटिंग आज रायपुर के जैनम भवन में हुई। लगभग साढ़े 6 घंटे चली इस बैठक में प्रदेश प्रभारी ओम माथुर, राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिव प्रकाश, क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जमवाल, मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, प्रदेश के सह प्रभारी नितिन नबीन, प्रदेश के सभी मंत्री सांसद शामिल हुए। इस बैठक में लोकसभा चुनाव योजना को लेकर मंथन और चर्चा हुई। लोकसभा चुनाव में किस तरह से छत्तीसगढ़ की 11 सीटें जितनी है उसको लेकर रणनीति तैयार की गई।

प्रदेशभर में भाजपा चलाएगी अभियान

लोकसभा चुनाव को लेकर हुई चर्चा :देव

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव ने कहा कि लोकसभा चुनाव योजना की दृष्टि से यह बैठक हुई है। राष्ट्रीय नेता प्रदेश के प्रभारी बैठक में मौजूद थे। आने वाले दिनों में लोकसभा की दृष्टि से किस तरह से काम करना है उस पर चर्चा हुई है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ विधानसभा में शानदार जीत दिलाने वाले कार्यकर्ताओं का अभिनंदन समारोह सभी संभागों में होगा जिसमें मुख्यमंत्री भी शामिल होंगे। पहले बस्तर फिर दुर्ग उसके बाद पांचो संभाग में यह कार्यक्रम होंगे इस पर चर्चा हुई है

बनाई गई कार्य योजना

बैठक के बाद भाजपा वरिष्ठ विधायक अजय चंद्राकर ने कहा कि छत्तीसगढ़ की पूरी 11 लोकसभा सीटों को जीतने के लिए शिव प्रकाश, ओम माथुर, नितिन नबीन, मुख्यमंत्री का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ है। एक कार्य योजना बनाई गई है। मोदी की गारंटी और मोदी की योजनाओं को समय पर पूरा करना इस पर भी पर भी चर्चा हुई है। लोकसभा चुनाव जीतने की दृष्टि से पूरा रोड मैप तैयार किया गया है।

प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव ने कहा, आज बैठक हुई. बैठक में प्रदेश के 11 लोकसभा सीट जीतने का लक्ष्य रखा गया है. इसके लिए कार्य योजना, रणनीति बनाई गई है. नेताओं को दिशा निर्देश भी दिए गए हैं. आने वाले दिनों में भारतीय जनता पार्टी संभाग स्तरीय, जिला स्तरीय, ब्लॉक स्तरीय अभियान चलाने जा रही है. अभियान के माध्यम से केंद्र की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने की कोशिश की जाएगी.

अगवा मालवाहक पोत को समुद्री लुटेरों से कराया रिहा

मार्कोस कमांडो ने दिखाई ताकत

नई दिल्ली। भारतीय नौसेना ने अरब सागर में अगवा मालवाहक पोत एमवी लीला नॉरफोक को समुद्री लुटेरों से रिहा करा लिया गया है। शुक्रवार को भारतीय नौसेना के कमांडो मार्कोस के अगवा पोत पर पहुंचे से पहले ही समुद्री लुटेरे भाग गए थे। लाइबेरियाई झंडे वाले पोत के 21 सदस्यीय चालक दल में 15 भारतीय नागरिक शामिल हैं, जो सुरक्षित हैं। पोत को सोमालिया के तट से बाहर लाया जाया जा रहा है। भारतीय नौसेना ने मालवाहक पोत के अगवा होने की सूचना मिलते ही अपने युद्धपोत आईएनएस चेन्नई, समुद्री गश्ती विमान पी8एल और टोही प्रीडेटर एमक्यू9बी ड्रोन को उसके पीछे लगा दिया था। आईएनएस चेन्नई ने शुक्रवार को दोपहर बाद करीब 3=15 बजे अरब सागर में सोमालिया के तट के पास अगवा पोत को घेर लिया था। इस दौरान जवानों ने समुद्री लुटेरों को जहाज को छोड़ने की चेतावनी दी। उसके बाद भारतीय नौसेना के मार्कोस कमांडो अगवा पोत पर उतरे और उसकी तलाशी ली तो कोई लुटेरा वहां मौजूद नहीं था।

पोत पर सवार सभी भारतीय सुरक्षित -यूके समुद्री व्यापार संचालन (यूकेएमटीओ) एजेंसी ने बताया है कि पोत पर सवार सभी भारतीय सुरक्षित हैं। आईएनएस चेन्नई की निगरानी में उसे सोमालिया के तट से बाहर निकाला जा रहा है। इससे पहले यूकेएमटीओ से ही नौसेना को बृहस्पतिवार को सूचना मिली थी कि पोत पर पांच-छह लुटेरे सवार हो गए हैं और उसे सोमालिया की तरफ से ले जा रहे हैं। मालवाहक पोत ब्राजील के पोर्ट डू एको से बहरीन के खलीफा बिन सलमान पोर्ट जा रहा था। लेकिन करीब दस दिन पहले ही लुटेरों ने अदन की खाड़ी में एमवी रुएन का अपहरण कर लिया था। गुरुवार को लाल सागर में हूती विद्रोहियों के मालवाहक जहाजों हमले को लेकर विदेश मंत्रालय ने चिंता जाहिर की थी। समुद्री लुटेरों का फिर से सक्रिय होना पूरे विश्व के लिए एक चिंता का विषय बन गया हैं। गौरतलब है कि 2017 में अंतरराष्ट्रीय साझेदारी में कई देशों की नौसेना के विशेष अभियान ने इन लुटेरों का लगभग सफाया कर दिया था। भारतीय नौसेना प्रमुख एडमिरल आर हरि कुमार ने अरब सागर में भारतीय युद्धपोतों को समुद्री लुटेरों के खिलाफ कार्रवाई करने के आदेश दिए हैं। क्षेत्र में व्यापारिक जहाजों पर हमलों को रोकने के लिए अरब सागर में भारतीय नौसेना के चार युद्धपोत तैनात किए गए हैं।

अलका को महिला कांग्रेस अध्यक्ष की जिम्मेदारी

नई दिल्ली. कांग्रेस ने अलका लांबा को बड़ी जिम्मेदारी दी है. उन्हें महिला कांग्रेस का अध्यक्ष नियुक्त किया है. वहीं वरुण चौधरी को एनएसयूआई का अध्यक्ष बनाया गया है. बता दें कि पिछले दिनों एनएसयूआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के लिए राहुल गांधी ने 5 छात्र नेताओं के इंटरव्यू लिए थे. इनमें राजस्थान से विनोद जाखड़, तेलंगाना से वेंकट और अनुलेखा, दिल्ली से वरुण चौधरी, हरियाणा से विशाल चौधरी के नाम शामिल थे. राहुल गांधी ने जब हस्ढ्ढ अध्यक्ष पद के लिए इंटरव्यू लिया तब प्रभारी कन्हैया कुमार भी मौजूद थे.

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय अखिल भारतीय संत समिति के उपाध्यक्ष आचार्य राकेश कुमार जी के नेतृत्व में पहुना में पधारे महामण्डलेश्वर सर्वेश्वर दास जी, महंत त्रिवेणी दास जी, महंत दिव्यकांत दास जी, महंत राधेश्याम दास जी, महंत श्याम सुंदर दास जी, महंत नंदाचार्य जी, महंत विवेक गिरी जी, महंत सीताराम दास जी, महंत राम रूप दास जी का आशीर्वाद पाकर खुशी से अभिभूत हो गए।

इंडिया में सीटों की डील: 2024 में भाजपा को मात देने के लिए कांग्रेस को देनी पड़ेगी कितनी बड़ी कुर्बानी

नई दिल्ली। इंडिया गठबंधन की पार्टियों में लोकसभा चुनाव के दौरान सीट शेयरिंग फॉर्मूले को लेकर राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं. रिपोर्ट्स के मुताबिक, 2019 के लोकसभा चुनाव में 421 सीटों पर चुनाव लड़ने वाली कांग्रेस 2024 में 300 से भी कम सीटों पर चुनाव लड़ सकती है. लोकसभा चुनाव में बिहार को लेकर गठबंधन में सीटों का बंटवारा काफी हद तक क्लियर हो गया है. सूत्रों के मुताबिक, बिहार की 40 सीटों में से जेडीयू और आरजेडी 17-17 सीटों पर लड़ेंगी और कांग्रेस को पांच सीटें मिल सकती हैं. एक सीट लेफ्ट फ्रंट को जा सकती है. राज्यसभा की भी एक 1 सीट कांग्रेस को दी जा सकती है. हालांकि, एनडीटीवी से बातचीत में बिहार कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद अखिलेश प्रसाद सिंह ने दावा किया कि पार्टी 9 सीटों पर चुनाव लड़ना चाहती है. उन्होंने कहा, हम लोग पिछली बार 9 सीटों पर चुनाव लड़े थे और मोतिहारी से उपेंद्र कुशवाहा के चुनाव चिह्न पर चुनाव लड़ा था. हम लोग चाहते हैं कि पिछली बार जितनी सीटों पर कांग्रेस ने चुनाव लड़ा इस बार भी उतनी ही सीटों पर लड़े, ऐसा सभी पार्टियां भी चाहती हैं.

प्रमुख समाचार

वीवीपीएटी विवाद: चुनाव आयोग को ईवीएम पर है पूरा भरोसा

नई दिल्ली। चुनाव आयोग (ईसी) ने शुक्रवार को कांग्रेस नेता जयराम रमेश वोटर वेरिफिएबल पेपर ऑडिट ट्रेल (वीवीपीएटी) द्वारा उठाई गई चिंताओं को खारिज कर दिया, जिसमें कहा गया था कि आयोग को चुनावों में इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) का उपयोग करने में पूर्ण विश्वास है। रमेश ने पिछले साल 30 दिसंबर को चुनाव आयोग को पत्र लिखकर अनुरोध किया था कि भारतीय राष्ट्रीय विकासात्मक समावेशी गठबंधन (इंडिया) के एक प्रतिनिधिमंडल को वीवीपैट पर्चियों पर अपने विचार रखने के लिए समय दिया जाए। चुनाव संचालन नियम, 1961 के नियम 49ए और 49एम, वीवीपीएटी को नियंत्रित करना और पेपर पर्चियों को संभालना 14 अगस्त 2013 को आईएनसी द्वारा पेश किया गया था। चुनाव आयोग ने कहा कि उसने वीवीपैट पर्चियों की विशेषताओं, उन्हें क्यों और कब शामिल किया गया, वीवीपैट पर्चियों की उत्पत्ति का पता लगाने, और जब पर्चियों के नष्ट होने पर क्या होता है. जैसे सवालों के जवाब देने के लिए अपने अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्नों में प्रश्नों की संख्या 76 से बढ़ाकर 85 कर दी है।

जितेंद्र आव्हाड के खिलाफ एफआईआर दर्ज

नई दिल्ली। भगवान राम पर विवादित टिप्पणी देने वाले एनसीपी नेता (शरद पवार गुट) जितेंद्र आव्हाड के खिलाफ पुणे पुलिस ने एफआईआर दर्ज की है। पुणे भाजपा प्रमुख धीरज घाटे की शिकायत पर विश्रामबाग पुलिस स्टेशन में आईपीसी की धारा 295 ए (जानबूझकर और दुर्भावनापूर्ण कृत्य, किसी भी वर्ग के धर्म या धार्मिक विश्वासों का अपमान करके उसकी धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने का इरादा) के तहत एफआईआर दर्ज की गई है। शिरडी में एक कार्यक्रम के दौरान जितेंद्र आव्हाड ने भगवान राम को लेकर विवादित बयान दिया था। ुरुवार को जितेंद्र आव्हाड ने अपनी टिप्पणियों के लिए माफी मांगी थी। हालाँकि, आव्हाड, जिन्होंने उल्लेख किया था कि वह शोध के बिना नहीं बोलते, ने कहा कि हिंदू महाकाव्य रामायण में उन्होंने जो कहा उसका उल्लेख है। जितेंद्र अव्हाड ने कहा कि मैं खेद व्यक्त करता हूं। मैं किसी की भावनाओं को ठेस नहीं पहुंचाना चाहता था। जितेंद्र आव्हाड के बयान पर महाराष्ट्र की राजनीतिक में जबरदस्त बवाल मचा हुआ है। बुधवार को महाराष्ट्र के शिरडी में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए एनसीपी-शरद पवार गुट के नेता आव्हाड ने कहा, राम हमारे हैं, वह बहुजन के हैं। राम शिकार करते थे और खाते थे।

शरद पवार के पोते रोहित की कंपनी पर ईडी का छापा

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय ने शुक्रवार को महाराष्ट्र स्थित कंपनी बारामती एग्रो प्राइवेट लिमिटेड के परिसर पर छापा मारा, जिसके सीईओ एनसीपी विधायक और शरद पवार के पोते रोहित पवार हैं। एजेंसी की कार्रवाई पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए पार्टी के शरद पवार गुट ने कहा कि रोहित पवार की हालिया युवा संघर्ष यात्रा को लेकर भाजपा की असुरक्षा के कारण तलाशी ली गई। एनसीपी (शरद पवार समूह) के राष्ट्रीय प्रवक्ता क्लाइड क्रैस्टो ने कहा कि केंद्रीय एजेंसी की तलाशी रोहित पवार को नहीं रोक पाएगी। क्रैस्टो ने दावा किया, वह और मजबूत होकर सामने आएंगे। यह स्पष्ट है कि संघर्ष यात्रा ने तंत्रिका तंत्र पर आघात किया है और भाजपा को असुरक्षित बना दिया है बीजेपी नेता किरीट सोमैया ने आरोपों की त्वरित जांच की मांग की है। हमने ईडी से महाराष्ट्र राज्य सहकारी बैंक की हेरफेर की गई नीलामी के माध्यम से रोहित पवार की बारामती एग्रो द्वारा ?50 करोड़ की बहुत कम कीमत पर कन्नड़ सहकारी चीनी कारखाने के अधिग्रहण की जांच करने का अनुरोध किया।

जापान में भूकंप प्रधानमंत्री मोदी ने किशिदा को लिखा पत्र

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने जापानी समकक्ष फुमियो किशिदा को पत्र लिखकर 1 जनवरी को आए विनाशकारी भूकंप के बाद जापान और उसके लोगों के साथ भारत की एकजुटता व्यक्त की, जिसमें 90 से अधिक लोग मारे गए। सूत्रों के हवाले से बताया कि अपने पत्र में पीएम मोदी ने कहा कि भारत भूकंप प्रभावित जापान को हर संभव सहायता देने के लिए तैयार है क्योंकि नई दिल्ली एक विशेष रणनीतिक और वैश्विक भागीदार के रूप में टोक्यो के साथ अपने संबंधों को महत्व देती है। पीएम मोदी ने जापानी प्रधानमंत्री को पत्र लिखते हुए कहा कि मैं 1 जनवरी को जापान में आए बड़े भूकंप के बारे में जानकर बहुत दुखी और चिंतित हूं। मैं अपनी जान गंवाने वाले लोगों के शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं। हम जापान और आपदा से प्रभावित उसके लोगों के साथ एकजुटता से खड़े हैं। 1 जनवरी को जापान में इशिकावा प्रान्त में नोटो प्रायद्वीप के पास 7.6 तीव्रता का भूकंप आया, जो एक सदी से भी अधिक समय में इस क्षेत्र में आया सबसे शक्तिशाली भूकंप था, जिसमें 92 लोग मारे गए।

गौतम नवलखा को सुको से नहीं मिली राहत, जमानत पर रोक बरकरार

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को बॉम्बे हाई कोर्ट के उस आदेश पर रोक बढ़ा दी, जिसमें राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) के अनुरोध के बाद भीमा-कोरेगांव हिंसा मामले में कार्यकर्ता गौतम नवलखा को जमानत दी गई थी। अदालत ने एजेंसी की अपील को भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) के पास भेज दिया, जब उसे बताया गया कि एल्गार परिषद-माओवादी लिंक मामले में अन्य आरोपियों के समान जमानत मामले शीर्ष अदालत की अन्य पीठों के समक्ष लंबित हैं। एनआईए ने बॉम्बे हाईकोर्ट के 19 दिसंबर के आदेश को चुनौती देते हुए अपील की थी, जिसमें 72 वर्षीय कार्यकर्ता को जमानत दी गई थी। उच्च न्यायालय ने अपने आदेश को तीन सप्ताह के लिए निलंबित कर दिया था ताकि एनआईए शीर्ष अदालत में अपील दायर कर सके, जो 9 जनवरी को समाप्त होने वाली थी। न्यायमूर्ति एमएम सुंदरेश और एसवीएन भट्टी की एससी पीठ ने शुक्रवार को कहा कि उच्च न्यायालय ने 19 दिसंबर के अपने आदेश से अपने फैसले पर तीन सप्ताह के लिए रोक लगा दी है, इसलिए इसे सीजेआई द्वारा मामले को एक पीठ के समक्ष आवंटित करने तक बढ़ाया जाता है।

दक्षिण भारत में प्रधानमंत्री की सक्रियता

नीरजा चौधरी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा दक्षिणी राज्यों पर ध्यान देना, वहां सभाएं करना और विभिन्न योजनाओं की घोषणा करना नयी परिघटना नहीं है। ऐसा वे लंबे समय से करते आ रहे हैं, लेकिन हाल के वर्षों में उनकी इस सक्रियता में बढ़ोतरी हुई है और इसमें अनेक आयाम जोड़े गये हैं। संसद की नयी इमारत में लोकसभा के कक्ष में सेंगोल को राजदंड के प्रत्येक रूप में स्थापित करना और तमिलनाडु यात्रा में उसका उल्लेख करना, काशी संगमम जैसे बड़े आयोजन का किया जाना और इस पहल के अंतर्गत तमिल साहित्य, व्याकरण और अन्य शास्त्रों के प्रसिद्ध ग्रंथों का कई भाषाओं में अनुवाद कराना उल्लेखनीय गतिविधियां हैं। वाराणसी में जो श्रद्धालु आते हैं, उनमें 20 प्रतिशत लोग तमिलनाडु से होते हैं। यह भगवान शिव की नगरी है और दक्षिण भारत में उन्हें मानने वाले लोगों की बड़ी संख्या है। हाल में प्रधानमंत्री मोदी की दक्षिण में आउटरीच की कोशिशें बहुत तेज हो गयी हैं। पिछले दिनों उन्होंने तमिलनाडु और केरल की यात्रा की है। उन्होंने तिरुचिरापल्ली में हवाई अड्डे के नये टर्मिनल का उद्घाटन किया और 20 हजार करोड़ रुपये से अधिक की लागत की अनेक परियोजनाओं की घोषणा भी की। ये परियोजनाएं हवाई अड्डे, रेल, राजमार्ग, बंदरगाह, पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस, परमाणु ऊर्जा, उच्च शिक्षा आदि क्षेत्रों की हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने यह भी रेखांकित किया कि बीते एक साल में 40 से अधिक केंद्रीय मंत्रियों ने तमिलनाडु की 400 से अधिक यात्राएं की हैं। उन्होंने तमिलनाडु को सांस्कृतिक प्रेरणा भी बताया।

केरल में तो वे राजनीतिक रूप से बहुत आक्रामक नजर आये और अपने भाषण में उन्होंने कांग्रेस और वाम मोर्चे की तीखी आलोचना की। वहां भाजपा ने महिलाओं की एक बड़ी सभा का आयोजन किया। लक्षद्वीप, जहां बड़ी मुस्लिम आबादी है, में भी उन्होंने महिलाओं के लिए चल रहीं केंद्र सरकार की योजनाओं को गिनाया। साथ ही, उन्होंने तिहरे तलाक से छुटकारा दिलाने की उपलब्धि का भी उल्लेख किया। यदि हम देश के अन्य हिस्सों में देखें, तो महिलाओं का भरोसा हासिल करने के लिए प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा लगातार प्रयास करते रहे हैं। इसका उन्हें बहुत राजनीतिक लाभ भी हुआ है। दक्षिण में सांस्कृतिक एवं धार्मिक मुद्दों तथा विकास योजनाओं को आधार बनाने के साथ-साथ उनकी कोशिश है कि महिलाओं को अपने पाले में लाकर जनाधार बढ़ाया जा सकता है। पिछले दिनों मैं बनारस में थी। वहां मैंने देखा कि प्रधानमंत्री के बड़े-बड़े होर्डिंग लगे हैं, जिनमें वे तमिल भाषा में तीर्थयात्रियों का अभिनंदन कर रहे हैं।

पिछले लोकसभा चुनाव को देखें, तो उत्तर और पश्चिम में भाजपा ने बहुत बड़ी जीत हासिल की थी। दक्षिण में कर्नाटक में भी उसने लगभग सभी सीटें जीत ली थीं। अब इन राज्यों में अधिक बढ़त की गुंजाइश तो है नहीं। कुछ सीटें कम भी हो सकती हैं। कर्नाटक में पिछले रिकॉर्ड को दुहराना आसान नहीं होगा। ऐसे में भाजपा के लिए आवश्यक है कि वह दक्षिण में कुछ सीटें जीते, ताकि दूसरी जगहों के नुकसान की भरपाई की जा सके। हमें ध्यान रखना चाहिए कि आगामी लोकसभा चुनाव में भाजपा का लक्ष्य केवल बहुमत जुटाना नहीं है, वे चाहते हैं कि उनकी सीटें 303 से अधिक हों। इसलिए उनका ध्यान दक्षिण की ओर बढ़ा है। तमिलनाडु में उनकी कोशिश तो बहुत समय से चल रही है। राज्य में अन्नामलाई जैसे युवा के हाथ में पार्टी की कमान देने के बाद से पार्टी अधिक सक्रिय हुई है। अन्नामलाई बहुत मेहनती नेता माने जाते हैं और उनके बयान भी सुर्खियों में रहते हैं। मुझे लगता है कि आने वाले दिनों में दक्षिणी राज्यों के लिए और परियोजनाओं की घोषणा हो सकती है। इसके अलावा, भाजपा क्षेत्रीय पार्टियों के साथ तालमेल भी करने की कोशिश करेगी। तमिलनाडु में उन्होंने मुख्यमंत्री एमके स्टालिन की उपस्थिति में दिवंगत एमडीएमके नेता और फिल्म स्टार विजयकांत की प्रशंसा करते हुए श्रद्धांजलि दी, जो स्टालिन की डीएमके के विरोधी थे। मुख्य विपक्षी दल अन्ना द्रमुक से भाजपा की निकटता पहले से है। अभी उनका औपचारिक गठबंधन नहीं है, पर चुनाव आते-आते कुछ समझौता संभावित है। तेलंगाना में भाजपा के चंद्रशेखर राव की भारत राष्ट्र समिति से समझौता कर सकती है। आंध्र प्रदेश में भी मुख्यमंत्री जगन रेड्डी की वाइएसआर कांग्रेस से संपर्क की बात सुनी जा रही है। चंद्रबाबू नायडू की तेलुगू देशम और फिल्म स्टार पवन कल्याण की पार्टी जन सेना ने तो खुले तौर पर भाजपा से गठबंधन बनाने की बात कही है। कर्नाटक में पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवगौड़ा की पार्टी जनता दल (सेकुलर) से भाजपा का गठबंधन हो ही चुका है। यह बात भी ध्यान में रखनी चाहिए कि कर्नाटक के अलावा अन्य दक्षिणी राज्यों में भाजपा की सांगठनिक उपस्थिति कमजोर है। कर्नाटक में भी पार्टी के भीतर गुटबाजी है और भ्रष्टाचार के आरोप भी हैं। हाल में कांग्रेस से मिली हार से भी पार्टी को धक्का लगा है। तेलंगाना में पहले लग रहा था कि मुख्य मुकाबला सत्तारूढ़ भारत राष्ट्र समिति और भाजपा के बीच होगा। प्रधानमंत्री मोदी ने प्रचार भी किया था, लेकिन भाजपा बहुत पीछे रह गयी और कांग्रेस ने बाजी मार ली। इसकी बड़ी वजह पार्टी संगठन का कमजोर होना रहा। ऐसे में भाजपा अपने प्रसार के लिए प्रधानमंत्री मोदी की छवि और लोकप्रियता पर बहुत हद तक निर्भर है। हालांकि उत्तर और पश्चिम भारत में भी उनकी लोकप्रियता भाजपा की सबसे बड़ी शक्ति है, लेकिन दक्षिण भारत में उनकी सक्रियता ही भाजपा को आगे ले जा सकती है। व्यक्तिगत रूप से बतौर नेता प्रधानमंत्री मोदी दक्षिण में भी बहुत लोकप्रिय हैं। इसका एक अंदाजा उनकी सभाओं में आने वाली भीड़ से लगाया जा सकता है। इसे भुनाने की कोशिश भाजपा कर रही है। दक्षिण में भाजपा की उपस्थिति कमजोर होने के अनेक कारण हैं और वहां मजबूत राजनीतिक ताकत बनने में समय लग सकता है, लेकिन जब प्रधानमंत्री मोदी स्वयं अपनी सरकार और पार्टी की पहुंच बढ़ाने के अभियान में इतनी मेहनत से जुटे हैं, तो उसका असर पड़ना स्वाभाविक है। अपनी सभाओं में वे भावनात्मक जुड़ाव की कोशिश तो कर ही रहे हैं, साथ ही विपक्ष पर भी आक्रामक हैं।

आवक भरपूर लेकिन उठाव नहीं, संग्रहण केंद्रों में खरीदी नहीं होने किसानों की बढ़ी चिंता

कटघोरा, बस्तर। छत्तीसगढ़ में एक नवंबर 2023 से धान खरीदी का महाअभियान निरंतर जारी है। प्रदेश में अब तक किसानों से 74 l28 लाख मीट्रिक अधिक धान की खरीदी की गई है। वहीं धान खरीदी केंद्रों में धान का उठाव नहीं हो रहा है, जिससे केंद्रों में परेशानी बढ़ गई है। ऐसा ही मामला कोरबा और बस्तर जिले से आया है।

कोरबा के पोंडी उपरोडा ब्लाक में धान खरीदी केन्द्रों में धान की बंपर आवक हो रही है। लेकिन केन्द्रों में धान जाम की स्थिति बन गई है। पोंडी उपरोडा ब्लॉक में 12 केंद्रों में बफर स्टाक पार कर गया है और धान रखने के लिए जगह नहीं है। इन केंद्रों में पांच से दस हजार क्विंटल धान रखने की ही क्षमता है। ऐसे में इन केंद्रों में धान खरीदी करने में समस्या आ रही है। पोंडी उपरोडा, मोरगा, कोरबी, सिरमिना व अन्य धान खरीदी केंद्र में सबसे बड़ी समस्या हो रही है यहां जगह छोटी व धान का सही समय पर उठाव न होने के कारण ट्रेक्टर से लाये धान को किसान सड़क पर ही खड़ा कर दे रहे हैं। प्रबंधक ने बताया कि धान का आवक बढ़

गया है और डीओ कटने के बाद भी धान का उठाव नहीं हो पा रहा है, स्थिति यह है कि समिति के पास जगह की कमी होने के कारण यदि एक सप्ताह में धान का उठाव नहीं हुआ तो अगले सप्ताह से किसानों का टोकन काटना बंद करना पड़ेगा।

बस्तर जिले में धान उठाव नहीं होने से अब खरीदी प्रभावित होने लगी है। बस्तर जिले के 95 फ़ीसदी केंद्र ऐसी स्थिति में पहुंच चुके हैं। जहां धान अब बफर लिमिट को पार कर गया है। अगले एक से दो दिनों में अगर धान का उठाव नहीं होता है तो खरीदी प्रभावित हो जाएगी खरीदी केंद्र संचालकों ने भी अब प्रशासन को इसके लिए अल्टीमेटम दे दिया है।

बस्तर जिले में 79 धान खरीदी केंद्र हैं इनमें से 77 धान खरीदी केंद्रों में धान का स्टॉक बफर लिमिट के पार है। 79 केंद्रों में 86,471 टन धान खुले आसमान के नीचे पड़ा हुआ है।

वहीं दूसरी तरफ अब तक जिले में 21,232 किसानों से 1,14,203 टन धान की खरीदी हो चुकी है। बस्तर जिले में फिलहाल 35 मिलर्स धान का उठाव कर रहे हैं जबकि धान की मिलिंग के लिए 47 मिलर्स के साथ अनुबंध की प्रक्रिया पूर्ण हो गई है खरीदी केंद्रों से अब तक 29,718 टन धान का उठाव हो पाया है धान खरीदी केंद्र संचालकों का कहना है कि केंद्रों में इस कदर धान हो चुका है कि खरीदी के लिए अब जगह नहीं बची है।

अवैध धान संग्राहकों पर कार्रवाई करने के निर्देश

जगदलपुर। जगदलपुर कलेक्टर विजय दयाराम के. ने कहा है कि जिले के किसानों के हितों को कोई बाहरी व्यक्ति प्रभावित नहीं करें इस हेतु जिले में अवैध धान परिवहनकर्ताओं और संग्राहकों पर लगातार कार्रवाई की जा रही है। कलेक्टर ने अधिकारियों को जिले के किसानों का धान, उपार्जन केंद्रों में पहुंचने और शासन की योजनाओं का लाभ दिलवाना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

कार्यालय कृषि उपज मंडी जगदलपुर से प्राप्त जानकारी के अनुसार अवैध धान परिवहन के कुल नौ मामलों में मंडी अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई, जिसमें 314 कुंतल धान और सात वाहनों को जब्त किया गया है। जिले में एक जनवरी तक धान का अवैध परिवहन करते हुए कार्यवाही में छह लाख 64 हजार 726 रुपये की अनुमानित मूल्य के धान को जब्ती की गई है। इसके साथ ही राजस्व विभाग के अधिकारियों द्वारा भी अवैध धान परिवहन एवं संग्रहण के विरूद्ध कई मामले दर्ज कर कार्यवाही की गई है। जिसके तहत तहसीलदार जगदलपुर द्वारा दिसम्बर माह में उड़ीसा राज्य की सीमा में 340 बोरी और चार जनवरी 2024 को 683 बोरी अवैध धान जब्त किया गया है।

सरगुजा में हाथियों का आतंक पहाड़ी कोरवा सहित 2 की मौत

सरगुजा। छत्तीसगढ़ के सरगुजा संभाग में हाथियों का उत्पात जारी है। हाथियों ने दो अलग अलग इलाकों में दो लोगों की जान ले ली। उदयपुर और बतौली वन परिक्षेत्र में हाथियों ने दो लोगों को कुचलकर मार डाला। गुरुवार को उदयपुर में सुबह तो देर रात बतौली वन परिक्षेत्र के कछारडीह में पहाड़ी कोरवा को हाथियों ने अपना निशाना बनाया है।

सरगुजा में 50 हाथियों का दल घूम रहा है। जो बीच बीच में कभी शहरों के पास तो कभी गांव में पहुंच जाते हैं। इस दौरान कई इंसानों की जान ले रहे हैं तो कई बार उनके खेतों में लगा फसल को बर्बाद कर रहे हैं। सप्ताह भर से हाथियों का एक दल अंबिकापुर शहर के पास डेरा जमाए हुए था। कई बार हाथियों का यह दल नेशनल हाइवे पर पहुंच जाता है जिससे क्षेत्र में अफरातफरी मच गई थी। साल के पहले दिन हाथियों का ये दल अम्बिकापुर नगर निगम की सीमा में घुस गया था। इसके अलावा कई अन्य दल भी सरगुजा के जंगलों में घूम रहे हैं।

बलरामपुर, जशपुर और सरगुजा जिला सबसे ज्यादा हाथी प्रभावित है।अंबिकापुर जिले के मैनपाट वन परिक्षेत्र में 22 हाथियों का दल पिछले कई दिनों से घूम रहा है। जिसमें उदयपुर वनपरिक्षेत्र के 9 हाथियों का समूह भी शामिल है।

नहीं थम रहा हाथियों का उत्पात कई घरों को किया क्षतिग्रस्त

जशपुर। जिले के पत्थलगांव, बगीचा और कांसाबेल में हाथियों का उत्पात थम नहीं रहा है। कड़कड़ाती ठंड में भी हाथी आए दिन रिहायशी इलाकों में पहुंच रहे हैं और नुकसान पहुंचा रहे हैं। हाथियों ने एक बार भी पत्थलगांव में उत्पात मचाया है। यहां के 5 गांवों में 4 घरों को गजराज ने क्षतिग्रस्त कर दिया है। इससे लोगों में दहशत का माहौल है। घटना की सूचना मिलने पर वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। फिलहाल, वन विभाग ने 30 प्रभावित गांवों में 24 घंटे निगरानी शुरू कर दी है। इसके लिए पुलिसकर्मियों की भी मदद ली जा रही है। बता दें कि, इसके पहले हाथियों के दल ने बुधवार को तमता और बालाझर में दो घरों को क्षतिग्रस्त कर वहां रखे अनाज को चट कर दिया था। हाथियों के हमले के दौरान घर के बाहर अलाव जलाकर बैठे लोगों ने भागकर मुश्किल से अपनी जान बचाई थी।

अवैध शराब बिक्री की शिकायत पर पुलिस ने की छापेमारी

बिलासपुर। बिलासपुर के रतनपुर थाना क्षेत्र मे रेड कार्रवाई करने गये पुलिस अधिकारी और कर्मचारियों को गाली गलौच कर शासकीय कार्य में बाधा डालने वाले आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। दरअसल रतनपुर थाना प्रभारी देवेश सिह राठौर ने बताया की पुलिस को सुचना मिली थी की ग्राम पंचायत परसदा के रहने वाले सुनील देवार गांव में अवैध रूप से शराब बिक्री करता है जिसकी शिकायत व सूचना पर थाना रतनपुर से रेड कार्रवाई के लिए थाना प्रभारी द्वारा टीम गठन कर गांव में भेजा गया।

इस पर ग्राम परसदा में सुनील देवार के घर जाकर छापामार कार्रवाई के दौरान सुनील देवार के स्थित बरामदे से बडी मात्रा में कच्ची महुआ शराब मिली। पुलिस टीम द्वारा शराब को जब्त कर आरोपी सुनील देवार को थाना लाते समय सुनील की पत्नि गौरी देवार व उनके परिवार के लोग पूर्णिमा भट्ट मनी देवार,शारदा भट्ट, बुधवारा बाई, पूर्णिता ने पुलिस टीम को अश्लील गाली गलौच करते हुए जान से मारने की धमकी दिया और टीम के साथ झुमा-झटकी करने लग गये। इस बीच आरोपी सुनील देवार की पत्नि ने अपने पति को ले जाने का विरोध करते हुये आरक्षक नंदकुमार यादव के हाथ को दांत से काट दिया साथ ही झुमा झटकी से प्रधान आरक्षक सैय्यद अकबर अली के लिनियार्ड को भी तोड़ दिया।

इस दौरान आरोपी सुनील देवार मौके का फायदा उठाकर वहां से फरार हो गया। इस मामले मे नंदकुमार यादव ने थाना रतनपुर में शिकायत पत्र प्रस्तुत किया इस पर आरोपियों के विरूद्ध अलग अलग धाराओं के तहत अपराध कायम कर विवेचना में लिया गया। वहीं ग्राम परसदा में पांच आरोपी सुनील देवदत्त पिता गेंदराम देवदत्त,गौरी देवार पति सुनील देवार,पूर्णिमा भट्ट पति हरिप्रसाद भट्ट,मनी देवार पति हरिप्रसाद देवार,तथा शारदा भट्ट पति मनी भट्ट उम्र 18 वर्ष निवासी पकरिया थाना मुलमुला जिला जॉंजगीर को गिरफ्तार किया है और सभी को न्यायिक रिमाण्ड पर भेजा गया है।

ट्रेनों के रद्द होने की सूचना 15 दिन पहले सूचित करने का करेंगे प्रयास : महाप्रबंधक

बिलासपुर। बिलासपुर में आयोजित हुई रेलवे जेड आर यू सी सी मेम्बरो की 18वीं बैठक में रद्द हो रही यात्री ट्रेनों पर चर्चा हुई तथा यात्री सुविधाओं से संबंधित सुझाव रखे गए। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की क्षेत्रीय रेलवे उपयोगकर्ता परामर्शदात्री समिति की 18 वीं बैठक बिलासपुर के रेलवे के महाप्रबंधक प्रशासनिक भवन मे महाप्रबंधक श्री आलोक कुमार की अध्यक्षता में संपन्न हुई मीटिंग के शुभारंभ में रेलवे महाप्रबंधक श्री आलोक कुमार जी ने जेड आर यू सी सी मेंबरो का शाल श्री फल से सम्मानित किया।

छत्तीसगढ़ चेंबर के कार्यकारी अध्यक्ष श्री राजेंद्र जग्गी ने रेलवे विकास और यात्री सुविधाओं से संबंधित सुझाव दिए जिनमें बिलासपुर रेलवे जोन में विगत वर्षों में लगातार यात्री ट्रेन रद्द हो रही है जिसमें चैंबर की तरफ से मांग की गई की कम से कम 15 दिन पहले सूचित किया जावे जिससे की यात्रीगण अपनी वैकल्पिक व्यवस्था कर सके। इसके जवाब में रेलवे महाप्रबंधक ने इसे गंभीर विषय मनाते हुए कहा कि हम पूरा प्रयास करेंगे कि यह समस्या आगे ना आए अगर किसी कारणवश होती है तो उसे कम से कम 15 दिन पहले सूचित करने का प्रयास किया जाएगा।

रेलवे पार्सल में छोटे व्यापारियों को आ रही असविधा हेतु भी चैंबर द्वारा मांग रखी गई की कच्चा माल जो छोटे व्यापारी मांगते हैं किसी कारणवश वह आगे स्टेशन पर चला जाता है उसके क्लैंप हेतु छत्तीसगढ़ के व्यापारियों को नागपुर या भोपाल क्रिमिनल कोर्ट के लिए के जाना पड़ता है जिस पर राजेंद्र जग्गी जी ने सुझाव दिया कि छत्तीसगढ़ के रायपुर या बिलासपुर में इसकी एक बेंच या कोर्ट बनाई जाए जिस पर सम्मानित महाप्रबंधक महोदय ने बताया कि यह विषय केंद्र का है आपके द्वारा दिए गए सुझाव को हम केंद्र में प्रेषित करेंगे और पूरा प्रयास करेंगे कि यहां कोर्ट की स्थापना हो सके इसके अलावा जगदीश जी द्वारा बिलासपुर उसलापुर रेलवे स्टेशन अंबिकापुर शक्ति आदित्य स्टेशनों से चलने वाली ट्रेन वहां ट्रेनों ट्रेनों एवं वहां के स्टेशन की समस्याओं को भी सम्मानित महाप्रबंधक महोदय को अवगत कराया जिस पर उन्होंने तत्काल प्रभाव से ठीक करने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर डी जी एम समीरकांत माथुर रेलवे के अन्य अधिकारीगण सहित जेड आर यू सी सी मेम्बर भी प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

नवीन ने हथियार छोड़ कानून की रखवाली का उठाया बीड़ा

नारायणपुर। राज्य सरकार और पुलिस प्रशासन द्वारा नक्सलवाद के खात्मे के लिए पुनर्वास योजना चलाई जा रही है, जिसका लाभ उठा कर कई नक्सली संगठन से जुड़े मावोवादियों ने आत्मसमर्पण कर मुख्य धारा से जुड़कर अपने भविष्य को संवारा है। कुछ ऐसा ही कारनामा कर दिखाया है कमलू नूरेटी उर्फ नवीन ने, जिन्होंने हथियार छोड़ कानून के रास्ते पर चलना चुना।

कभी नक्सली कमांडर रहे नवीन के खौफ की गूंज नारायणपुर सहित पूरे बस्तर संभाग में थी। लेकिन नक्सल संगठन से अपना नाता तोड़ सरकार की पुनर्वास योजना से प्रभावित होकर 2013 में नवीन ने आत्मसर्पण किया और पुलिस फोर्स का हिस्सा बनकर नक्सल विचार धारा के विपरित कार्य करते हुए पुलिस पार्टी को लगातार कई उपलब्धियां दिलाई। जिसका ही परिणाम रहा है कि पहले कमलू नूरेटी उर्फ नवीन को क्रमिक पदोन्नति कर सिपाही से आरक्षक बनाया गया और आज एएसपी निखिल रखेजा, एएसपी हेम सागर सिदार व डीएसपी प्रशांत देवांगन की उपस्थिति में जिला पुलिस अधीक्षक पुष्कर शर्मा द्वारा प्रधान आरक्षक के तमगे से नवाजा गया है।

कमलू नूरेटी को वर्ष 2018 में ग्राम गुमियाबेड़ा पुलिस-नक्सली मुठभेड़ में शामिल रहकर नक्सलियों के खिलाफ लोहा लेने के लिए पदोन्नति दी गई है। पदोन्नत प्रधान आरक्षक, पूर्व में नक्सल संघटन में डीवीसी मेंबर, एलओएस कमांडर एवं अन्य पद पर कार्यरत रहा है।

छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार

बीएसएफ का निजी वाहन पलटने से 17 जवान घायल

कांकेर। कांकेर और नारायणपुर जिले के सीमावर्ती गांव कुम्हारी में बीएसएफ का निजी वाहन पलटने से 17 जवान घायल हो गये हैं जिनमे पांच जवान गम्भीर रूप से घायल बताये जा रहे हैं। पूरे मामले को लेकर नारायणपुर एसपी पुष्कर शर्मा ने बताया कि पूरा मामला जिला नारायणपुर और जिला कांकेर के सीमावर्ती थाना रावघाट और ताडोकी के बीच का है जहां पर 162 बटालियन बीएसएफ के जवान वाहन में जा रहे थे तभी ये हादसा हुआ है। हादसे में 17 जवान घायल हुये हैं जिनको नारायणपुर के जिला अस्पताल में उचित इलाज के लिए लाया गया है। जवानों की हालत अभी सही है, प्राथमिक उपचार जारी है। घटना में पांच जवान गंभीर रूप से घायल हुये हैं उनको बेहतर इलाज के लिए रायपुर रेफर किया गया है। सरगीपाल फुलपाड कैम्प में जवान नक्सल मोर्चे पर पदस्थ थे। छुट्टी में सभी जवान बीएसएफ के निजी वाहन से अन्तागढ़ आ रहे थे उसी दौरान स्टेरिंग फेल होने के कारण दुर्घटना घटी।

जनता के आगे नतमस्तक हुए मंत्री केदार कश्यप

कोंडागांव। अभी तक आपने चुनाव जीतने के बाद विधायक को विधानसभा तो सांसद को संसद भवन के सामने नतमस्तक होते देखा होगा। मगर छत्तीसगढ़ के वन मंत्री बनने के बाद जनता से आशीर्वाद लेने पहुंचे मंत्री केदार कश्यप जनता के सामने जूता उतार कर नतमस्तक हो गए। दरअसल, वन मंत्री केदार कश्यप कल अपनी विधानसभा क्षेत्र के मर्दापाल पहुंचे थे। यहां भरपूर जनादेश पर उनका आभार करने पहुंचे तो उनके इंतजार में खड़े सैकड़ों समर्थकों को घंटों खड़ा देख वो खुद को रोक नहीं पाए। उनको मिल रहे जनता के प्यार और उन पर जनता के विश्वास को देख वो अपनी कार से उतर कर सीधे अपनी जूता उतार कर पूरे समर्थकों के सामने नतमस्तक हो गए। इस दौरान उन्होंने कहा, मैं आपका आशीर्वाद लेने आया हूं। आपने जिस उम्मीद और विश्वास से मुझे प्रचंड मतों से जिताया है, आपसे किया एक-एक वादा पूरा करूंगा। ये मोदी की गारंटी है, हर वादा आपका पूरा होगा।

माँ महामाया का दर्शन करने पहुंची गोविंदा की धर्मपत्नी

बिलासपुर। फिल्म अभिनेता गोविंदा अपनी धर्मपत्नी सुनीता आहूजा के साथ निजी कार्यक्रम में शामिल होने बिलासपुर आए हुई है। सुनीता आहूजा रतनपुर स्थित माँ महामाया देवी मंदिर पहुंचकर पूजा-अर्चना की। इस दौरान उन्होंने पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा कि मां का दर्शन कर उन्हें अद्भुत सकून और शांति का अनुभव हुआ। रतनपुर में स्थित देवी दुर्गा महालक्ष्मी को समर्पित एक मंदिर है और पूरे भारत में फैली 52 शक्तिपीठों में से एक है। देवी महामाया शक्ति के रूप में यहां प्रमाणित तौर पर है। यह मंदिर विश्वप्रसिद्ध है। यहां भक्त अपनी मनोकामना को लेकर आते हैं, जहां कुछ दिनों पूर्व देश की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू भी पहुंची थी तब यहां मां का राजसीय सिंगार किया गया था। शुक्रवार को इसी कड़ी में फिल्म अभिनेता गोविंदा की धर्मपत्नी सुनीता आहूजा रतनपुर पहुंची जहां मां महामाया मंदिर ट्रस्ट के द्वारा मां महामाया की तस्वीर, चुनरी, श्रीफल देकर उनका स्वागत किया गया। इसके बाद उन्होंने मां महामाया के दर पर शीश नवाए और फिर पूजा-अर्चना की।

नवपदस्थ कलेक्टर अग्रवाल ने किया कार्यभार ग्रहण

राजनांदगांव। जिले के नवपदस्थ कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ने आज सुबह कार्यभार ग्रहण कर लिया है। पूर्व कलेक्टर श्री डोमन सिंह ने नवनियुक्त कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल को कार्यभार सौंपा। उल्लेखनीय है कि कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल वर्ष 2012 बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी हैं। कार्यभार ग्रहण के दौरान जिला पंचायत सीईओ श्री अमित कुमार, अपर कलेक्टर श्रीमती इंदिरा नवीन प्रताप सिंह तोमर, एसडीएम राजनांदगांव श्री अरूण वर्मा, एसडीएम डोंगरगढ़ श्री गिरिश रामटेके, एसडीएम डोंगरगांव श्री अश्वन पुसाम सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि श्री संजय अग्रवाल राजनांदगांव में पूर्व के वर्षों में एसडीम,एडीएम तथा नगर निगम आयुक्त के पद पर भी कार्य कर चुके हैं। डां रमन सिंह के प्रयासों से राजनांदगांव को विकास के मामले में विकसित,सुंदर व अग्रणि शहर बनाने में तत्कालीन कलेक्टरों के साथ किए गए कार्यों में उनकी भूमिका सराहनीय रही थी।

अरविंद कुमार को हाईकोर्ट जज बनाने की अनुशंसा

बिलासपुर। सुप्रीम कोर्ट के कॉलेजियम ने छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट में एक नए जज की नियुक्ति को मंजूरी दी है। सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने उच्च न्यायिक सेवा के अधिकारी छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल अरविंद कुमार वर्मा को हाईकोर्ट जज बनाने की अनुशंसा की है। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट की कमेटी ने राज्यपाल और मुख्यमंत्री से सहमति के बाद अगस्त 2023 में इसका प्रस्ताव सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम को भेजा था। इस समय छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट में चीफ जस्टिस सहित 15 जज हैं। रजिस्ट्रार जनरल वर्मा की नियुक्ति के बाद जजों की संख्या 16 हो जाएगी। हाईकोर्ट में जजों के कुल स्वीकृत पद 22 हैं।

पंचायत सचिव भर्ती घोटाला, कार्रवाई में देरी पर फूटा गुस्सा

■ **जिपं सीईओ पर अपात्र उम्मीदवारों को संरक्षण देने का आरोप, पूर्व मंत्री गागड़ा से पीड़ित अभ्यर्थियों ने लगाई न्याय की गुहार**

बीजापुर। सत्ताबदल के बाद जिले में 9 साल पहले पंचायत सचिव भर्ती में हुआ घोटाला फिर सुर्खियों में है। मामला 2015 में भाजपा सरकार के कार्यकाल का है, लेकिन पीड़ित उम्मीदवारों को कांग्रेस सरकार के 5 साल के कार्यकाल में भी न्याय नहीं मिला। अब चूंकि भाजपा एक बार फिर सत्तासीन है, इसलिए पीड़ितों ने पूर्व मंत्री महेश गागड़ा के सामने घोटाले से जुड़े जांच प्रतिवेदनों के आधार पर अविलंब कार्रवाई कर न्याय की गुहार लगाई है।

आवेदक विकास कुमार मोरला, प्रताप सिंह सेमल, सुशील दुर्गम, गोविंदा मडकम ने पूर्व मंत्री के नाम ज्ञापन में इस बात का जिक्र

किया है कि वर्ष 2015 में फर्जी प्रमाणपत्र के जरिए कई अभ्यर्थियों को नियुक्ति प्रदान की गई थी।। मामला संज्ञान में आने के बाद जिपं बीजापुर ने उपसंचालक पंचायत की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय जांच दल द्वारा प्रकरण की जांच कराई। इसी तरह कार्यालय कलेक्टर द्वारा भी संयुक्त कलेक्टर की अध्यक्षता में चार सदस्यीय जांच दल का गठन किया गया था। जांच में यह स्पष्ट हो गया था कि भर्ती में गड़बड़ियां हुई है। नि:संदेह स्वार्थवश अपात्र अभ्यार्थियों को फायदा पहुंचाने चयन समिति ने फर्जीवाड़े को अंजाम दिया था। नियम-निर्देशों तथा विज्ञापित पदों में आरक्षण रोस्टर को दरकिनार कर अपात्र उम्मीदवारों को नियुक्तियां प्रदान की गई थी।

पीड़ित पक्ष का कहना है कि दो-दो जांच प्रतिवेदनों के आधार पर आज पर्यंत कार्रवाई नहीं हुई है। आरोप है कि सीईओ जिपं की ओर से पात्र अभ्यार्थियों को बचाने की कोशिश की जा रही है। जांच रिपोर्ट को दरकिनार कर सीईओ ने नए सिरे से जांच बिठाने की बात कही है। इस मामले में सीईओ जिपं की भूमिका भी संदेहास्पद है।

पीड़ित उम्मीदवारों ने पूर्व मंत्री को भाजपा के घोषणा पत्र के पृष्ठ क्रमांक 39 भर्ती संबंधित गड़बड़ियों का उल्लेख का स्मरण कराते हुए सीईओ जिपं बीजापुर को प्रकरण से पृथक करने के साथ अपात्र अभ्यार्थियों के विरूद्ध अविलंब कार्रवाई करते न्याय की गुहार लगाई है।

पत्थलगांव में है लोक निर्माण विभाग का संभागीय मुख्यालय, फिर भी सड़क की स्थिति बदहाल

■ **रायगढ़ जिले से चलता है काम**

पत्थलगांव। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के गृह जिला जशपुर में वर्षों से मुख्य सड़कों की बदहाली दूर करने की योजना तैयार करने के दौरान लोक निर्माण विभाग की लापरवाही का बड़ा नमूना सामने आया है। सबसे दिलचस्प बात यह है कि पत्थलगांव में लोक निर्माण विभाग का सम्भागीय मुख्यालय होने के बाद भी यहां पर मुख्य सड़क का निर्माण और संधारण के काम को रायगढ़ जिले को सौंप दिया गया था। मगर इसकी आड़ में बड़ा आर्थिक गोलमाल को अंजाम दिया जा रहा था। अब यह मामला सामने आने के बाद पत्थलगांव लोक निर्माण संभाग का पूरा अमला लिपापोती में जुट गया है।

दरअसल, यहां लोक निर्माण विभाग का संभागीय मुख्यालय होने के बाद भी पत्थलगांव की सड़क निर्माण की जिम्मेदारी रायगढ़ जिले के पास दे दी गई थी। इसी वजह वर्षों से यहां मुख्य सड़क की बदहाली दूर नहीं हो रही थी। अब लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों की ओर से वर्षों से चल रही इस बड़ी लापरवाही को दूर करने की बात कही जा रही है।

बताया जा रहा है कि, जशपुर जिले के पत्थलगांव-धर्मजयगढ़ मुख्य सड़क का नया निर्माण और संधारण की जिम्मेदारी वर्षों से रायगढ़ जिले के पास ही है, लेकिन रायगढ़ जिले के अधिकारियों को पत्थलगांव क्षेत्र की सड़क से कोई लेना देना नहीं रहता। इसी कारण पत्थलगांव शहर में रायगढ़ मार्ग की मुख्य सड़क लम्बे समय से बदहाल पड़ी है। मुख्यमंत्री के गृह जिले में सड़कों का कायाकल्प के दौरान पत्थलगांव की धूल भरी जरजर सड़क का भी सुधार होने की तैयारी शुरू हो गई है।

संक्षिप्त समाचार

राज्य नवाचार आयोग के अध्यक्ष विवेक ढांड ने अपने पद से दिया इस्तीफा

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य नवाचार आयोग के अध्यक्ष विवेक ढांड ने आज शुक्रवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। भूपेश बघेल सरकार के गठन के दौरान उन्होंने पद भार ग्रहण किया था। अब उन्होंने इस्तीफा छत्तीसगढ़ मुख्य सचिव अमिताभ जैन को सौंपा है। नवाचार आयोग के अध्यक्ष विवेक ढांड के 3 फरवरी 2023 को आयोग गठन के दौरान नियुक्ति हुई थी। उन्होंने इस्तीफे देने की वजह व्यक्तिगत कारण बताया है। इसके साथ ही इस्तीफे को तत्काल प्रभाव से स्वीकार करने का आग्रह किया है।

भारत सरकार ने दी छत्तीसगढ़ में 7 नए खेलो इंडिया सेंटर्स की स्वीकृति

रायपुर। केंद्रीय खेल मंत्री श्री अनुराग ठाकुर ने 7 नए खेलो इंडिया सेंटर्स की स्वीकृति दी। खेल मंत्री श्री टंकराम वर्मा ने इस पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए केंद्रीय खेल मंत्री को धन्यवाद ज्ञापित किया। खेल सचिव श्री हिमशिखर गुप्ता ने इस अवसर पर हर्ष व्यक्त किया। खेल संचालक श्रीमती श्वेता श्रीवास्तव सिन्हा ने बताया कि खेल संचालनालय के प्रस्ताव पर पूर्व में 24 जिलों में विभिन्न खेल विधाओं के 24 खेलो इंडिया सेंटर्स की स्वीकृति प्राप्त हुई थी, जिसका क्रियान्वयन किया जा रहा है। इसी क्रम में जिला कोंडागांव में तीरंदाजी, सारंगढ़-बिलाईगढ़ में फुटबॉल, गौरेला पेंड्रा मरवाही में कबड्डी, सक्ती में फुटबॉल, कबीरधाम में कबड्डी, कोरिया में बैडमिंटन और मनेंद्रगढ़ भरतपुर-चिरमिरी जिले में कबड्डी खेल की खेलो इंडिया सेंटर्स की स्वीकृति भारत सरकार से प्राप्त हुई है। इस प्रकार अब राज्य के 31 जिलों में खिलाडियों के प्रशिक्षण की व्यवस्था सुनिश्चित की जा चुकी है। राज्य के खिलाडियों के लिए प्रशिक्षण की अधिक सुविधा मिलेगी, राज्य के खिलाडियों के लिए यह कदम मील का पत्थर साबित होगा।

अयोध्या धाम के लिए चलेगी 2 स्पेशल ट्रेन

रायपुर। 22 जनवरी को अयोध्या में राम मंदिर का उद्घाटन होने जा रहा है और इसके लिए रेलवे मंत्रालय ने देश भर में 1 हजार ट्रेनें चलाने का आदेश जारी किया है। एसईसीआर से कितनी ट्रेनें चलेंगी यह तो वर्तमान में स्पष्ट नहीं है लेकिन सूत्रों के हवाले से माने तो दुर्ग से अयोध्या तक दो ट्रेन चलाए जाने का निर्णय लिया गया है। ट्रेन दुर्ग से शुरू होगी और रायपुर, भाठापारा, उसलापुर, पेंड्रा व अनूपपुर होते हुए अयोध्या जाएगी। उत्तर प्रदेश के अयोध्या के लिए भगवान राम के ननिहाल से दो ट्रेनों के सीधे चलाने का निर्णय लिया गया है। यह ट्रेन छत्तीसगढ़ में पांच प्रमुख स्टेशन होते हुए उत्तर प्रदेश के अयोध्या तक जाएगी। आयोध्या जाने वाले यात्री पूरे प्रदेश से कवर हो जाएं इसके लिए दुर्ग से ट्रेन शुरू होगी व रायपुर, भाठापारा, उसलापुर, पेंड्रा व अनूपपुर होते हुए अयोध्या जाएगी। ट्रेन में रेलवे के अलावा आईआरसीटीसी को भी खान पान की सुविधा के लिए निर्देश दिया गया है। दुर्ग से आयोध्या तक चलने वाली ट्रेन का नम्बर व दिन कब तक रेलवे अधिकारी क्लीयर करेंगे इसे लेकर डिमांड का इंतजार किया जा रहा है।

पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने चंद्राकर के बयान पर किया पलटवार

रायपुर। दिल्ली दौरे से लौटे पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने एलायंस कमेटी की बैठक को लेकर कहा, इंडिया एलाइंस कमेटी की रिपोर्ट मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल गांधी को सौंपे हैं। 9 राज्यों में एलायंस पार्टनर के साथ सीट शेयरिंग करेंगे। इस पर चर्चा की गई। अलग-अलग राज्यों की प्रमुख पार्टियों के साथ चर्चा करेंगे। 7 और 9 तारीख को फिर बैठक है। लगातार बैठकों का दौर चलने वाला है। न्याय यात्रा पर अजय चंद्राकर के बयान पर भूपेश बघेल ने पलटवार करते हुए कहा, सदमे से उबर गए क्या अजय जी। पूरी सहानुभूति है। सोच रहे थे कि मंत्रिमंडल में लेंगे पर दूध की मक्खी की तरह निकालकर फेंक दिए। कांग्रेस की लोकसभा तैयारियों पर भूपेश बघेल ने कहा, नए प्रभारी छत्तीसगढ़ आएंगे। उनका मार्गदर्शन लेंगे। प्रभारी सचिन पायलट के छत्तीसगढ़ दौरे को लेकर भूपेश बघेल ने कहा, 11 तारीख को संभवत: सचिन पायलट आएंगे। 2021 सीजीपीएससी की सीबीआई जांच पर भूपेश बघेल ने कहा, 2008 में बीजेपी कार्यकाल में घोटाला हुआ था। आरोपी तय हो गए थे। सिलेक्शन हो गया था पर उसमें कार्रवाई कर पाते की नहीं। टाइम लिमिट करनी चाहिए और तेजी से कार्रवाई करनी चाहिए।

विकसित भारत संकल्प यात्रा शिविर में बृजमोहन शामिल हुए

■ **शिविर में बांटे व्हील चेयर, श्रवण यंत्र, राशन कार्ड**

रायपुर। स्कूल शिक्षा, उच्च शिक्षा, पर्यटन, धर्मस्व एवं संस्कृति मंत्री श्री बृजमोहन अग्रवाल राजधानी रायपुर के वीरभद्र नगर स्थित सामुदायिक भवन में विकसित भारत संकल्प यात्रा शिविर में सम्मिलित हुए। शिविर को सम्बोधन करते हुए श्री अग्रवाल ने कहा कि श्री नरेन्द्र मोदी सरकार की सभी योजनाएं विशेष रूप से गरीब जो कच्चे मकान में रह रहे हैं उनको पक्का मकान, किराए के मकान में रहने वाले को पक्का मकान, सब्जी की दुकान और ठेला लगाने वाले गरीब भाई-बहनों को स्वनिधि योजना के तहत पहले 10 हजार रूपए, इस 10 हजार को पटाने पर 20 हजार और 20 हजार पटाए जाने पर 50 हजार तक का ऋण देने का प्रावधान किया है। प्रधानमंत्री जनधन योजना के माध्यम से विभिन्न योजनाओं की सब्सिडी सीधे हितग्राहियों के खाते में जमा कराया जा रही है। वहीं विश्वकर्मा योजना के तहत बढ़ई, लोहार, मिस्त्री को 3 लाख रूपए तक का ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार की योजनाओं का लाभ और सभी प्रकार की सुविधा देने के लिए विकसित भारत संकल्प यात्रा के शिविर प्रत्येक मोहल्ले में लगाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि जिस दिन देश के गरीब व्यक्ति के जीवन में खुशहाली आएगी उस दिन भारत माता भी खुश होगी। मोदी की गांरटी के रूप में घोषणा पत्र में हमने अयोध्या रामलला दर्शन की योजना, महतारी वंदन योजना के तहत विवाहित बहनों को 12 हजार रूपए प्रतिवर्ष,

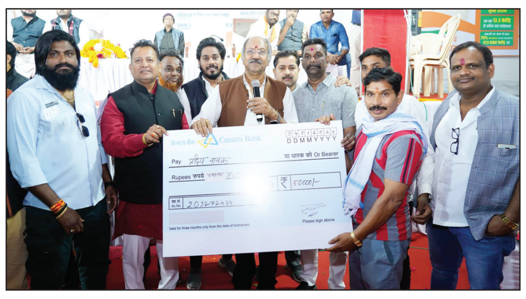

गरीब महिलाओं को 500 रूपए में गैस सिलेण्डर, उज्वला योजना के तहत गैस कनेक्शन देने की योजना बनाई गई है, जिसे हम पूरा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज यहां शिविर में दिव्यांगों को व्हील चेयर, श्रवण यंत्र, राशन कार्ड, मुद्रा लोन एवं स्वनिधि योजना के तहत चेक वितरित किया गया। इन सभी योजनाओं से गरीब के जीवन में खुशहाली आए यही मोदी जी का संकल्प है।

शिविर में केतन साहू को व्हील चेयर, कामिनी बंजारी, सुनिता बंजारी, प्यारेलाल साहू और गुणवंत बंजारी को श्रवण यंत्र, हेमेन्द्र ध्रुव, नीतू देवांगन, शशिकला गंभीर, शकुन्तला साहू, पुर्णिमा देवांगन, योगिता देवांगन, रश्मि वर्मा को राशन कार्ड वितरित किया गया। मुद्रा लोन के तहत सुमन किराना स्टोर एक लाख रूपए एवं कुशल सेठ को 10 लाख रूपए का चेक सौंपा गया। वहीं स्वनिधि योजना के तहत प्रदीप नायक 50 हजार रूपए, निर्मला और लक्ष्मी मधुमिता को 20-20 हजार रूपए, इसी तरह नायाब अली, अजय कुमार कौशल्या, मानिकेतन, महमूद कुरैशी, निर्मला कुल्हारे, इमरोज खान, सपना छुरे, चंदन साहू को 10-10 हजार रूपए वितरित किए गए।

भारत स्काउट एंड गाइड छत्तीसगढ़ इकाई के अध्यक्ष बने शिक्षा मंत्री

शिक्षा मंत्री श्री बृजमोहन अग्रवाल से भारत स्काउट एंड गाइड संगठन के प्रतिनिधि मंडल ने सौजन्य मुलाकात कर उन्हें भारत स्काउट एंड गाइड छत्तीसगढ़ इकाई के अध्यक्ष बनने का आग्रह किया जिसे श्री अग्रवाल ने स्वीकार कर भारत स्काउट एंड गाइड राज्य इकाई के अध्यक्ष बने। गौरतलब है कि राज्य के शिक्षा मंत्री भारत स्काउट एंड गाइड के राज्य इकाई के पदेन अध्यक्ष होते हैं। शिक्षा मंत्री श्री बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि भारत स्काउट एंड गाइड सेवा भावना से काम करने वाली संस्था है, जिसकी गतिविधियों को बढ़ाने की जरूरत है। आने वाले समय में इसको अंतर्राष्ट्रीय स्तर का बनाया जायेगा। राज्य में सामाजिक एवं अन्य कार्यक्रमों में स्काउट एंड गाइड के सदस्यों को वालंटियर के तौर पर शामिल किया जाए। अयोध्या में 22 जनवरी को श्री राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा के मौके पर रायपुर समेत पूरे छत्तीसगढ़ में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा, जिसमें वॉलेंटियर के तौर पर व्यवस्था संभालने की जिम्मेदारी स्काउट एंड गाइड की रहेगी। इस मौके पर कार्यक्रम में राज्य मुख्य आयुक्त स्काउट एंड गाइड एवं पूर्व विधायक श्री विनोद सेवनलाल चंद्राकर, कार्यकारी अध्यक्ष श्री राजेश अग्रवाल, राज्य सचिव श्री कैलाश सोनी, श्री सोमनाथ यादव समेत बड़ी संख्या में स्काउट एंड गाइड के छत्तीसगढ़ इकाई के सदस्य मौजूद रहे।

लक्ष्य हासिल करने तीरंदाजी खिलाड़ियों को उपलब्ध कराई जाएगी सारी सुविधाएं : अग्रवाल

छत्तीसगढ़ प्रदेश आर्चरी एसोसिएशन के द्वारा आयोजित 40 वी एनटीपीसी राष्ट्रीय सब जूनियर तीरंदाजी प्रतियोगिता का शुभारंभ साइंस कॉलेज मैदान में स्कूली एवं उच्च शिक्षा मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने किया। इस दौरान उन्होंने सभी खिलाडियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ शासन के द्वारा छत्तीसगढ़ के तीरंदांजी खिलाडियों को वह सभी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी जिनकी उन्हें जरुरत है ताकि वे अपने लक्ष्य को आसानी से हासिल कर सकें और राज्य का नाम पूरे भारत में गौरान्वित हो सकें। इस अवसर पर हनुमान प्रसाद अग्रवाल, अग्रवाल सभा के अध्यक्ष विजय अग्रवाल, समाजसेवी बसंत अग्रवाल, छत्तीसगढ़ प्रदेश आर्चरी एसोसिएशन के अध्यक्ष कैलाश मुरारका उपस्थिति थे।

खिलाडियों को संबोधित करते हुए श्री अग्रवाल ने कहा कि इस आयोजन से छत्तीसगढ़ का नाम पूरे भारतवर्ष में याद किया जाएगा साथ ही तीरंदाजी के खिलाडियों ने पूरे विश्व में अपना परचम लहराया है। 40 वी एनटीपीसी राष्ट्रीय सब जूनियर तीरंदाजी प्रतियोगिता में आए सभी खिलाडियों को अपनी ओर से बधाई दी और कहा कि छत्तीसगढ़ शासन के द्वारा छत्तीसगढ़ के तीरंदाज खिलाडियों के साथ ही इस प्रतियोगिता में शामिल होने वाले आए सभी खिलाडियों को पूरी सुविधाएं प्रदान की जाएगी ताकि वे अपनी कला से अपने लक्ष्य को हासिल कर सके। संघ के अध्यक्ष कैलाश मुरारका ने बताया कि इस प्रतियोगिता में पूरे देश से 1000 खिलाडियों ने अपनी भागीदारी दर्ज कराई है। मुरारका ने मंत्री बृजमोहन अग्रवाल को स्मृति चिन्ह प्रदान किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन दीप प्रज्वलन कर किया गया। इस दौरान श्री मंत्री अग्रवाल ने तीर चलाकर तीरंदाजी प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। इस अवसर पर संजय अग्रवाल, हनुमान प्रसाद अग्रवाल, सतपाल अग्रवाल, सोनू राजपूत, राजीव चक्रवर्ती, अमरजीत छाबड़ा, आयुष अग्रवाल, आयुष मुरारका, राम अग्रवाल उपस्थित थे।

छत्तीसगढ़ भाजपा का मिशन 2024, बस्तर से शंखनाद

सीएम साय आज भरेंगे कार्यकर्ताओं में जोश

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव 2023 में भाजपा ने ऐतिहासिक जीत दर्ज की है। इस शानदार जीत के बाद छत्तीसगढ़ भाजपा ने आदिवासी नेता विष्णु देव साय को राज्य की कमान सौंपी है। अब छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव के बाद भाजपा की नजर लोकसभा चुनाव 2024 पर है। छत्तीसगढ़ भाजपा अब बस्तर से लोकसभा चुनाव का बिगुल फूंकने की तैयारी कर रही है। मुख्यमंत्री बनने के बाद पहली बार 6 जनवरी को सीएम साय बस्तर दौरे पर पहुंचकर मिशन 2024 के लिए कार्यकर्ताओं में जोश भरेंगे।

बस्तर में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय एक विशाल संभागस्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन में शामिल होंगे। यह सम्मेलन जगदलपुर शहर के पीजी कॉलेज मैदान में होगा। भाजपा इस सम्मेलन की तैयारी में जुटी है। वन मंत्री केदार कश्यप ने बस्तर में भाजपा पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं की बैठक ली है। उन्होंने सभी व्यवस्थाएं तय समय पर पूरा करने के निर्देश दिए हैं।बस्तर में भाजपा का सम्मेलन- शनिवार को पहले भाजपा कार्यकर्ताओं का सम्मान समारोह होगा। बस्तर संभाग के सभी सात जिलों के भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता मौजूद रहेंगे। कार्यकर्ताओं का यह सम्मेलन

छत्तीसगढ़ के दूसरे संभागों में भी होगा।

भाजपा प्रवक्ता संजय पांडेय ने कहा लंबे चुनावी माहौल के बाद कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित हो रहा है। इसी सम्मेलन से लोकसभा चुनाव के शंखनाद की तैयारी है। कार्यकर्ताओं में जोश भरेंगे। मुख्यमंत्री बनने के बाद सीएम साय के पहले बस्तर दौरे को लेकर कार्यकता उत्साहित हैं। संभाग से हजारों कार्यकर्ता इस कार्यक्रम में शामिल होंगे।

बस्तर पुलिस अलर्ट- मुख्यमंत्री के दौरे के मद्देनजर बस्तर पुलिस ने भी सुरक्षा की कमान संभाल ली है। बस्तर में चप्पे चप्पे पर जवानों की तैनाती की गई है। शहर के चारों तरफ आने जाने वाली सभी गाड़ियों की चेकिंग की जा रही है।

कांग्रेस का मिशन 2024

अगले महीने छत्तीसगढ़ के सात जिलों से होकर गुजरेगी राहुल गांधी की न्याय यात्रा

रायपुर। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा 14 जनवरी को मणिपुर से शुरू होने वाली है और अगले महीने छत्तीसगढ़ के सात जिलों से होकर गुजरेगी। प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता धनंजय ठाकुर ने कहा कि यात्रा 67 दिनों में 15 राज्यों के 110 जिलों से गुजरते हुए 6,700 किलोमीटर से अधिक की दूरी तय करने के बाद मुंबई में समाप्त होगी। पार्टी के अनुसार लोकसभा चुनाव से पहले योजनाबद्ध यह यात्रा लगभग 100 लोकसभा सीटों और 337 विधानसभा क्षेत्रों को कवर करेगी।

धनंजय ठाकुर ने कहा कि यात्रा 16-17 फरवरी के बाद छत्तीसगढ़ पहुंचने की उम्मीद है और यह पांच

दिनों में राज्य के सात जिलों को कवर करेगी, जहां आदिवासियों की आबादी लगभग 32 प्रतिशत है। उन्होंने कहा कि पार्टी देश की एकता, अखंडता, संविधान और लोकतंत्र की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा कि कांग्रेस पार्टी सत्याग्रह को जनता के अधिकारों की लड़ाई के लिए एक मजबूत हथियार मानती है और भारत जोड़ो न्याय पदयात्रा आजादी के बाद देश का सबसे बड़ा और परिवर्तनकारी सत्याग्रह साबित होगी।

राजनीतिक विशेषज्ञों के अनुसार यह यात्रा लोकसभा चुनाव से पहले छत्तीसगढ़ में कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ाएगी क्योंकि राज्य में हाल के विधानसभा चुनावों में पार्टी को करारी हार का सामना करना पड़ा था। छत्तीसगढ़ में 90 सदस्यीय विधानसभा में 54 सीटें जीतकर भाजपा सत्ता में लौट आई, जबकि कांग्रेस 2018 की 68 सीटों से कम होकर 35 सीटों पर विजयी हुई। गोंडवाना गणतंत्र पार्टी एक सीट जीतने में सफल रही।

कैट ने पीएम मोदी से ई-कॉमर्स नीति और नियम लागू करने का आग्रह किया : पारवानी

रायपुर। देश के सबसे बड़े व्यापारिक संगठन कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष अमर पारवानी, चेयरमेन मगेलाल मालू, अमर गिदवानी, प्रदेश अध्यक्ष जितेन्द्र दोशी, कार्यकारी अध्यक्ष विक्रम सिंहदेव, परमानन्द जैन, वाशु माखीजा, महामंत्री सुरिन्द्रर सिंह, कार्यकारी महामंत्री भरत जैन, एवं कोषाध्यक्ष अजय अग्रवाल ने बताया कि कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी को भेजे एक पत्र में ई-कॉमर्स नीति और उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम के तहत नियमों को शीघ्र लागू करने का अनुरोध किया है। कैट ने कुछ मीडिया रिपोर्टों का हवाला देते हुए कहा कि यह पता चला है कि ई-कॉमर्स नीति और नियम दोनों प्रधानमंत्री श्री मोदी की अप्रूवल के लिये लंबित है और इसलिए देश भर के व्यापारी श्री मोदी के अप्रूवल किए जाने का इंतज़ार कर रहे हैं जो व्यापार और देश के व्यापक हित में आवश्यक है।

कैट के राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्री अमर पारवानी और प्रदेश अध्यक्ष श्री

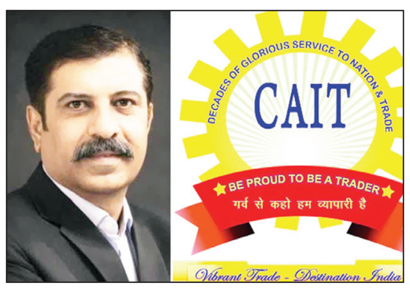

जितेन्द्र दोशी ने कहा कि हमारी अर्थव्यवस्था पर ई-कॉमर्स के परिवर्तनकारी प्रभाव को पहचानते हुए, हमारा मानना है कि एक व्यापक और अच्छी तरह से संरचित नीति जरूरी है जो निश्चित रूप से ई कॉमर्स की प्रमुख कंपनियों द्वारा बनाए गए असमान स्तर के खेल को खत्म कर देगी जिससे देश का आम व्यापारी भी ई-कॉमर्स का लाभ उठा सकेगा।

श्री पारवानी और श्री दोशी ने कहा कि ई-कॉमर्स नीति के त्वरित कार्यान्वयन से न केवल बहुत जरूरी नियामक स्पष्टता मिलेगी बल्कि एक निष्पक्ष और प्रतिस्पर्धी कारोबारी माहौल को भी बढ़ावा मिलेगा। उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा करना, छोटे व्यवसायों को बढ़ावा देना और ई-कॉमर्स पारिस्थितिकी तंत्र में सभी हितधारकों के लिए समान अवसर सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है जिसके लिये पालिसी एवं नियमों को अब लागू करना निहायत ही ज़रूरी हो गया है।

श्री पारवानी एवं श्री दोशी ने आगे कहा कि जैसे-जैसे हमारा देश डिजिटल अर्थव्यवस्था को अपनाना जारी रखता है, एक मजबूत ई-कॉमर्स नीति आर्थिक विकास, रोजगार सृजन और तकनीकी नवाचार में महत्वपूर्ण योगदान देगी। इसके अलावा, यह हमारी वैश्विक स्थिति को मजबूत करेगा और डिजिटल बाजार में निवेशकों का विश्वास बढ़ाएगा। देश के व्यापारिक समुदाय को विश्वास है कि पीएम मोदी इस मामले की तात्कालिकता और महत्व को देखते हुए इस प्रक्रिया में तेजी लाएंगे। शीघ्र कार्यान्वयन से व्यवसायों को नियामक ढांचे के साथ जुडने में मदद मिलेगी, जिससे पारदर्शी और जवाबदेह ई-कॉमर्स पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा मिलेगा।

पूर्व मंत्री डहरिया के बंगले से लाखों के समान गायब

सीसीटीवी कैमरा भी नहीं छोड़ा

रायपुर। पूर्व मंत्रियों के बंगले खाली करने का दौर जारी है। इसी कड़ी में पूर्व मंत्री शिवकुमार डहरिया का बंगला भी खाली हो गया है। यह बंगला स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल को आवंटित किया गया है। लेकिन बंगला खाली करने के दौरान लाखों का साजो सामान गायब हो गया है। बंगले में ना तो एसी है और ना ही एलइडी टीवी। बंगले से मॉड्यूलर किचन सहित कई कीमती सामान और फर्नीचर गायब हैं।

शिवकुमार डहरिया के बंगले में जो कार्यालय है, वहां उनका एक कक्ष था। जिसमें पूर्व मंत्री बैठकर विभागीय कामकाज निपटाते थे। इस कक्ष में एक बड़ी एलइडी टीवी थी। साथ ही एसी भी लगी हुई थी। कई अन्य साजो सामान इस कक्ष में लगे हुए थे, जो अब नदारत हैं। इसके बाद के अन्य कमरों की भी यही स्थिति है। वहां भी ऐसी सहित कई कीमती सामान गायब हो गए हैं।

पूर्व मंत्री शिव डहरिया बंगले के जिस हिस्से में रहते थे, उस हिस्से की भी यही स्थिति है। उनके हॉल से लेकर बेडरूम तक के एसी और एलईडी टीवी सभी गायब हैं। मॉड्यूलर किचन भी लोग उखाड़ कर ले गए हैं। यहां तक की किचन में एक नल की टोटी तक नहीं बची है।

जिस गेट से शिवकुमार डहरिया अपने भवन में प्रवेश करते थे। वहां एक समय विशाल कांच का गेट हुआ करता था, जो अब नहीं है। इसे भी उखाड़ कर ले गए हैं। इसके अलावा बंगले की शोभा बढ़ा रहे चमकते दमकते लाइट के खंबे भी अब यहां मौजूद नहीं है। इतना ही नहीं इस बंगले में लगाए गए सीसीटीवी भी उखाड़ कर ले जाया गया है। शायद इसकी वजह यह रही हो कि बंगले में सामान चोरी का कोई भी सबूत न मिल सके।

बहरहाल, यह बंगला स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल को आवंटित किया गया है। उन्होंने बंगले से गायब साजो समान और चोरी की घटना को लेकर नाराजगी जाहिर की है। साथ ही पूरे मामले की जांच की भी बात कही है।

युवा कांग्रेस ने हसदेव जंगल की कटाई को लेकर खोला मोर्चा, बंद हो पेड़ों की बलि, नहीं तो करेंगे उग्र आंदोलन

रायपुर। छत्तीसगढ़ के हसदेव जंगल की कटाई को लेकर प्रदेश युवा कांग्रेस ने रायपुर के तेलीबांधा में विरोध प्रदर्शन किया है। प्रदेश युवा कांग्रेस के सचिव अभिषेक कसार के नेतृत्व में विरोध कर हस्ताक्षर अभियान चलाया गया। इस दौरान उन्होंने बीजेपी सरकार पर कई आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि पेड़ों की कटाई बंद हो नहीं, तो उग्र आंदोलन करेंगे। अभिषेक कसार ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की छत्तीसगढ़ में सरकार बनते साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और विष्णुदेव साय के संरक्षण में अडानी की ओर से हसदेव जंगल की कटाई कर रहे हैं। हजारों पेड़ काटे जा चुके हैं। उन्होंने आरोप लगते हुए कहा कि हसदेव को बचाने के लिए आंदोलन कर रहे आदिवासियों को डराया धमकाया जा रहा है। उन्हें सीएम विष्णुदेव साय की पुलिस जेल में बंद कर रही है। उन्होंने कहा कि युवा कांग्रेस की मांग है कि हसदेव जंगल की कटाई पर तत्काल रोक लगाया जाए। ऐसा नहीं होने पर उग्र आंदोलन किया जाएगा। इस कार्यक्रम में उपस्थित प्रदेश सचिव जितेन्द्र बारले, प्रदेश सचिव फहीम शेख, प्रदेश सचिव मनहरण वर्मा, जिला उपाध्यक्ष प्रियंका उपाध्याय, उत्तर विधानसभा कार्यकारी अध्यक्ष नवाज खान, दक्षिण विधानसभा महासचिव राज़िक रज़ा, उत्तर विधानसभा महासचिव अब्दुल मलिक ख़ान, ब्लॉक अध्यक्ष भूपेन्द्र जलक्षत्री, सृजन तिवारी, कुशाग्र सोलंकी उपस्थित थे। प्रदेश युवा कांग्रेस ने हसदेव जंगल की कटाई को लेकर विरोध कर हस्ताक्षर अभियान चलाया। इस अभियान में सभी वर्ग के लोगों ने भाग लिया है। बच्चे से लेकर बूढ़े, स्टूडेंट्स समेत कई लोगों ने इस अभियान में भाग लिया है।

छत्तीसगढ़ शासन जल संसाधन विभाग
कार्यालय अधीक्षण अभियंता, इंद्रावती परियोजना मंडल, जगदलपुर (छ.ग.)

ई. प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना
ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल- https://eproc.cgstate.gov.in
संशोधन क्रमांक -1

सिस्टम निविदा क्रमांक 150244, निविदा सूचना क्रमांक 05/व.ले.लि./2023-24 रायपुर, दिनांक 22.12.2023, सुकमा जिले के विकासखंड सुकमा की पुरीरास स्टापडेम का निर्माण कार्य (प्रथम आमंत्रण) जिसका जी. नं. 06654, दिनांक 26.12..2023 है, में निम्नानुसार संशोधन किया जाता है-

	पूर्व में प्रकाशित	वर्तमान में संशोधन
1	Bid Start Date and time: 20.12.2023, 17:31 Hours	Bid Start Date and time: 04.01.2024, 17:31 Hours
2	Bid Due Date and time: 12.01.2023, 17:30 Hours	Bid Due Date and time: 18.01.2024, 17:30 Hours
3	Bid Open Date and time: 15.01.2024, 11:30 Hours	Bid Open Date and time: 19.01.2024, 11:30 Hours

नोट - निविदा की अन्य सभी शर्तें यथावत रहेगी।

कार्यपालन अभियंता
जल संसाधन संभाग, सुकमा
कृते अधीक्षण अभियंता
इंदावती परियोजना मंडल, जगदलपर
जी- 06884/8

कार्यालय अधीक्षण अभियंता,
लोक निर्माण विभाग, रायपुर मण्डल क्रमांक 2 (छत्तीसगढ़)

ई-प्रोक्युरमेंट निविदा सूचना
(प्रथम आमंत्रण)
दिनांक 02.01.2023

निम्नांकित कार्यों हेतु ऑनलाईन निविदा डी श्रेणी एवं अधिक श्रेणी के ठेकेदारों हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। ऑनलाईन निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथि 22.01.2024 है।

एन.आई.टी क्र/ निविदा क्र.	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (लाख में)
1	2	3
NIT NO. 230 Tender No. 150903	पैरी नदी में राजिम से नेहरू घाट तक रिवर बेड पर पुल पुलिया सहित सर्विस रोड का निर्माण कार्य। (राजिम माघी पुन्नी मेला 2024)	रु. 36.78 लाख
NIT NO. 233 Tender No. 150904	पैरी नदी में राजिव लोचन मंदिर से महोत्सव स्थल एवं बाघ तक रिवर बेड पर पुल-पुलिया सहित सर्विस रोड का निर्माण कार्य। (राजिम माघी पुन्नी मेला 2024)	रु. 45.01 लाख
NIT NO. 233 Tender No. 150905	जिला महासमुन्द विकासखंड पिथौरा के बेल्डीह में शासकीय हाईस्कूल भवन का निर्माण कार्य। (शेष कार्य)	रु. 32.46 लाख

उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट बेब पोर्टल https://eproc.cgstate.gov.in अथवा विभागीय वेबसाइट https://eproc.cgstate.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है। (राशि रू. 100.00 के नान ज्यूडिशियल स्टाम्प पर निर्धारित प्रपत्र में शपथ-पत्र एवं न्यूनतम राशि रू. 10.00 के नान ज्यूडिशियल स्टाम पर एनेक्जर-3 का शपथ पत्र बिडकेपेसीटी उपलब्धता बाबत् जानकारी एवं अन्य जानकारी एनआईटी के 2.10 में संलग्न संशोधित प्रपत्रानुसार प्रस्तुत करें।)

निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाइट पर किया जावेगा, पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

Credible Chhattisgarh
विश्वसनीय छत्तीसगढ़

अधीक्षण अभियंता, लोक निर्माण विभाग,
रायपुर संभाग क्र. 2 (छ.ग.)
आपकी चाहत थी, हमने रास्ता बना लिया
जी-06870/5

समाचार पचीसा
रायपुर, शनिवार 06 जनवरी 2024

राम मंदिर को लेकर ऊहापोह में है कांग्रेस

उमेश चतुर्वेदी

कोई शक नहीं है कि बाइस जनवरी की तारीख देश के सांस्कृतिक क्षितिज पर नयी इबारत दर्ज करने जा रही है। राम मंदिर आंदोलन की परिणति दुनिया देख रही है। इसी आधार पर यह मानने से गुरेज नहीं है कि जिस सांस्कृतिक राष्ट्रवाद की अवधारणा को वामपंथी इतिहासकार नकारते रहे हैं, अयोध्या में रामलला की मूर्ति की स्थापना के साथ वह मूर्त रूप लेने की ओर अग्रसर है। इस पर भी संशय नहीं है कि इसके बाद देश की राजनीति भी बदलने जा रही है। लेकिन देश की सबसे पुरानी पार्टी को इससे जुड़ी राजनीति को लेकर संशय है। राम मंदिर न्यास ने ऐतिहासिक दिन के लिए कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी, कांग्रेस के मौजूदा अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और लोकसभा में पार्टी के नेता अधीर रंजन चौधरी को आमंत्रित किया है। लेकिन कांग्रेस का शीर्ष नेतृत्व अब तक फैसला नहीं ले पाया है कि उसे इस समारोह में शामिल होना चाहिए या नहीं। राम मंदिर का ताला खोलने के अलावा कांग्रेस की जितनी भी कोशिशें रही हैं, वे मंदिर के विरोध में रही हैं। अलबत्ता इस विरोध के लिए वह राजनीति को धर्म से अलग करने का तर्क देती रही है, लेकिन जब संदर्भ अल्पसंख्यकों, विशेषकर मुसलमानों, का होता है, तो सेकुलरवाद के नाम पर अल्पसंख्यक समुदाय के धर्म आधारित राजनीति को तवज्जो देने से वह कभी नहीं हिचकी। केंद्रीय राजनीति में राष्ट्रीय मोर्चा और संयुक्त मोर्चा के उभार के पहले तक कांग्रेस ही अल्पसंख्यक वोटरों की पहली पसंद रही। लेकिन राम मंदिर आंदोलन के उभार के बाद उत्तर प्रदेश और बिहार जैसे राज्यों में मुस्लिम वोटरों ने स्थानीय दलों का दामन थाम लिया। राम मंदिर आंदोलन के उभार के वक्त कांग्रेस ऊहापोह में रही। उसे अल्पसंख्यक केंद्रित राजनीति की सीमा का भान था। इसीलिए वह मंदिर के खिलाफ वैसा कड़क स्टैंड नहीं ले पायी, जैसा मुलायम सिंह और लालू प्रसाद ने लिया। झीने आवरण में जारी उसके अल्पसंख्यकवाद की पोल मंदिर आंदोलन ने खोल दी, तो उसका पारंपरिक सवर्ण, विशेषकर ब्राह्मण, वोट बैंक भी साथ छोड़ गया। उन्हीं दिनों दलितों के नये रहनुमा भी उभरे, तो दलितों ने भी कांग्रेस छोड़ने का मन बना लिया। कांग्रेस के पास ठोस वोट बैंक बनाने को लेकर ना तो कोई ठोस योजना नजर आयी, ना ही वह कभी मजबूत रुख ले पायी। यह ऊहापोह राहुल की कांग्रेस में ज्यादा दिखा। गुजरात के 2017 के विधानसभा चुनाव में मंदिर-मंदिर माथा टेकना हो या फिर कर्नाटक के 2018 के चुनाव में मंदिरों का दर्शन करना हो या फिर लोकसभा चुनाव के वक्त देश के कथित सेकुलर रूप को बचाने का दावा हो, राहुल वाली कांग्रेस हर बार ऊहापोह में नजर आयी। यही ऊहापोह रामलला के विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा के वक्त भी दिख रहा है। कांग्रेस समझ नहीं पा रही है कि उसे राम का साथ देना चाहिए या नहीं। इसकी बड़ी वजह है कि कर्नाटक चुनाव से कांग्रेस के पाले में अल्पसंख्यक वोट बैंक थोक भाव से लौट रहा है। इसका असर तेलंगाना में भी दिखा। कांग्रेस को भ्रम है कि उत्तर प्रदेश, बिहार और असम का मुस्लिम वोटर उसके पास लौटेगा। हालांकि आनुपातिक रूप से सबसे ज्यादा मुस्लिम वोट वाले पश्चिम बंगाल में कांग्रेस की स्थिति खास मजबूत नजर नहीं आ रही। कांग्रेस को ऊहापोह में रखने में राहुल और प्रियंका के वामपंथी सलाहकार मंडल की राय भी शामिल है। हिंदुत्ववादी राजनीति के संदर्भ से वामपंथी सोच को सदा से परहेज रहा है, हालांकि अल्पसंख्यक राजनीति को लेकर उसकी धर्म केंद्रित राजनीति के विरोध का विचार कहीं तिरोहित हो जाता है। राहुल और प्रियंका की वामपंथी सलाहकार मंडली प्राण प्रतिष्ठा समारोह से कांग्रेस को शायद दूर रहने की सलाह दे रही है। राम मंदिर को लेकर अतीत में कांग्रेस और उसके कद्दावर नेताओं ने ऐसी गलतियां की हैं, जिनकी वजह से बहुसंख्यक वोटरों के बड़े हिस्से में नाराजगी रही। उल-जलूल बयानों ने कांग्रेस को अक्सर नुकसान पहुंचाया है। मंदिर मुद्दे को केंद्रीय राजनीति की धुरी बनते देख लगता है कि कांग्रेस में भी दुविधा बढ़ रही है। कांग्रेस का एक वर्ग सोच रहा है कि अयोध्या के समारोह में शामिल होना चाहिए। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया को राम मंदिर ट्रस्ट ने निमंत्रण नहीं भेजा है। इसे लेकर लगता है कि उन्हें तकलीफ है।

चीनी मीडिया में मोदी की तारीफ

नीरज कुमार दुबे

एक ओर भारत ने एक बार फिर कहा है कि चीन के साथ उसके संबंध ''सामान्य नहीं'' हैं तो दूसरी ओर दो बड़ी और हैरान करने वाली खबरें आई हैं। पहली खबर यह है कि चीनी सरकार के मुखपत्र ग्लोबल टाइम्स ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जमकर तारीफ की है। दूसरी खबर यह है कि चीनी राजनयिकों का एक प्रतिनिधिमंडल राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के नागपुर मुख्यालय का दौरा करके आया है। सवाल उठता है कि क्या चीन की ओर से आरएसएस और भाजपा को खुश करने का प्रयास किया जा रहा है? सवाल उठता है कि मोदी के नेतृत्व वाली भारत सरकार ने अपने सख्त रुख के चलते जिस तरह सैन्य, आर्थिक और रणनीतिक मोर्चे पर चीन को झटके पर झटके दिये हैं क्या उससे राष्ट्रपति शी जिनपिंग की सारी हेकड़ी निकल गयी है?

हम आपको बता दें कि ग्लोबल टाइम्स में भारत या भारत सरकार की तारीफ होना सामान्य बात नहीं है क्योंकि इस अखबार का काम भारत विरोधी एजेंडा चलाना और भारत के बारे में अफवाहें फैलाना है। इसलिए जब ग्लोबल टाइम्स में 'द्धड्डठ्ठद्द छ्ठ्ठद्बड्डस्त्रशठ्ठद्द ने अपनी हालिया भारत यात्रा का उल्लेख करते हुए भारत नैरेटिव की सराहना की तो सभी का चौंकना स्वाभाविक था। अगर लेखक अपने लेख में भारत या भारत के प्रधानमंत्री की तारीफ करने का साहस जुटा रहा है तो यकीनन इसके लिए उसने राष्ट्रपति शी जिनपिंग की अनुमति ली होगी। इसलिए सवाल उठता है कि चीन के मन में कुछ और चल रहा है या उसे भारत की बढ़ती शक्ति का अहसास हो गया है?

जहां तक झांग जियादोंग के आलेख की बात है तो आपको बता दें कि इसमें उन्होंने लिखा है कि मैंने हाल ही में दो बार भारत का दौरा किया। यात्राओं के दौरान मैंने पाया कि भारत की घरेलू और विदेशी स्थिति चार साल पहले की तुलना में काफी बदल गई है। भारत ने आर्थिक विकास और सामाजिक शासन में उत्कृष्ट परिणाम हासिल किए हैं और इसकी महान शक्ति सपने से वास्तविकता की ओर बढ़ गई है। हालाँकि, संभावित जोखिम और संकट भी सामने आने लगे हैं।

वह लिखते हैं कि एक ओर भारत ने आर्थिक विकास और सामाजिक शासन में बड़ी उपलब्धियाँ हासिल की हैं। इसकी अर्थव्यवस्था ने गति पकड़ ली है और यह सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में से एक बनने की राह पर है। साथ ही नई दिल्ली ने शहरी प्रशासन में भी प्रगति की है। वह लिखते हैं कि हालाँकि धुंध अभी भी गंभीर है, लेकिन चार साल पहले विमान से उतरते ही जो विशिष्ट गंध आपको महसूस होती थी, वह आम तौर पर गायब हो गई है। इससे पता चलता है कि नई दिल्ली में सार्वजनिक माहौल कुछ बेहतर हुआ है।

वह लिखते हैं कि भारतीय प्रतिनिधियों से बातचीत के दौरान चीनी विद्वानों के प्रति उनका रवैया कहीं-कहीं अड़ियल होने की बजाय अधिक सहज और संयत रहा। उदाहरण के लिए, चीन और भारत के बीच व्यापार असंतुलन पर चर्चा करते समय, भारतीय विद्वान मुख्य रूप से व्यापार असंतुलन को कम करने के लिए चीन के उपायों पर ध्यान केंद्रित करते थे। लेकिन अब वे भारत की निर्यात क्षमता पर अधिक जोर दे रहे हैं। उन्होंने लिखा है कि इसके अलावा, अपने तीव्र आर्थिक और सामाजिक विकास के साथ, भारत रणनीतिक रूप से अधिक आश्वस्त हो गया है और भारत नैरेटिव बनाने और विकसित करने में अधिक सक्रिय हो गया है।

वह लिखते हैं कि कूटनीतिक क्षेत्र में, भारत तेजी से एक महान शक्ति बनने की ओर बढ़ गया है। जब से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सत्ता संभाली है, उन्होंने अमेरिका, जापान, रूस और अन्य देशों और क्षेत्रीय संगठनों के साथ भारत के संबंधों को बढ़ावा देने के लिए बहु-संरेखण रणनीति की वकालत की है। अब, विदेश नीति में भारत की रणनीतिक सोच में एक और बदलाव आया है और वह स्पष्ट रूप से एक महान शक्ति बनने की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने लिखा है कि रूस-यूक्रेन संघर्ष के संबंध में, भारत ने खुद को पश्चिम से दूर कर लिया है और खुद को विकासशील दुनिया के साथ अधिक निकटता से जोड़ लिया है। साथ ही, पश्चिमी शक्तियों के बारे में भारत की आपत्तियाँ काफ़ी कम हो गई हैं और पश्चिमी देशों के भीतर इसकी गतिविधियाँ लगातार बढ़ रही हैं। उन्होंने कहा कि अब बड़े पैमाने पर प्रवासी कार्यक्रमों के आयोजन से भी ज्यादा आयोजन हो रहे हैं।

वह लिखते हैं कि राजनीतिक और सांस्कृतिक क्षेत्रों में, भारत पश्चिम के साथ अपनी लोकतांत्रिक सहमति पर जोर देने से आगे बढ़कर लोकतांत्रिक राजनीति की भारतीय विशेषता को उजागर करने लगा है। वर्तमान में लोकतांत्रिक राजनीति के भारतीय मूल पर और भी अधिक जोर दिया जा रहा है। उन्होंने लिखा है कि भारतीय जनता पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय महासचिव राम माधव ने लोकतंत्र के भारतीय संस्करण की आवश्यकता पर बल दिया है।

वह लिखते हैं कि भारत न केवल औपनिवेशिक दासता की हर निशानी को मिटाना चाहता है बल्कि राजनीतिक और सांस्कृतिक रूप से विश्व संरक्षक के रूप में भी कार्य करना चाहता है। उन्होंने लिखा है कि दिसंबर 2023 में, भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद ने पहला नॉलेज इंडिया विजिटर्स प्रोग्राम आयोजित किया, जिसमें 35 देशों के 77 से अधिक विद्वान एक साथ आए। भारतीय विदेश मंत्री सुब्रह्मण्यम जयशंकर ने एक मजबूत भारत नैरेटिव के निर्माण के महत्व पर जोर दिया और अर्थशास्त्र, विकास, राजनीति और संस्कृति के संदर्भ में भारत नैरेटिव की व्याख्या की। उन्होंने लिखा है कि जाहिर है, भारत अब सांस्कृतिक परंपरा के माध्यम से न केवल अपने हितों को साध रहा है बल्कि विदेशी पर्यटकों को भी आकर्षित कर रहा है।

वह लिखते हैं कि आंतरिक और बाह्य नीति में इस तरह के बदलाव भारत की दीर्घकालिक नीति के तर्क के अनुरूप हैं। भारत सदैव अपने आप को विश्व शक्ति मानता आया है। हालाँकि, भारत को बहु-संतुलन से बहु-संरेखण में स्थानांतरित हुए केवल 10 साल से भी कम समय हुआ है और अब यह बहुध्रुवीय दुनिया में एक ध्रुव बनने की रणनीति पर तेजी से बढ़ रहा है। उन्होंने लिखा है कि अंतरराष्ट्रीय संबंधों के इतिहास में ऐसे बदलावों की गति कम ही देखने को मिलती है।

वह लिखते हैं कि भारत वास्तव में एक प्रमुख शक्ति है और आंतरिक और बाहरी रणनीतियों में तेजी से बदलाव उसके और अंतर्राष्ट्रीय समुदाय दोनों के लिए चुनौतियाँ पैदा करता है। ऐसा प्रतीत होता है कि एक परिवर्तित, मजबूत और अधिक मुखर भारत एक नया भू-राजनीतिक कारक बन गया है जिस पर कई देशों को विचार करने की आवश्यकता है।

जहां तक चीनी राजनयिकों की ओर से संघ कार्यालय जाने की बात है तो आपको बता दें कि आरएसएस के पास पिछले महीने अप्रत्याशित मेहमान आए थे। देखा जाये तो चीन और आरएसएस वैचारिक रूप से एक दूसरे के विरोधी हैं। आरएसएस चीन की विस्तारवादी नीति का आलोचक है तो चीन भी संघ का विरोधी माना जाता है। इसलिए तब बड़ी हैरत हुई जब मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक चीन के राजनयिकों के एक समूह ने दिसंबर के पहले सप्ताह में नागपुर के रेशमबाग स्थित आरएसएस स्मृति मंदिर परिसर का दौरा किया। यह चीनी राजनयिकों की ओर से संघ मुख्यालय की पहली यात्रा थी। हम आपको यह भी बता दें कि वैसे हाल ही में विभिन्न देशों के राजनयिकों ने संघ मुख्यालय का दौरा किया है लेकिन चीनी राजनयिकों का दौरा बिल्कुल अप्रत्याशित था।

मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक दिल्ली के साथ-साथ मुंबई स्थित देश के वाणिज्य दूतावास से चीनी राजनयिकों की एक टीम वर्धा में महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय का दौरा करने गयी थी। दरअसल हिंदी विश्वविद्यालय चीनी भाषा में भी पाठ्यक्रम चलाता है। वर्धा से चीन की टीम नागपुर भी आई और स्मृति मंदिर का दौरा किया। हालांकि चीनी प्रतिनिधिमंडल की आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत से मुलाकात नहीं हो सकी क्योंकि वह उस समय नागपुर से बाहर थे। बताया जा रहा है कि आरएसएस के एक वरिष्ठ पदाधिकारी ने चीनी राजनयिकों का स्वागत किया और उन्हें पूरे परिसर में घुमाया। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक आरएसएस के एक पदाधिकारी ने यात्रा की पुष्टि करते हुए कहा कि मेहमान शायद दूतावास या वाणिज्य दूतावास के मध्यम दर्जे के अधिकारी थे और उनके साथ विश्वविद्यालय का एक छात्र भी था। बहरहाल, हम आपको याद दिला दें कि संघ प्रमुख मोहन भागवत ने 2020 के अपने विजयादशमी भाषण में गलवान झड़प का जिक्र करते हुए कहा था कि भारत को चीन का मुकाबला करने के लिए अपनी शक्ति बढ़ाने की जरूरत है और उद्देश्य हासिल करने के लिए अन्य पड़ोसियों के साथ भी अच्छे संबंध रखने की जरूरत है।

भारतीय ज्ञान परंपरा....

पाशुपतब्रह्मोपनिषद् (भाग-5)

गतांक से आगे...

जगत् के सूत्ररूप ब्रह्म का ज्ञान प्राप्त करके स्वयमेव ब्रह्म के लक्षणों से युक्त होना चाहिए तथा निरन्तर हंस रूपी सूर्य का प्रणव सहित ध्यान करते रहना चाहिए, यही ज्ञानीजनों का उपदेश है। इस प्रकार से विशेष ज्ञान प्राप्ति होने के पश्चात् ही ज्ञान सागर के पार पहुँचा जा सकता है। स्वयं भगवान् शिवरूप पशुपति- ब्रह्म ही सर्वदा (इसके) साक्ष्य रूप हैं। [अध्यात्म क्षेत्र में जड़-चेतन दोनों प्रकार के ज्ञान के अतिवाद को उचित नहीं माना गया है, जैसा कि ईशोपनिषद् (९) में अन्धं तमः प्रविशन्ति इत्यादि मन्त्र में केवल विद्या की उपासना करने वालों को भी अन्धकार में फँस जाने की बात कही गई है। यहाँ ज्ञान को डुबाने वाला सागर तथा उससे पार जाने की बात उक्त तथ्य को ध्यान में रखकर ही कही गयी प्रतीत होती है।]

यही भगवान् शिव सभी लोगों के मन को प्रेरित एवं संतुलित-नियमित करने वाले हैं, जिसके प्रभाव से मन विषयों में गतिशील होता है। प्राण चेष्टा-रत रहते हैं तथा वाणी उच्चारण का कार्य करती है। उन्हीं भगवान् की प्रेरणा से चक्षु रूपों दृश्यों को देखते हैं, कान श्रवण करते हैं तथा अन्य समस्त इन्द्रियाँ भी उन्हीं से प्रेरित हो रही हैं। वे निरन्तर अपने-अपने विषयों के उद्देश्य में प्रवृत्त होती रहती हैं। यह विषयों में प्रवृत्त होना ही मायारूप है, यह स्वभाववश नहीं होता, माया द्वारा ही होता है।

श्रोत्र आत्मा के आश्रित हैं तथा स्वयं पशुपति ब्रह्म श्रोत्र में प्रविष्ट होकर उन शिव को श्रवण शक्ति देते हैं। मन भी अपनी अन्तरात्मा में अभ्यस्त है एवं परब्रह्म परमेश्वर उसमें प्रविष्ट होकर, उस सत्त्व में स्थित होते हुए उसे नियम में रखते हैं और मनस्विता प्रदान करते हैं। ऐसे ही वे परम ईश्वर समस्त इन्द्रियों को सचेष्ट करते हैं, परन्तु लोग उन ब्रह्म को जैसा बताते हैं अथवा कल्पना करते हैं, उससे वे महेश्वर सर्वथा भिन्न हैं। परब्रह्म परमेश्वर ही इन समस्त इन्द्रियों को अपने अनुकूल रूप प्रदान करते हैं एवं उनका नियमन भी करते हैं। इस कारण ये चक्षु, मन, वाणी आदि समस्त इन्द्रियाँ परमपिता परमात्मा के स्वयं प्रकाशतत्त्व (रूप) को प्राप्त नहीं हो सकतीं अर्थात् उनके ज्ञानरूपी प्रकाश को जानने में समर्थ नहीं हो सकतीं।

क्रमशः ...

'विश्व युद्ध अनाथ दिवस'

विश्वबंधु पांडेय

हर साल 6 जनवरी को पूरी दुनिया में 'विश्व युद्ध अनाथ दिवस' मनाया जाता है। यह दिवस उन बच्चों को समर्पित है, जिन्होंने युद्ध के चलते अपने माता-पिता को खो दिया है। इसका उद्देश्य लोगों में युद्ध के चलते अनाथ हुए बच्चों के प्रति जागरूकता लाना और संघर्ष से प्रभावित बच्चों की मदद करना था। संयुक्त राष्ट्र बाल कोष (यूनिसेफ) ने युद्ध अनाथ बच्चों के रूप में ऐसे बच्चों को परिभाषित किया है, जिनकी उम्र 18 वर्ष से कम हो और उन्होंने युद्ध या किसी संघर्ष के चलते अपने माता-पिता को खो दिया हो। तो चलिए 'विश्व युद्ध अनाथ दिवस' पर जानते हैं, इस दिन को मनाने का उद्देश्य और इसका इतिहास।

बता दें कि विश्व युद्ध अनाथ दिवस मनाने की शुरुआत फ्रांसीसी संगठन एसओएस एनफैंट्स एन डिट्रेस द्वारा की गई थी। यह संगठन युद्ध या संघर्ष के चलते अनाथ हुए बच्चों की मदद करता है। इस दिन अनाथ हो चुके इन बच्चों की दुर्दशा को समझने और इसे सुधारने के लिए लोगों में जागरूकता लाने और इनकी मदद करने के प्रयासों को बल दिया जाता है।

दरअसल कई देश जहां युद्ध या संघर्ष की स्थिति है, वहां के कई बच्चे इसके चलते अनाथ हो जाते हैं। इन उपेक्षित बच्चों को बिना परिवारों के छोड़ दिया जाता है। संघर्ष की स्थिति के बीच इनकी देखभाल करने वाला कोई नहीं होता है। ऐसे में इन्हें भी हिंसा का सामना करना पड़ता है। कई बार यह कुपोषण के चलते गंभीर बीमारी का भी शिकार हो जाते हैं। इन्हें कई तरह की यातनाओं का भी सामना करना पड़ता है। ऐसे में इन बच्चों की मदद करने के लिए लोगों को प्रोत्साहित करने के लिए विश्व युद्ध अनाथ दिवस मनाया जाता है।

पिछले कुछ समय से युद्ध के चलते अनाथ हुए बच्चों की संख्या में कमी जरूर आई है, लेकिन अब भी बड़ी संख्या में ऐसे बच्चे हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार साल 2000 में ऐसे बच्चों की संख्या 155 मिलियन थी जो साल 2015 में घटकर 140 रह गई है। हालांकि अब भी यह आंकड़ा बहुत बड़ा है।

यह संभव है कि कुपोषण जैसे कारक उनके शरीर को कमजोर कर सकते हैं और इससे उन्हें संक्रमण का खतरा भी ही सकता हैं। भावनात्मक आघात के अलावा, युद्ध क्षेत्रों में रहने वाले बच्चों को भी हिंसा का लक्ष्य बनाया जाता हैं । उन्हें चोट लगने की भी संभावना होती हैं। युद्धों से प्रभावित लगभग आधे नागरिक बच्चे हैं। अगर कोई अनाथ भाई-बहनों में सबसे बड़ा होता हैं तो उन्हें अपने छोटे भाई-बहनों की भी ज़िम्मेदारी लेनी होती हैं। यानी बच्चों का जीवन पूरी तरह से प्रभावित रहता है।

यूक्रेन और गाजा 'पावर प्ले' के ऐसे हिस्से बन गए हैं

रहीस सिंह

2024 में क्या हम उन युद्धों का पटाक्षेप होते देख पा रहे हैं, जो कुछ महीने या कुछ वर्ष पहले शुरू हुए थे। आज की दुनिया पूरब-पश्चिम और उत्तर-दक्षिण के बीच बनी गहरी खाइयों से बाहर आती नहीं दिख रही। ये खाइयां अगर और गहरी हुईं तो संघर्षों की आशंकाएं और उनकी तीव्रताएं और बढ़ जाएंगी। हालांकि ये परिदृश्य नए नहीं हैं बल्कि समूचा इतिहास इनसे भरा हुआ है। इसलिए परिणाम से पहले इनके पीछे के कारणों को जानने की ज्यादा जरूरत होगी। सच जाने बिना इस निष्कर्ष तक पहुंचना मुश्किल है कि रूस-यूक्रेन और इस्राइल-गाजा युद्ध कितनी दूर तक जाएगा।

पहले यूक्रेन युद्ध की बात करते हैं। 24 फरवरी 2022 की सुबह रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पूतिन ने यूक्रेन के दोनबास इलाके में 'सैन्य कार्रवाई' की घोषणा से ठीक पहले अपने भाषण में कहा था कि 1991 में सोवियत यूनियन बिखरा तो रूस पर डाका डाल दिया गया। पूतिन का यह बयान एक तरह से हिटलर के उस आरोप की पुनरावृत्ति था, जिसमें वर्साय की संधि को 'राजमार्ग की डकैती' कहा गया था। उस समय पूतिन सोवियत संघ की पुरानी कड़ियों को जोड़ते हुए अपने ही अंदर एक युद्ध लड़ते हुए दिख रहे थे। यदि ऐसा है तो रूस-यूक्रेन युद्ध अभी अपने अंतिम परिणाम तक नहीं पहुंच पाया है।

दरअसल, मॉस्को-कीव के बीच लड़ी जा रही लड़ाई का सच वह नहीं है जो दुनिया को बताया जा रहा है। यह लड़ाई सिर्फ पूतिन की महत्वाकांक्षाओं की नहीं है बल्कि सोवियत संघ के खंडहर पर उगे स्वतंत्र देशों के बीच रूस की प्रतिष्ठा की है। ऐसा इसलिए क्योंकि अमेरिका, यूरोपीय संघ और नैटो 1991 के बाद से ही रूस को कमजोर बनाने का प्रयास कर रहे हैं और पूतिन रूस को पुराने इतिहास की ओर ले जाने की कोशिश में हैं।

चूंकि, अमेरिका और पश्चिमी शक्तियां सीधे टकराने के बजाय अक्सर मोहरों के जरिए युद्ध लड़ती रही हैं, इसलिए लड़ाई कहीं और हो रही है, मगर दिख कहीं और रही है। अब इस लड़ाई का स्वरूप बदल चुका है। अब इसे मॉस्को-पेइचिंग बॉन्डिंग या इससे भी आगे मॉस्को-पेइचिंग-तेहरान-रियाद के बीच बनते समीकरणों के सापेक्ष देखना चाहिए।

एक बात और, नैटो शक्तियां नहीं चाहतीं कि कैस्पियन से ब्लैक सी तक की जियो-स्ट्रैटेजिक बेल्ट में रूस इतना मजबूत हो जाए कि स्ट्रैटिजिक बैलेंस उसकी तरफ शिफ्ट कर जाए। लेकिन पश्चिमी शक्तियां कुछ खास कर पातीं, इससे पहले ही रूस ने क्राइमिया पर कब्जा (वर्ष 2014) कर संतुलन अपने पक्ष में कर लिया। यह रूस की रणनीतिक विजय थी और पश्चिमी दुनिया की पराजय।

इसे स्वीकार कर पाना अमेरिका और उसके सहयोगियों के लिए बहुत मुश्किल था, इसलिए कहीं से युद्ध शुरू होने की जरूरत थी। इस युद्ध की शुरुआत हुई यूक्रेन से। गौर से देखें तो अभी यूरेशियाई क्षेत्र में नियंत्रण और लीडरशिप को लेकर बहुत कुछ साफ नहीं है, इसलिए अभी लड़ाई थमने की उम्मीद भी नहीं करनी चाहिए।

इस्राइल-गाजा संघर्ष भी इसी तरह के इतिहास का एक अध्याय है, जिसे दूसरे विश्वयुद्ध के दौरान ही लिखना शुरू कर दिया गया था। ताजा संघर्ष में गाजा में अब तक 20 हजार मौतें हुई हैं, 54 हजार से अधिक घायल हैं। मारे गए अधिकतर लोगों में महिलाएं और बच्चे हैं। यह महिलाओं और बच्चों की नहीं बल्कि मानवीय संवेदनाओं की मौत है, जिसे न ही मध्य-पूर्व के क्रूर शासक समझ पाएंगे और न ही इस्राइल के चुने हुए नेता। फिर हमास के चरमपंथियों (आतंकवादियों) से तो कोई उम्मीद ही नहीं रह जाती। जब तक इन संवेदनाओं का मर्म समझ में नहीं आएगा, तब तक युद्ध कैसे रुक सकते हैं?

बहरहाल, अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन यह कह रहे हैं कि गाजा में जारी अंधाधुंध बमबारी के कारण इस्राइल वैश्विक समर्थन खो रहा है। इस्राइली सेना भी मान रही है कि यह अभियान 'मुश्किल' और 'लंबा' होगा। लेकिन इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू युद्ध को तब तक जारी रखना चाहते हैं, जब तक वे अपने सभी लक्ष्य हासिल न कर लें। ये लक्ष्य क्या है? लक्ष्य सिर्फ गाजा है या येरुशलम? अगर येरुशलम है तो अभी और कीमतें चुकानी पड़ेंगी?

वैसे नेतन्याहू यह तो स्वीकार कर रहे हैं कि इस युद्ध के लिए इस्राइल 'बहुत भारी कीमत' चुका रहा है, लेकिन इसके साथ यह भी कह रहे हैं कि 'लड़ते रहने के अलावा कोई विकल्प नहीं है।' तो उस क्षेत्र में ऐसा है कौन जो युद्ध नहीं चाहता? इस्राइल, हमास, हिजबुल्ला, ईरान या मध्य-पूर्व के वे देश या संगठन जो मध्य-पूर्व राजनीति पर ही नहीं, बल्कि अर्थव्यवस्था पर भी खासा प्रभाव रखते हैं? या फिर अमेरिका सहित पश्चिमी दुनिया के वे देश, जो इस मध्य-पूर्व के इस संकट के लिए जिम्मेदार हैं।

हालांकि इजिप्ट की तरफ से युद्धविराम की एक नई त्रिस्तरीय योजना पेश की गई थी, लेकिन अभी तक वैसा कुछ नहीं दिख रहा है जैसे कि इस योजना में था। इसमें दोनों तरफ से बंधकों की रिहाई के अलावा मानवीय राहत और पुनर्निर्माण के लिए एक स्वतंत्र निकाय बनाने की योजना और एक विस्तृत युद्धविराम जैसे विषय हैं, जो जमीन पर नहीं दिख रहे हैं। कारण यह कि इस्राइल को अभी लंबी लड़ाई लड़नी है, जिसमें उत्तरी गाजा ही नहीं दक्षिणी गाजा और येरुशलम भी शामिल है।

यूक्रेन और गाजा 'पावर प्ले' के ऐसे हिस्से बन गए हैं, जिन्हें दुनिया की ताकतें 'क्लिक एंड ब्राउज' पैटर्न पर चलाती हुई दिख रही हैं। शेष दुनिया भी इसे देखकर हैरान नहीं है, भले ही इन ताकतों के साथ न खड़ी हो। फिलहाल दुनिया फिर से ग्रेड डिवाइड्स से गुजरती हुई दिख रही है जिसमें आमतौर पर नए किस्म के टकराव होते हैं। ऐसे में यही लगता है कि 2024 युद्ध विराम से अभी दूर ही खड़ा है।

आज का इतिहास

1950 ब्रिटेन ने चीन की कम्युनिस्ट सरकार को मान्यता प्रदान किया।
1953 पहला एशियाई समाजवादी सम्मेलन, एशिया में समाजवादी राजनीतिक दलों का एक संगठन, रंगून, बर्मा में 177 प्रतिनिधियों, पर्यवेक्षकों और भ्राताओं के साथ खोला गया।
1953 एशियाई समाजवादी सम्मेलन बर्मा के रंगून में खोला गया।
1955 मिस्टर बीन के किरदार से दुनिया भर को दीवाना बनाने वाले सर रोवन सेबेस्टियन ने दुनिया में पहला कदम रखा ।
1960 नेशनल एयरलाइंस फ़्लाइट 2511, न्यूयॉर्क शहर से मियामी की यात्रा कर रही थी, एक अज्ञात पार्टी द्वारा रखे गए बम के कारण बीच में विस्फोट हो गया, जिससे सभी 34 लोगों की मौत हो गई।
1967 संगीत की दुनिया के बेताज बादशाह अल्लाह रक्खा रहमान (ए.आर.रहमान) का जन्म हुआ।
1977 रिकॉर्ड लेबल ईएमआई (श्वस्द्ध) ने दो दिन पहले लंदन हीथ्रो हवाई अड्डे पर अपने सदस्यों के विघटनकारी व्यवहार के जवाब में अंग्रेजी पंक रॉक बैंड सेक्स पिस्टल के साथ अपना अनुबंध समाप्त कर दिया।
1994 एक नया शो गवर्नमेंट इंस्पेक्टर 37 प्रदर्शनों के लिए लिसेयुम थिएटर न्यूयॉर्क शहर में खोला गया।
1994 दो बार की अमेरिकी ओलंपिक फिगर स्केटिंग पदक विजेता नैन्सी केरिगन को उनके प्रतिद्वंद्वी टोनी हार्डिंग के पूर्व पति जेफ गिल्ली द्वारा किराए पर लिया गया एक हमलावर द्वारा दाएं पैर पर रखा गया था।
1995 अटलांटा हॉक्स लेनी विल्केन्स एनबीए के सबसे अधिक विजेता कोच बन गए।
1996 3 लोगों द्वारा .65.2 मिलियन ब्रिटिश लॉटरी का रिकॉर्ड जीता गया।
1997 मशहूर शो इट्स ए स्लिपरी स्लोप आखिरकार विवियन ब्यूमोंट थिएटर न्यूयॉर्क शहर में समाप्त होता है।
2005 करीब 60 टन क्लोरीन गैस तब छोड़ी गई, जब अमेरिका के साउथ कैरोलिना के ग्रेनाइटविले में दो नॉरफ़ॉक दक्षिणी ट्रेनें टकराईं।
2010 यूरोप भर में अत्यधिक ठंड के कारण पोलैंड में 122 लोगों की मौत हो गई और 7 हिमस्खलन के परिणामस्वरूप स्विट्ज़रलैंड में मर गए।

आंध्र प्रदेश में क्यों बिखर गया रेड्डी का परिवार ?

सिद्धार्थ शंकर गौतम

अखंड आंध्र में कांग्रेस को एक परिवार की तरह जोड़कर ऐतिहासिक जीत दिलानेवाले वाईएस राजशेखर रेड्डी का अपना ही परिवार अब बिखर गया है। राजशेखर रेड्डी की मौत के बाद जब बेटे जगनमोहन ने मुख्यमंत्री की कुर्सी पर दावा किया था तब उनको जिस बहन वाईएस शर्मिला का साथ मिला, कांग्रेस से विद्रोह करके नयी पार्टी बनाई, आज वही शर्मिला लौटकर कांग्रेस में चली गयीं। अब आंध्र प्रदेश की राजनीतिक अवस्था ऐसी हो गयी है कि कभी कांग्रेस में अकेले पड़े जगनमोहन अब परिवार में भी अकेले पड़ गये हैं। उनकी मां और बहन कांग्रेस का दामन थाम चुके हैं और भविष्य में राजशेखर रेड्डी के वारिस के तौर पर कांग्रेस इन्हीं को प्रदेश में आगे बढायेगी।

इतिहास साक्षी है कि जिन राजनीतिक दलों की नींव पारिवारिक राजनीति एवं राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं की पूर्ति हेतु होती है, उनमें राजनीतिक विरासत की लड़ाई अक्सर देखने को मिलती है। उत्तर प्रदेश में मुलायम परिवार, बिहार में लालू परिवार, हरियाणा में चौटाला परिवार जैसे कई उदाहरण सामने हैं जहाँ पारिवारिक सदस्य राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं के चलते आपस में लड़ने लगे। राजनीतिक विरासत पाने की यही लड़ाई अब राजशेखर रेड्डी के परिवार में भी शुरु हो गयी है। वाईएस शर्मीला ने पहले ही भाई से अलग अपनी पार्टी बना रखी थी लेकिन वो कुछ खास कर नहीं पा रही थीं। इसलिए वो तो कांग्रेस में शामिल हुई हीं, उन्होंने अपनी पार्टी वाईएसआर तेलंगाना का विलय भी कांग्रेस में कर दिया है। एक समय वाईएसआर कांग्रेस को आंध्र में पहचान दिलाने वाली शर्मीला को अपनी माँ का साथ भी मिला है। अब उनके जिम्मे आंध्र में कांग्रेस को मजबूत कर सत्ता में लाने की जवाबदेही होगी।

अविभाजित आंध्र प्रदेश में कांग्रेस के लोकप्रिय मुख्यमंत्री रहे स्व. येदुगुरी संदिंटि राजशेखर रेड्डी (वाईएसआर रेड्डी) की 2009 में असमय मृत्यु के पश्चात जब दिल्ली दरबार में नए मुख्यमंत्री के नाम को चुनने की स्थिति बनी तो उनके सांसद पुत्र जगनमोहन रेड्डी ने मुख्यमंत्री पद को पारिवारिक विरासत मानते हुए स्वयं को भावी मुख्यमंत्री के रूप में प्रस्तुत किया। हालांकि कांग्रेस नेतृत्व ने उनकी मांग को ठुकराते हुए कोनिजेती रोसैया को

मुख्यमंत्री बना दिया जिसके पश्चात जगन मोहन रेड्डी ने आंध्र में ओडारपु यात्रा निकाली जिसे जनता का खासा समर्थन मिला। कांग्रेस नेतृत्व ने तत्काल जगनमोहन से यात्रा समाप्त करने की मांग की जिसे ठुकराते हुए उन्होंने कांग्रेस छोड़कर पिता के नाम से 2011 में वाईएसआर कांग्रेस पार्टी की स्थापना की। स्वयं उन्होंने सांसद पद से और उनकी माँ वाईएस विजयाम्मा ने विधायक पद से इस्तीफा दे दिया। यहीं जगनमोहन की बहन वाईएस शर्मीला की राजनीतिक एंट्री भी हुई और उन्हें पार्टी का राष्ट्रीय संयोजक बनाया गया। 2012 में जगनमोहन को आय से अधिक संपत्ति के मामले में जेल जाना पड़ा जिसके पश्चात उनकी बहन ने अपनी माँ के साथ पार्टी को स्थापित करने के उद्देश्य से पार्टी की राष्ट्रीय संयोजक के तौर पर %मारो राजा प्रस्थानम% नाम से पैदल मार्च किया जिसमें लगातार 230 दिन चलकर उन्होंने आंध्र में अपनी और परिवार की पहचान को स्थापित कर दिया।

वाईएस शर्मीला की मेहनत रंग लाई और 2014 के विधानसभा चुनाव में उनकी पार्टी 67 सीटें जीती और जगनमोहन नेता प्रतिपक्ष बने। पार्टी अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष के नाते जगनमोहन ने 2017 में आंध्र में 3,000 किलोमीटर की पदयात्रा शुरू की जो 430 दिनों बाद 125 विधानसभा क्षेत्रों से गुजरते हुए 2019 को समाप्त हुई जिसमें उनकी बहन की मुख्य भूमिका रही। 2019 में एक बार फिर वाईएस शर्मिला पार्टी और अपने भाई के लिए जनसमर्थन जुटाने के मकसद से लोगों के बीच गईं और उन्होंने 11 दिनों में बस के जरिए पूरे आंध्र प्रदेश में जनसंपर्क अभियान चलाया। इसका असर विधानसभा चुनाव में दिखा और 175 विधानसभा सीटों में से वाईएसआर कांग्रेस ने 151 और लोकसभा की 25 में से 22 सीटें जीत लीं। जगनमोहन धूमधाम से मुख्यमंत्री बने। राजनीतिक विश्लेषकों की मानें तो वाईएसआर कांग्रेस को आंध्र में स्थापित करने का श्रेय वाईएस शर्मिला और उनकी माँ को जाता है। चूँकि नई-नवेली पार्टी के मुखिया का आय से अधिक संपत्ति के मामले में जेल चला जाना पार्टी के भविष्य के लिए सही नहीं था अत: माँ-बेटी ने इसे कांग्रेस और चंद्रबाबू नायडू की राजनीतिक साजिश बताकर पूरे प्रदेश में पार्टी और जगन के लिए समर्थन बटोरा। पिता की राजनीतिक साख भी उनके काम आई। अत: यदि यह कहा जाए कि वाईएसआर की राजनीतिक विरासत को किसी ने आगे बढ़ाया है तो उसमें वाईएस शर्मीला को बड़ा योगदान है तो इसमें कोई अतिश्योक्ति नहीं होगी। भाई के लिए उन्होंने एक समय राजनीतिक त्याग किया किंतु उन्हें जो सम्मान मिलना चाहिए था संभवत: वह पार्टी में नहीं मिला जिसके कारण उन्होंने अपनी नई पार्टी वाईएसआर तेलंगाना का गठन किया और अब जबकि वो कांग्रेस में शामिल हो गयीं हैं तो उनकी माँ भी उनके साथ आ गई हैं।

जगनमोहन ने अपने मुख्यमंत्री काल में कांग्रेस से दूरी बनाते हुए केंद्र की मोदी सरकार को हर संकट के समय उबारा है। विपक्ष द्वारा लाए गए अविश्वास प्रस्ताव पर रेड्डी की पार्टी ने केंद्र सरकार का समर्थन किया था। हाल ही में दिल्ली के अधिकारियों की ट्रांसफर और पोस्टिंग से जुड़े अध्यादेश की जगह लेने वाले विधेयक पर भी वाईएसआर कांग्रेस पार्टी ने केंद्र का साथ दिया था जबकि शर्मिला खुले तौर पर कांग्रेस का साथ देते नजर आती हैं। अपने परिवार से दो-दो मुख्यमंत्री देख चुकीं शर्मिला की पार्टी यूँ तो तेलंगाना में सक्रिय है और हाल ही के विधानसभा चुनाव में उन्होंने कांग्रेस को समर्थन दिया था किंतु उनकी जुझारू छवि और संगठनात्मक क्षमता उन्हें आंध्र में भी लोकप्रिय बनाती है। चूँकि उनके पिता भी कांग्रेसी थे तो स्वाभाविक रूप से उनका झुकाव कांग्रेस की ओर ही है जबकि जगन मोहन को अपनी राजनीति चलाने के लिए कांग्रेस का विरोध करना आवश्यक है। वाईएस शर्मिला कांग्रेस को आंध्र में पुनर्जीवित कर सकती हैं क्योंकि कई राज्यव्यापी पदयात्राओं से उनकी पकड़ निचले स्तर तक है। वहीं जगनमोहन के विरुद्ध आंध्र में असंतोष बढ़ता जा रहा है। यदि शर्मिला इस असंतोष को कांग्रेस के पक्ष में मोड़ देती हैं तो 2014 से आंध्र की राजनीति से गायब हो चुकी कांग्रेस को बड़ी संजीवनी मिल जाएगी।

दक्षिण का दुर्ग भेदने मैदान में उतरे नरेंद्र मोदी

अंकित सिंह

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) 2019 के लोकसभा चुनावों में पांच दक्षिणी राज्यों की 129 लोकसभा सीटों में से केवल 29 सीटें जीत सकी, और इनमें से 25 सीटें कर्नाटक से आईं, एक ऐसा राज्य जहां भाजपा पिछले साल राज्य चुनावों में हार गई थी। तमिलनाडु, केरल और आंध्र प्रदेश में बीजेपी अपना खाता नहीं खोल पाई थी। लेकिन यह पार्टी को दक्षिण में बड़े लक्ष्य रखने से नहीं रोक रहा है, जिसका नेतृत्व प्रधानमंत्री कर रहे हैं, जो पांच दक्षिणी राज्यों में चुनाव प्रचार में काफी समय देंगे और आने वाले दो महीनों में वहां कई विकास योजनाएं शुरू करेंगे। पीएम एक नए हवाई अड्डे सहित 20,000 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का शुभारंभ करने के लिए मंगलवार को तमिलनाडु में थे। वह बुधवार लक्षद्वीप के अलावा केरल में रहे, जहां उन्होंने त्रिशूर में एक बड़ा रोड शो किया और एक सार्वजनिक बैठक की। पार्टी सूत्रों ने बताया कि सार्वजनिक बैठक में लगभग दो लाख भाजपा महिला कार्यकर्ता मौजूद रही। कांग्रेस के यह कहने के बाद कि भगवा पार्टी का दक्षिण में कोई आधार नहीं है, यह भाजपा का एक बड़ा शक्ति प्रदर्शन था। नरेन्द्र मोदी ने अपनी सरकार द्वारा शुरू किए गए सुधारों के खिलाफ बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शनों का गवाह बने मुस्लिम बहुल लक्षद्वीप के लोगों का दिल जीतने के प्रयास के तहत बुधवार को कहा कि यह द्वीपसमूह भले ही छोटा है लेकिन इसका दिल बड़ा है। भाजपा के मुताबिक उसका लक्ष्य लोकसभा चुनाव में पांच दक्षिणी राज्यों से कम से कम 40-50 सीटें हासिल करना है। भाजपा नेता ने दावा किया कि हम कर्नाटक में अपनी सीटें (25) बरकरार रखेंगे क्योंकि लोगों ने सिद्धारमैया सरकार पर से जल्द ही विश्वास खो दिया है और हार के बावजूद हमने विधानसभा चुनावों में वोट शेयर नहीं खोया है। भाजपा तेलंगाना में 2019 से भी बेहतर प्रदर्शन करेगी जब हमने चार लोकसभा सीटें जीती थीं। हमें केरल और तमिलनाडु के साथ-साथ आंध्र प्रदेश में भी कुछ सीटें जीतने की उम्मीद है। उन्होंने दावा किया कि चुनाव प्रचार के दौरान नरेंद्र मोदी और अमित शाह जैसे शीर्ष नेताओं की रैलियों में मजबूत दक्षिण फोकस होगा और मोदी के नाम पर वोट मांगा जाएगा। भाजपा हर हाल में चुनावी साल में सिर्फ और सिर्फ हिंदी बेल्ट की पार्टी वाली इमेज से बाहर निकालने की कोशिश में है। यही कारण है कि पार्टी ने विपक्ष का दक्षिणी दुर्ग भेदने के लिए अपने सबसे बड़े चेहरे पीएम मोदी को सीधे मैदान में उतार दिया है। दक्षिण में खुद को स्थापित करने के लिए भाजपा सांस्कृतिक राष्ट्रवाद, भ्रष्टाचार को लेकर जीरो टॉलरेंस और केंद्र सरकार की विकास योजनाओं को प्रचार में शामिल करते दिखाई दे रही है। तमिलनाडु की राजनीति को ध्यान में रखते हुए ही पीएम मोदी के निर्वाचन क्षेत्र वाराणसी को केंद्र बनाकर सांस्कृतिक राष्ट्रवाद की बुनियाद तैयार की गई है और काशी तमिल संगमम का आयोजन हुआ। भाषा को लेकर जो विवाद चल रहा है वह बीजेपी की राह में बाधा ना बने, इसको लेकर भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लगातार तमिलनाडु की भाषा की तारीफ कर रहे हैं। इसी कड़ी में भाजपा लोकप्रिय चहरों को भी अपने साथ दक्षिण में जोड़ रही है जिसमें पीटी ऊषा, इलैयाराजा, वीरेंद्र हेगड़े और वी विजयेंद्र प्रसाद शामिल है। भाजपा इस बार तमिलनाडु में अकेले चुनाव लड़ेगी क्योंकि राज्य भाजपा प्रमुख अन्नामलाई के आक्रामक राजनीतिक रुख के बाद अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (एआईएडीएमके) ने भाजपा के साथ अपना गठबंधन तोड़ दिया है। हालाँकि, भाजपा अपनी जिद पर अड़ी हुई है और अन्नामलाई को अन्नाद्रमुक की मांग पर राज्य प्रमुख के रूप में प्रतिस्थापित नहीं किया है। केरल में भी, भाजपा आक्रामक रूप से वामपंथियों और कांग्रेस दोनों पर हमला कर रही है और वायनाड से राहुल गांधी के खिलाफ एक मजबूत उम्मीदवार खड़ा करने की योजना बना रही है।

क्या राहुल गांधी संग अखिलेश, ममता नीतीश और लालू भी करेंगे कदमताल?

आशीष तिवारी

राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा का पूरा रूट तैयार हो गया है। 14 जनवरी से शुरू होने वाली यह यात्रा मणिपुर से शुरू होकर महाराष्ट्र तक जाएगी। 6713 किलोमीटर की राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान वह सभी प्रमुख राज्य भी शामिल हैं, जहां के बड़े सियासी दल इंडिया गठबंधन का अहम हिस्सा हैं। इस यात्रा के दौरान कांग्रेस पार्टी ने गठबंधन की मजबूती के लिहाज से एक बड़ा सियासी दांव भी खेला है। राहुल गांधी की इस यात्रा में शामिल होने के लिए गठबंधन के सभी प्रमुख सियासी दलों को आमंत्रित किया है। सियासी गलियारों में अब चर्चा इस बात की होने लगी है कि क्या ममता बनर्जी से लेकर नीतीश कुमार और लालू यादव से लेकर अखिलेश यादव जैसे बड़े नेता भी राहुल गांधी की इस भारत जोड़ो न्याय यात्रा का हिस्सा बनकर उनके साथ कदमताल करेंगे या नहीं। राहुल गांधी की भारत जोड़ो ने यात्रा को लेकर गुरुवार को एक बड़ी बैठक आयोजित की गई। इस दौरान राहुल गांधी की इस यात्रा का पूरा रोड मैप तैयार किया गया। इसके अलावा प्रत्येक राज्य से गुजरने वाली इस यात्रा के दिन, किलोमीटर, जिले, विधानसभा क्षेत्र और लोकसभा क्षेत्र तक तय किए गए। कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने बताया कि पूरी यात्रा 15 राज्यों से होकर गुजरेगी। इस दौरान सभी राज्यों के 110 जिले कवर किए जाएंगे। जिसमें 100 लोकसभा सीटें और 337 विधानसभा सीटें भी शामिल हैं। जयराम रमेश कहते हैं कि उनकी पार्टी के बड़े नेता 14 जनवरी को यात्रा के शुभारंभ पर इंफाल में मौजूद रहेंगे। उसके बाद यह यात्रा इंफाल से शुरू होकर महाराष्ट्र में खत्म होगी। कांग्रेस पार्टी के महासचिव जयराम रमेश ने बताया कि राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा में गठबंधन के सभी दलों को शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया है। जयराम रमेश के इस निमंत्रण के बाद सियासी गलियारों में चर्चाएं इस बात की सबसे ज्यादा होने लगी हैं कि क्या वास्तव में राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा में वह सभी राजनीतिक दल शिरकत करेंगे, जो ढ्ढह्रष्ठढ्ढ गठबंधन का हिस्सा हैं। दरअसल गांधी की यात्रा शुरू तो पूर्वोत्तर से हो रही है, लेकिन पश्चिम बंगाल के बाद वह जिन राज्यों में होकर गुजर रही है, वह सियासी नजरिए से सबसे महत्वपूर्ण राज्य माने जाते हैं। इन राज्यों के बड़े सियासी दल, ढ्ढह्रष्ठढ्ढ गठबंधन का हिस्सा हैं। जैसे पश्चिम बंगाल में वामदल के साथ ममता बनर्जी भी शामिल हैं, वहीं बिहार में राजद और जेडीयू भी गठबंधन का हिस्सा हैं। उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी गठबंधन का हिस्सा है और कांग्रेस पार्टी के लिहाज से उत्तर प्रदेश महत्वपूर्ण राज्य माना जा रहा है।कांग्रेस पार्टी की ओर से राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा में विपक्षी दलों को शामिल किए जाने के निमंत्रण पर राजनीतिक जानकारों का मानना है कि कांग्रेस ने यह बड़ा सियासी दांव खेला है। राजनीतिक जानकार बृजेंद्र शुक्ला कहते हैं कि अगर कांग्रेस के निमंत्रण पर इन राज्यों के बड़े दलों के सभी प्रमुख नेता राहुल गांधी की यात्रा में शामिल होते हैं, तो निश्चित तौर पर गठबंधन की मजबूती का एक संदेश जाएगा। लेकिन बड़ा सवाल यही है कि क्या राहुल गांधी की यात्रा में अखिलेश यादव, ममता बनर्जी, लालू प्रसाद यादव और नीतीश कुमार जैसे दिग्गज नेता शामिल होते हैं या नहीं।

नये साल में चुनाव, मुद्दे और दल

प्रभु चावला

हम कह सकते हैं कि 2023 प्रतिध्रुवों का वर्ष रहा। राजनीतिक एवं धार्मिक टकराव, केंद्र-राज्य तनाव, खेल स्कैंडल, जांच एजेंसियों का अतिक्रमण और प्रतिस्पर्धात्मक कल्याण योजनाओं की घोषणा आदि ने जहां आख्यान को आक्रांत किया, वहीं शेयर बाजार में तेजी, मनोरंजन उद्योग का विस्तार, खेलों में जीत और अंतरिक्ष अभियानों ने देश का मान बढ़ाया। नया साल अतीत को दुहराने के लिए तैयार दिख रहा है। पहली छमाही में पहले से भी अधिक अभद्रता और टकराव देखने को मिल सकता है, क्योंकि पार्टियां चुनावी मैदान में उतरेंगी। सोशल मीडिया पर झूठ और मूर्खता का वर्चस्व होगा। भरोसेमंद टिप्पणी और समाचार की जगह आरोप-प्रत्यारोप के शोर से भरे टीवी चैनल अखाड़ों की तरह दिखेंगे। पार्टियां और कॉर्पोरेट माहौल बनाने के लिए सोशल मीडिया पर लाखों खाते बनायेंगे। डीप फेक के जरिये विरोधियों को बदनाम करने की कोशिशें होंगी। मुख्य रूप से निम्न मुद्दों की गूंज पूरे साल सुनाई देगी।

मोदी का विकल्प नहीं- अजेय और भरोसेमंद होने की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की छवि हालिया चुनावों में और पक्की हुई है। उनके शब्द उनके समर्थकों के लिए अकाट्य सत्य होते हैं। 'मोदी की गारंटी' भविष्य के लिए भाजपा का नया पासवर्ड है। पूरे साल ऐसे प्रधानमंत्री के रूप में मोदी की चर्चा होगी, जो वादों से अधिक कार्य करते हैं। देश भर में उनके पोस्टर और बोर्ड होंगे। उनकी उपस्थिति शारीरिक, भावनात्मक और इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से वोटरों तक पहुंचती रहेगी। किसी भी अन्य प्रधानमंत्री की तुलना में अधिक समय उन्होंने दिल्ली से बाहर बिताया है और देश भर में पार्टी का हौसला बढ़ाया है। उन्हें भारत की फिर से खोज करने की जरूरत नहीं है, क्योंकि वे देश की विविधताओं से अच्छी तरह परिचित हैं। उन्होंने अपने हिंदुत्व एजेंडा को पूरा किया है, पर 2024 में उन्होंने अधिक विकास मुहैया कराना होगा। कल्याण योजनाओं का मोदी का अर्थशास्त्र उन्हें वोट दिला सकता है, पर दीर्घ काल में आर्थिक मजबूती इससे कमजोर हो सकती है। उन्हें जल्दी से आय विषमता को ठीक करना चाहिए और धन वितरण पर ध्यान देना होगा ताकि पूंजीवाद

बढ़ाने का कोई संकेत न निकले। मोदी के एकमात्र प्रतिद्वंद्वी मोदी ही हैं। इस वर्ष उनकी गारंटी है कि वे अपने बेहतरीन स्वरूप से भी बेहतर साबित होंगे।

मेल-मिलाप वाला वैश्विक भारत- क्या भारत को सुरक्षा परिषद में अस्थायी सदस्यता मिलेगी? क्या यह ग्लोबल साउथ का नेता हो सकता है? क्या पड़ोसियों से संबंध बेहतर होंगे? अमेरिका का सहयोगी होने की अपनी छवि से क्या भारत मुक्त हो सकता है? चुनावी रणनीति के निर्देशन में मोदी के व्यस्त होने के कारण विदेश मंत्री जयशंकर को पुतिन से मुलाकात कर कूटनीतिक रूप से सभी से बराबर दूरी रखने का संकेत देना पड़ा। जी-20 में मिले मोदी के लाभ पूरे साल बहाल रहने चाहिए। गाजा संघर्ष में भारत की भूमिका नहीं दिख रही है। विश्व नेताओं के साथ प्रधानमंत्री के व्यक्तिगत संबंधों के लाभ के लिए उन्हें आक्रामक चीन और पाकिस्तान से निपटना होगा। अपने दूसरे कार्यकाल में मोदी ने 120 देशों की यात्रा में 240 दिन बिताये हैं। जयशंकर का आंकड़ा 290 दिनों का है। उनका पसंदीदा गंतव्य अमेरिका है। भारत ने अमेरिकी खेमे के विरुद्ध एक अन्य कूटनीतिक दबाव समूह बनाने में ठोस प्रगति की है। पिछले साल अमेरिका-रूस तनातनी के कारण भारत रणनीतिक कूटनीति में प्रभावी भूमिका नहीं निभा सका, पर इस वर्ष भारत हर वैश्विक मामले को प्रभावित करने की स्थिति में होगा।

विपक्ष की स्थिति- भाजपा का ठोस विकल्प बनाने का विचार पिछले साल आया, पर अंतत: विपक्षी खेमे में विचारधारा और नेतृत्व को लेकर दरारें पड़ गयीं। हाल में कांग्रेस की हार विपक्ष को किसी तरह एकजुट होने को मजबूर करेगी। कांग्रेस अब सभी पार्टियों को बराबर मान देने और सीटों के बंटवारे पर बातचीत की इच्छुक है। कांग्रेस अपने पद के बिना नेता राहुल गांधी को आगे करेगी। उनकी दूसरी यात्रा- न्याय यात्रा- इस माह शुरू होगी और आम चुनाव की घोषणा तक चलेगी। विपक्ष को 2004 दुहराने की आशा है, जब बेहद लोकप्रिय वाजपेयी सरकार चुनाव हार गयी थी। तब सोनिया गांधी ने विभिन्न दलों का गठबंधन बनाया था और एक दशक तक देश चलाने के लिए बिना राजनीतिक महत्व वाले टेक्नोक्रेट मनमोहन सिंह को नियुक्त किया था। कॉर्पोरेट भारत का प्रभाव ञ भारत दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है। इस साल 7त्न वृद्धि दर की संभावना है, पर अंतरराष्ट्रीय और घरेलू आपूर्ति शृंखला में गड़बड़ी तथा मुद्रास्फीति के दबाव बढ़त को धीमा कर सकते हैं। बड़े सार्वजनिक निवेश के साथ ग्रामीण मांग में वृद्धि से कुछ क्षेत्र अच्छा कर सकते हैं, जैसे उड्डयन, स्वास्थ्य, मनोरंजन, पर्यटन और वाहन। यदि मोदी बहुमत के साथ सत्ता में बने रहते हैं, तो निश्चित ही कॉर्पोरेट बढ़त होगी। शेयर बाजार भले भारत के वास्तविक वित्तीय स्वास्थ्य का प्रतिबिंब नहीं हो, पर यह निवेशकों के भरोसे को दर्शाता है। भारतीय बाजार एक प्रभावपूर्ण पूंजीवादी समूह द्वारा नियंत्रित होने के कारण भारतीय बाजार संकुचित है। साल भर में सेंसेक्स 61 हजार से बढ़ कर 72 हजार हुआ है। सूचीबद्ध कंपनियों की बाजार पूंजी लगभग 30% बढ़ कर लगभग चार ट्रिलियन के स्तर पर है, जो भारत की जीडीपी से अधिक है।

बीते एक दशक में राजनीति का मोदीकरण हो चुका है। अब इस वर्ष भारतीय संस्कृति के रामकरण का समय है। अयोध्या में राम लल्ला की स्थापना के साथ राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पूरे देश को भगवान राम और मोदी की तस्वीर से पाट देगा। विपक्ष के समक्ष विचारधारा और आस्था में से एक चुनने की चुनौती है।

क्या इस वर्ष देश का नाम भारत हो जायेगा? इसकी प्रक्रिया पिछले साल राष्ट्रपति के आमंत्रण से प्रारंभ हो चुकी है। उसके बाद मोदी ने जी-20 नेताओं को भारत के पीएम के रूप में आमंत्रित किया। ऐसा लगता है कि भारत इंडिया का स्थान ले लेगा। एक दशक के मोदी राज ने भारतीय सदी पर अमिट छाप छोड़ी है।

2024 चुनाव में 51% वोट और 400 लोकसभा सीटें पाने भाजपा का लक्ष्य

हरीश गुप्ता

भाजपा नेतृत्व 2024 के चुनावों में 51 प्रतिशत वोट और 400 लोकसभा सीटें पाने का लक्ष्य बना रहा है। भाजपा नेतृत्व का लक्ष्य 100 से अधिक मौजूदा लोकसभा सांसदों को टिकट देने से इनकार करना है। लेकिन अपनी सांसें थामिए क्योंकि कहानी का दूसरा पहलू भी है। यह अविश्वसनीय भी लग सकता है लेकिन सच है और नेता इस मुद्दे पर चुप्पी साधे हुए हैं। पता चला है कि कई मौजूदा सांसदों ने 2024 में लोकसभा चुनाव नहीं लड़ने और टिकट नहीं मांगने का फैसला किया है। ये वे लोग नहीं हैं जो अपनी उम्र के सातवें या छठवें दशक में हैं और उन्होंने अच्छा प्रदर्शन करके दिखाया है।

इसमें कोई संदेह नहीं कि मौजूदा 303 भाजपा सांसदों में से अनेक अन्य पार्टियां या अपना पेशा छोड़कर आए थे, जिनका अपने कार्यक्षेत्र में नाम या प्रसिद्धि थी। इनमें से कुछ सांसद भाजपा के कट्टर वफादार रहे हैं और उन्होंने लंबे समय तक काम किया है। लेकिन उन्हें पार्टी की नई कार्यशैली से कठिनाई हो रही है और वे इसका सामना करने में असमर्थ हैं। उन्हें लगता है कि वे अब इंसान नहीं बल्कि मशीनें हैं जो मालिक के आदेश के अनुसार काम करती हैं। उनका अपना कोई जीवन नहीं है और उन्हें सातों दिन चौबीसों घंटे पार्टी के लिए काम करना है। अगर वे शीर्ष नेताओं के ट्वीट को रीट्वीट नहीं करते हैं तो उन्हें फोन आएगा; यदि वे दिन के दौरान या अपने निर्वाचन क्षेत्रों में किए गए कार्यों की तस्वीरें अपलोड नहीं करते हैं, तो उन्हें अच्छा नहीं समझा जाएगा। यदि वे सुबह 11 बजे से शाम

6 बजे के बीच संसद भवन में अपनी सीटों से गायब पाए जाते हैं, तो उन्हें एक लिखित नोट मिलेगा; अगर वे पार्टी के किसी आयोजन में शामिल नहीं होंगे तो उन्हें फोन आएगा। उन्हें अपने परिवार के साथ समय बिताना बेहद मुश्किल लगता है और उन्हें ऊपर से एक रूखा संदेश मिलना निश्चित है। नई 'कार्य संस्कृति' उन पर मानसिक रूप से भारी असर डाल रही है। वे हमेशा परेशान रहते हैं और उन्होंने इसे बंद करने का फैसला किया है। उनमें से कई ने दोबारा नामांकन नहीं भरने का फैसला किया है। इसके लिए आने वाले हफ्तों का इंतजार करना होगा।

50 करोड़ से अधिक लोगों को लाभ पहुंचाने वाली सरकार की व्यापक कल्याणकारी योजनाओं के प्रचार-प्रसार के लिए प्रधानमंत्री मोदी की राष्ट्रव्यापी विकसित भारत यात्रा को हर नुक्कड़ और कोने तक पहुंचाने को अद्वितीय कदम मान कर इसका स्वागत किया जा रहा है। सरकार की उपलब्धियों का प्रचार-प्रसार करने के लिए 2500 से अधिक अत्याधुनिक बसें लगाई गई हैं। लेकिन अटल बिहारी वाजपेयी के दौर में काम करने वालों का कहना है कि तत्कालीन प्रधानमंत्री ने भी रथों पर इंडिया शाइनिंग यात्रा शुरू की थी, जो 2003 में तत्कालीन वित्त मंत्री जसवंत सिंह के दिमाग की उपज थी। एक विज्ञापन फर्म ग्रे वर्ल्डवाइड ने 2003 में इस अभियान को संभाला था और सरकार ने 'इंडिया शाइनिंग' नारे के प्रचार पर अनुमानित तौर पर 20 मिलियन अमेरिकी डॉलर खर्च किया था। 2004 के लोकसभा चुनाव में वाजपेयी के हार जाने के कारण अभियान फ्लॉप हो गया। हो सकता है कि मोदी ने रथों के संबंध में वाजपेयी का अनुसरण किया हो, लेकिन वह इसे अलग तरीके से संभाल रहे हैं क्योंकि बसें केवल प्रचार के लिए नहीं हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने ग्रामीण क्षेत्रों में अपनी सरकार की उपलब्धियों को प्रदर्शित करने के लिए स्वर्गीय इंदिरा गांधी द्वारा बनाई गई सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के तहत एक लगभग निष्क्रिय पड़ी मैदानी प्रचार इकाई की खोज की। उन्होंने लाभार्थियों या छूटे हुए लोगों की समस्याओं को सुलझाने के लिए बसों के साथ शीर्ष अधिकारियों की एक टीम भी भेजी। पूर्ण राजनीतिक लाभ लेने के लिए, भाजपा नेतृत्व ने अपने सांसदों और कार्यकर्ताओं को घर-घर जाकर केंद्र की कल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित लाभार्थियों की सूची बनाने और उनकी समस्याओं को हल करने में मदद करने का निर्देश दिया। मौके पर मदद के लिए भाजपा की टीमें हर जिले के कॉल सेंटर से जुड़ी हुई हैं।

लोकसभा सीट भले ही कांग्रेस नेता राहुल गांधी को बहाल कर दी गई हो, लेकिन उन्होंने विदेशी मामले या रक्षा सहित किसी भी स्थायी संसदीय समिति का सदस्य नहीं बनने का फैसला किया है। उनके करीबी सूत्रों ने इसका कोई कारण नहीं बताया है, जो कहते हैं कि उन्होंने अपने तुगलक लेन बंगले पर भी कब्जा वापस नहीं लिया है। ऐसा लगता है कि राहुल गांधी अपनी भारत न्याय यात्रा सहित राजनीति को पूरा समय देना चाहते हैं क्योंकि वह 2024 के चुनाव को भाजपा के साथ 'करो या मरो' की लड़ाई मानते हैं।

ऐसी अटकलें हैं कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 2024 में किसी दक्षिणी राज्य से चुनाव लड़ने की संभावना तलाश सकते हैं। ऐसा सोचने के प्रमुख कारणों में से एक यह है कि अगर मोदी चार दक्षिणी राज्यों में से किसी एक से चुनाव लड़ते हैं, तो यह पूरे क्षेत्र में पार्टी और मतदाताओं को प्रेरित करेगा। 2014 में मोदी ने गुजरात की सुरक्षित सीट के बजाय वाराणसी सीट चुनी जो उनके लिए बिल्कुल नई थी। इस कदम से पार्टी को यूपी से रिकॉर्ड संख्या में लोकसभा सीटें जीतने में काफी फायदा हुआ। मोदी का तमिलनाडु में बार-बार जाना, राज्य के विकास के लिए धन देना और काशी में तमिल संगमम का प्रचार करना संकेत देता है कि कुछ पक रहा है। भाजपा के एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि ये महज अटकलें हैं क्योंकि किसी को इसकी कोई भनक नहीं है।

हालांकि एक बात स्पष्ट है, मोदी दो सीटों से चुनाव नहीं लड़ेंगे इसलिए ऐसे किसी प्रयोग की संभावना कम है। दूसरी ओर, इंडिया के सहयोगी भी वाराणसी से मोदी के खिलाफ एक साझा उम्मीदवार खड़ा करने की संभावनाएं तलाश रहे हैं। इस प्रस्ताव पर इंडिया के सहयोगियों की एक बैठक में चर्चा हुई थी। 2019 में ऐसी चर्चा थी कि कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा वाराणसी से चुनाव लड़ सकती हैं। हालांकि, कांग्रेस ने अजय राय और समाजवादी पार्टी ने शालिनी यादव को मैदान में उतारा था। मोदी ने 60 प्रतिशत से अधिक वोट हासिल कर चुनाव जीता। लेकिन इस बार, यह स्पष्ट है कि इंडिया एक साझा उम्मीदवार खड़ा करेगा। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भी यूपी से चुनाव लड़ने की संभावनाएं तलाश रहे हैं। उन्होंने ऐलान किया था कि वह वाराणसी में रैली करेंगे लेकिन इजाजत नहीं मिली।

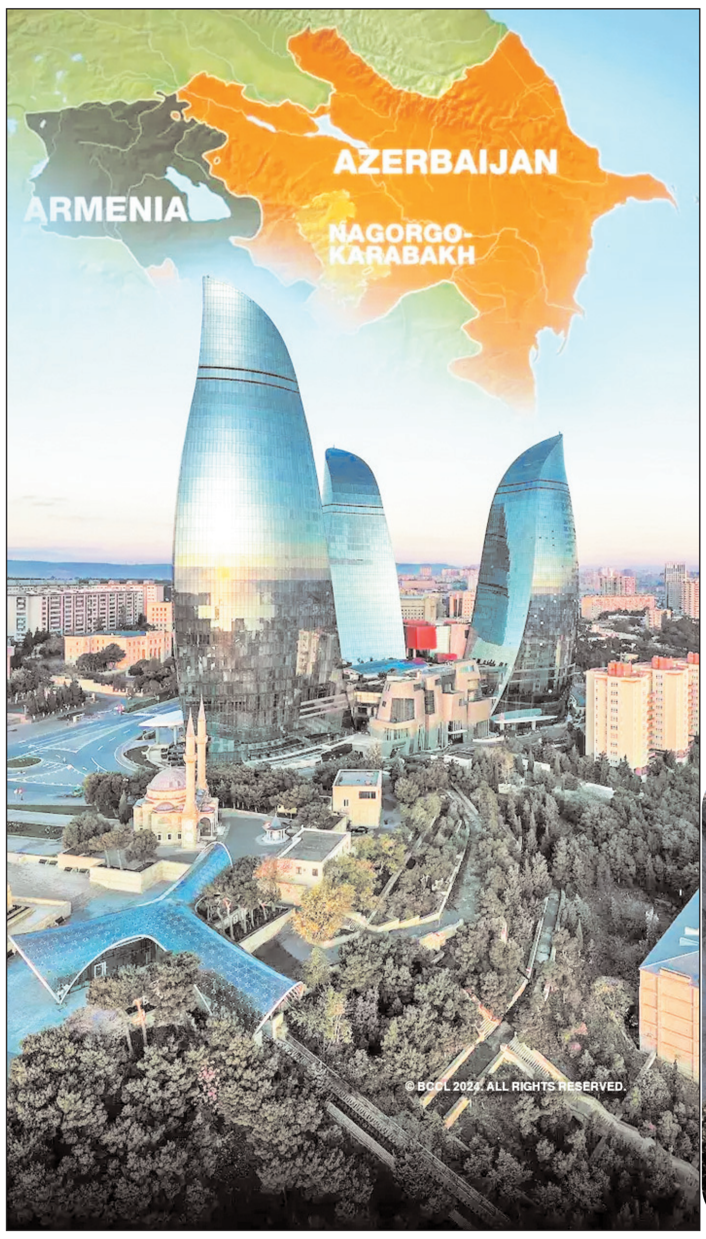

बैचलरेट पार्टी के लिए तलाश रहे बेहतरीन डेस्टिनेशन्स, तो ये जगह आपको नहीं करेंगी निराश

ऐसे में अगर आपकी भी जल्द ही शादी होने वाली है और आप बैचलरेट पार्टी के लिए किसी शानदार जगह की तलाश में हैं। ऐसे में आप यहां पर बैचलरेट पार्टी के अलावा कई तरह के एडवेंचर एक्टिविटीज में भी शामिल हो सकते हैं।

इन दिनों शादी से पहले सिर्फ प्री वेडिंग का ही नहीं बल्कि बैचलरेट पार्टी का भी ट्रेंड तेजी से चल रहा है। ऐसे में अगर आपकी भी जल्द ही शादी होने वाली है और आप बैचलरेट पार्टी के लिए किसी शानदार जगह की तलाश में हैं। जहां पर आप अपने हर पल को यादगार बनाना चाहते हैं। तो यह आर्टिकल आपके लिए है। हांलाकि इसके लिए कई लोगों की पहली पसंद गोवा होती है। लेकिन आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको गोवा से भी कहीं ज्यादा खूबसूरत डेस्टिनेशन्स के बारे में आपको बताने जा रहे हैं।

आपको बता दें कि यह जगह अपनी खूबसूरत नजारों के लिए दुनियाभर में फेमस हैं। ऐसे में आप यहां पर बैचलरेट पार्टी के अलावा कई तरह के एडवेंचर एक्टिविटीज में भी शामिल हो सकते हैं। इन जगहों पर की गई बैचलरेट पार्टी आपको हमेशा याद रहेगी। तो आइए जानते हैं इन खूबसूरत डेस्टिनेशन्स के बारे में...

ग्रीस

अगर आप किसी खूबसूरत डेस्टिनेशन की तलाश में हैं, तो बता दें कि इसके लिए ग्रीस से बेस्ट और कुछ नहीं हो सकता है। आप यहां के खूबसूरत गांव, बीच, लाजवाब खानपान, बीच पार्टीज़, सनसेट व्यू और कभी न थमने वाली नाइट लाइफ जैसी कई चीजों को एक्सपीरियंस कर सकते हैं। साथ ही अगर आपको फोटोज क्लिक कराने के शौक है, तो यहां की कई बेहतरीन लोकेशन पर फोटोज क्लिक करवा सकते हैं।

तुर्की

प्री वेडिंग के साथ ही बैचलरेट पार्टी के लिए तुर्की भी काफी डिमांड में है। यहां पर कई बहुत प्यारे लोकेशन्स हैं। आपको बता दें कि यहां की हर एक जगह आपको जादुई दुनिया में होने का एहसास कराती है। इसके साथ ही नेचर लवर्स से लेकर एडवेंचर लवर्स तक के लिए कई बेहतरीन ऑप्शन मौजूद हैं। समुद्र के किनारे पर बसा तुर्की में सनसेट का नजारा मिस करने की गलती नहीं करनी चाहिए।

अजरबेजान

अजरबेजान का कैपिटल बाकू भी बैचलरेट पार्टी के लिए एक बेहतरीन लोकेशन हो सकती है। ऐसे में आप यहां पर बैचलरेट पार्टी के अलावा अपनी गैंग के साथ कई तरह के एडवेंचर भी ट्राई कर सकते हैं। वैसे तो आपको यहां पर घूमने के लिए कई बेहतरीन जगह मिल जाएंगी। ऐसे में फन और रिलैक्स दोनों के लिहाज से यह च्वॉइस एकदम परफेक्ट है।

इंडोनेशिया

वहीं अगर आप थोड़े बजट में बैचलरेट पार्टी को निपटाना चाहती हैं, तो इंडोनेशिया आपके लिए बेस्ट ऑप्शन हो सकता है। यह एक शांत और बेहद खूबसूरत जगह है। इंडोनेशिया में करीब 17,000 आईलैंड्स हैं। ऐसे में आप यहां पर मौज-मस्ती के अलावा ढेर सारा एडवेंचर भी कर सकते हैं।

● अनन्या मिश्रा

वीकेंड के मौके पर बनाएं डलहौजी घूमने का प्लान

आज हम आपको डलहौजी की कई खूबसूरत जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं। ऐसे में आप न्यू ईयर के मौके आप तीन दिन की छुट्टियों के दौरान डलहौजी में मौजूद कुछ खूबसूरत जगहों को एक्सप्लोर कर सकते हैं। अगर आपको भी घूमना-फिरना काफी पसंद है, तो जाहिर है कि आप भी वीकेंड या छुट्टियों पर घर में बैठना पसंद नहीं करते होंगे। ऐसे में अगर आप न्यू ईयर के मौके पर भी कई लोग घूमने का प्लान बनाते हैं। ऐसे में अगर आपका भी शनिवार-रविवार ऑफ रहता है, तो इस बार सोमवार के दिन न्यू ईयर पड़ रहा है। ऐसे में आप तीन दिन की छुट्टियों में अपने शहर के आसपास की खूबसूरत जगहों को देखने के लिए जा सकते हैं।

हांलाकि राजस्थान, चंडीगढ़, हरियाणा और दिल्ली एनसीआर में रहने वाले लोगों के लिए घूमने का सबसे अच्छा विकल्प हिमाचल और उत्तराखंड है। लेकिन यहां पर घूमने के लिए इतनी सारी जगह हैं कि लोगों को कंफ्यूजन हो सकती है। ऐसे में अगर आप भी न्यू ईयर पर घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको डलहौजी की कई खूबसूरत जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं। ऐसे में आप न्यू ईयर के मौके पर 2-3 दिन की छुट्टियां डलहौजी में आराम से बिता सकते है।

खज्जियार

डलहौजी से सिर्फ 1 किमी की दूरी का सफर तय कर आप खज्जियार पहुंच सकते हैं। इसको मिनी स्विटजरलैंड ऑफ इंडिया भी कहा जाता है। यहां पर दूर तक फैले घास के मैदान को देखने के लिए काफी दूर-दूर से लोग पहुंचते हैं। यहां का नजारा आपका मन मोह लेगा। वहीं अगर आप फोटोग्राफी के शौकीन हैं, तो यहां से आप आप ढेर सारी फोटोज निकाल सकते हैं। साथ ही शांति से बैठकर समय बिता सकते हैं।

कालाटॉप खज्जिर सैंक्चुअरी

इसके बाद डलहौजी में आप कालाटॉप सैंक्चुअरी को भी एक्सप्लोर कर सकते हैं। आप यहां पर अपने परिवार के साथ भी आ सकते हैं। यह जगह घने जंगलों से घिरा हुआ है। इसके अलावा आप यहां पर बर्फ से ढके ऊंचे-ऊंचे पहाड़ भी देख सकते हैं। सैंक्चुरी कई जानवरों और पक्षियों का ठिकाना है। कुछ ही दूरी पर चंबा डैम भी स्थिति है। आप इसको भी जाकर देख सकते हैं।

दैनकुंड पीक

आपको बता दें कि दैनकुंड पीक यहां की सबसे ऊंची चोटी है। यह जगह डलहौजी से महज 10 किमी की दूरी पर स्थिति है। अगर आप एडवेंचर के शौकीन हैं, तो आपको यह जगह मिस नहीं करनी चाहिए। क्योंकि यहां तक आने के लिए आपको ट्रैकिंग करनी होती है। ट्रैकिंग के दौरान आप यहां पर कई खूबसूरत और मनमोहक नजारे देख सकते हैं।

सतधारा वॉटरफॉल

इसके अलावा आप डलहौजी में सतधारा वॉटरफॉल को भी देख सकते हैं। डलहौजी के 1 किमी दूर सतधारा वाटरफॉल बेहद खूबसूरत जगह है। सात धाराओं के कारण यह सतधारा वाटरफॉल के नाम से जाना जाता है। ऐसे में भीड़ और शोर-शराबे से दूर आप सतधारा वाटरफॉल के पास सुकून के कुछ पल बिता सकते हैं।

जन्नत से कम नहीं ये हिल स्टेशन, पूरी रात कर सकेंगे पार्टी

अगर आप भी भीड़भाड़ से दूर किसी शांत और खूबसूरत जगह पर न्यू ईयर सेलिब्रेट करना चाहते हैं। तो हम आपको कुछ ऐसे हसीन हिल स्टेशन के बारे में बताने जा रहे हैं। जहां पर लोगों की भीड़ काफी कम रहती हैं। ऐसे में आप इन जगहों पर दिल खोलकर न्यू ईयर सेलिब्रेशन कर सकते हैं।

उत्तराखंड एक ऐसा खूबसूरत राज्य है, जहां पर हर साल लाखों की संख्या में न सिर्फ देश बल्कि विदेशी सैलानी घूमने के लिए पहुंचते हैं। इस राज्य को 'देवों की भूमि' भी कहा जाता है। उत्तराखंड में कई खूबसूरत हिल स्टेशन हैं। ऐसे में भारी संख्या में पर्यटक नैनीताल, ऋषिकेश, देहरादून, मसूरी, अल्मोड़ा या फिर धनौल्टी को एक्सप्लोर करने के लिए पहुंचते हैं। तो वहीं नए साल को आने में भी कुछ दिन बचे हैं।

ऐसे में अगर आप भी नए साल पर घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो बता दें कि न्यू ईयर के मौके पर कई हिल स्टेशन पर पर्यटकों की भारी भीड़ मिलती है। ऐसे में अगर आप भीड़भाड़ से दूर किसी शांत और खूबसूरत जगह पर न्यू ईयर सेलिब्रेट करना चाहते हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ ऐसे हसीन हिल स्टेशन के बारे में बताने जा रहे हैं। जहां पर लोगों की भीड़ काफी कम रहती हैं। ऐसे में आप इन जगहों पर दिल खोलकर न्यू ईयर सेलिब्रेशन कर सकते हैं।

धारचूला

उत्तराखंड की हसीन वादियों में मौजूद धारचूला आपके लिए बेहतरीन जगह साबित हो सकती है। इस जगह पर काफी कम लोग घूमने के लिए जाते हैं। भारत और नेपाल की सीमा पर मौजूद यह छोटा सा हिल स्टेशन जन्नत से कम नहीं है। यहां पर आपको घास के मैदान, ऊंचे-ऊंचे देवदार के पेड़ और पहाड़ और झील-झरने आदि को देखकर आपका वापस आने का मन नहीं करेगा। ऐसे में अगर आप भी शांत जगह पर न्यू ईयर मनाना चाहते हैं, तो यह जगह आपको निराश नहीं करेगी। धारचूला में आप सुबह से लेकर शाम तक न्यू ईयर सेलिब्रेट कर सकते हैं।

चकराता

चकराता एक बेहद ही खूबसूरत और मनमोहक हिल स्टेशन है। यह समुद्र तल से करीब 2 हजार से भी अधिक मीटर की ऊंचाई स्थित है। बता दें कि कपल्स के बीच यह जगह काफी ज्यादा फेमस है। नेचर लवर के लिए यह जगह किसी जन्नत से कम नहीं है। वहीं न्यू ईयर पर अन्य जगहों के मुकाबले यहां पर काफी कम भीड़ देखने को मिलती है। ऐसे में आप अपने पार्टनर, दोस्तों व परिवार के साथ यहां पर न्यू ईयर सेलिब्रेट करने के लिए आ सकते हैं। चकराता की हसीन पहाड़ियों में आपका न्यू ईयर हमेशा के लिए यादगार बन जाएगा। यहां पर कई होटल्स और रिजॉर्ट हैं। जहां पर रात भर पार्टी पर आप इंज्वॉय कर सकते हैं।

मुनस्यारी

इसके साथ ही हिमाचल की गोद में मौजूद में मुनस्यारी भी किसी जन्नत से कम नहीं है। ऐसे में न्यू ईयर सेलिब्रेशन के लिए यह एक परफेक्ट डेस्टिनेशन है। आप मनमोहक दृश्यों, ऊंचे-ऊंचे पहाड़ों और घने जंगलों के बीच न्यू ईयर सेलिब्रेट कर सकते हैं। मुनस्यारी में भी नए साल पर काफी कम भीड़ रहती है। इसके अलावा दिसंबर और जनवरी के दौरान होने वाली बर्फबारी का मजा भी ले सकती हैं। मुनस्यारी में सेलिब्रेट किया हुआ न्यू ईयर आपके लिए हमेशा यादगार रहेगा।

जनवरी में देशभर में होने वाले ऐसे फेस्टिवल्स

जनवरी माह में भारत में कई राज्यों में तरह-तरह के फेस्टिवल्स का आयोजन होता है। जिसमें दुनियाभर से पर्यटक पहुंचते हैं और इस बार तो जनवरी में दो लॉन्ग वीकेंड्स भी मिल रहे हैं। मतलब ये महीना घूमने-फिरने वालों के लिए सुनहरे मौके की तरह है। अगर आप इन महीने कहां जाएं इसकी प्लानिंग कर रहे हैं, लेकिन डेस्टिनेशन चुनने में हो रही है कनफ्यूज़न, तो भारत में होने वाले इन फेस्टिवल्स को देखने का बना सकते हैं प्लान। जहां घूमने के साथ मौज-मस्ती भी कर पाएंगे।

रण उत्सव, गुजरात

रण उत्सव तीन महीने तक चलने वाला बहुत ही शानदार फेस्टिवल है। जो घूमने के साथ मौज-मस्ती का बेहतरीन ठिकाना है। इस फेस्टिवल में शामिल होकर आप गुजरात की रंग-बिरंगी संस्कृति को करीब से देख सकते हैं। फेस्टिवल में होने वाला गुजराती लोकनृत्य, संगीत बेहद खास होता है। अगर आप खाने के शौकीन हैं, तो यहां आकर आप गुजरात के लजीज जायकों का आनंद ले सकते हैं। पूर्णिमा के दौरान यहां घूमने की प्लानिंग सबसे बेस्ट रहेगी। चांद की रोशनी जब सफेद रेगिस्तान पर पड़ती है, जो एक अद्भुत नजारा देखने को मिलता है। यहां आकर टेंट में रूकने का मौका बिल्कुल भी मिस न करें। साथ ही यहां के खूबसूरत हैंडीक्रॉफ्ट्स की खरीददारी भी।

इंटरनेशनल काइट फ्लाइंग फेस्टिवल, गुजरात

आसमान में ढ़ेर सारी रंग-बिरंगी पतंगों को देखने भी गजब का एन्जॉयमेंट है। मकर सक्रांति के अवसर पर गुजरात में इंटरनेशनल काइट फ्लाइंग फेस्टिवल का आयोजन किया जाता है। जिसमें दुनियाभर के पतंगबाज पहुंचते हैं और अपनी कला का प्रदर्शन करते हैं। सुबह सूर्योदय से ये फेस्टिवल शुरू हो जाता है और सूर्यास्त तक चलता है। पतंगबाजी के अलावा इस फेस्टिवल में एरियल एक्रोबेट्स, पतंग बनाना, काइट पेंटिग जैसे और भी कई दूसरे मनोरंजक कॉम्पिटिशन होते हैं।

जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल, राजस्थान

हर साल जयपुर में जनवरी माह में लिटरेचर फेस्टिवल का आयोजन किया जाता है, जिसमें जाने-माने लेखक और स्पीकर्स हिस्सा लेते हैं। अगर आपको लिटरेचर में दिलचस्पी है, तो आपको इस फेस्टिवल में जरूर शामिल होना चाहिए क्योंकि यहां आपको कई लेखकों के अचीवमेंट्स, उनके बारे में जानने का मौका मिलेगा।

बीकानेर कैमल फेस्टिवल, राजस्थान

जनवरी में बीकानेर कैमल फेस्टिवल में भी पहुंचकर मस्ती कर सकते हैं। जहां ऊंटों की तरह-तरह से सजावट की जाती है। उनकी रेस होती है और उन्हें डांस करते हुए भी देखा जा सकता है। जो बहुत ही खास होता है। इसके साथ ही आग के साथ कलाबाजी करते हुए लोग और राजस्थानी लोक कलाकारों की परफॉर्मेंस भी देख सकते हैं।

मद्रास म्यूजिक फेस्टिवल, तमिलनाडु

मद्रास म्यूजिक फेस्टिवल भारत का सबसे बड़ा म्यूजिक फेस्टिवल है। जहां म्यूजिक के साथ-साथ शास्त्रीय नृत्य और दूसरी कलाएं भी देखने का मौका मिलता है। भारत के कोने-कोने से कलाकार इस फेस्टिवल में हिस्सा लेने पहुंचते हैं, जिनकी परफॉर्मेंस समां बांध देती है।

पोंगल, तमिलनाडु

पोंगल, कृषि से जुड़ा फेस्टिवल है जिसके जरिए प्रकृति का धन्यवाद किया जाता है। इस मौके पर लोग अपने घरों को रंगोली से सजाते हैं, तरह-तरह के पकवान बनाते हैं, नाच-गाने के साथ पोंगल का जश्न मनाते हैं। जनवरी में यहां आने का भी बना सकते हैं प्लान।

अराकू बैलून फेस्टिवल, आंध्र प्रदेश

आंध्र प्रदेश टूरिज्म द्वारा इस फेस्टिवल का आयोजन किया जाता है। जिसमें हॉट एयर बैलून राइड खास होता है। हॉट एयर बैलून राइड द्वारा आप यहां के खूबसूरत नजारों को देख सकते हैं। रात में कैंपिंग कर सकते हैं और कॉफी प्लांटेशन टूर भी कर सकते हैं।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय प्रमुख समाचार

झारखंड हाईकोर्ट से राहुल गांधी को राहत

रांची। झारखंड हाईकोर्ट ने कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष और केरल के वायनाड से लोकसभा सांसद राहुल गांधी को बड़ी राहत मिली है। हाईकोर्ट ने शुक्रवार (पांच जनवरी) को इस संबंध में दायर याचिका पर सुनवाई के बाद केंद्रीय गृह मंत्री एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह के खिलाफ की गई अमर्यादित टिप्पणी मामले में राहुल गांधी के खिलाफ पीड़क कार्रवाई पर रोक को बरकरार रखा। जस्टिस अंबुज नाथ की कोर्ट ने राहुल गांधी के खिलाफ दायर मानहानि मामले की सुनवाई करते हुए निचली के फैसले का रिकॉर्ड जमा कराने का आदेश दिया। वर्ष 2018 में दिल्ली में कांग्रेस का महाधिवेशन हुआ था। इसमें राहुल गांधी ने अमित शाह पर गंभीर टिप्पणी की थी। उन्होंने कहा था कि एक हत्यारा सिर्फ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में ही राष्ट्रीय अध्यक्ष बन सकता है, कांग्रेस में ऐसे किसी व्यक्ति को अध्यक्ष नहीं बनाया जाता। राहुल गांधी की इस टिप्पणी पर उनके खिलाफ वर्ष 2019 में मानहानि का मुकदमा दर्ज कराया गया था।

ईडी पर हमले को लेकर ममता सरकार पर बरसे अधीर रंजन

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में अधीर रंजन चौधरी लगातार तृणमूल कांग्रेस पर हमलावर हैं। इंडिया गठबंधन में सीट बंटवारे को लेकर तनातनी के बीच कांग्रेस नेता ममता बनर्जी पर निशाना साधने का मौका नहीं छोड़ रहे हैं। इसी कड़ी में पश्चिम बंगाल ईडी की टीम पर हमले को लेकर अधीर रंजन चौधरी ने टीएमसी सरकार को घेरा है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि ईडी अधिकारियों पर सत्तारूढ़ सरकार के गुंडों के हमले के बाद यह स्पष्ट है कि राज्य में कोई कानून व्यवस्था नहीं है। आज वे घायल हुए हैं, कल उनकी हत्या हो सकती है। ऐसी बात मेरे लिए कोई आश्चर्य की बात नहीं होगी। आपको बता दें कि भीड़ ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और केंद्रीय सशस्त्र अर्धसैनिक बलों के वाहनों को घेर लिया और उन पर हमला कर दिया, जब वे आज उत्तर 24 परगना जिले के संदेशखाली में टीएमसी नेता शाहजहां शेख के आवास पर राशन घोटाले के सिलसिले में छापेमारी कर रहे थे।

यह संविधान और देश के संघीय ढांचे पर हमला : भाजपा

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के संदेशखाली में शुक्रवार को ईडी के वाहन पर हुए हमले के दौरान घायल हुए टीम के सदस्यों को कोलकाता के एक स्थानीय अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया है। इसको लेकर भाजपा राज्य की ममता बनर्जी सरकार पर हमलावर हो गई है। पश्चिम बंगाल में ईडी टीम पर हुए हमले पर केंद्रीय मंत्री निसिथ प्रामाणिक ने कहा कि संदेशखाली में जो हुआ उसकी मैं निंदा करता हूं। उन्होंने कहा कि किसी राज्य में जाकर केंद्रीय एजेंसी पर हमला करने से ज्यादा घृणित कोई मुद्दा नहीं हो सकता। यह सिर्फ एक केंद्रीय एजेंसी ईडी की टीम पर हमला नहीं है, बल्कि पूरे संविधान....और देश के संघीय ढांचे पर हमला है। भाजपा नेता ने कहा कि पश्चिम बंगाल में लगातार ऐसी घटनाएं हो रही हैं। हम जांच करेंगे कि ऐसा क्यों हो रहा है। जब किसी राज्य में बार-बार ऐसी घटनाएं होती हैं तो इससे पता चलता है कि राज्य सरकार कानून व्यवस्था बनाए रखने में विफल हो रही है और कानून व्यवस्था बाधित है।

नकली दवा मामले में सीबीआई करेगी जांच

नईदिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने दिल्ली सरकार के अस्पतालों में घटिया दवाओं की आपूर्ति की केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) जांच का आदेश दिया है। दिसंबर में दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने गृह मंत्रालय से मामले की सीबीआई जांच की सिफारिश की थी। गृह मंत्रालय ने सीबीआई को मामले में एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया। यह तब हुआ है जब दिल्ली सरकार के सतर्कता विभाग ने गुरुवार को नकली दवाओं का मामला सीबीआई जांच के लिए गृह मंत्रालय को भेजा था। दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने पहले जांच एजेंसी को पत्र लिखकर मामले की जांच का अनुरोध किया था। यह कदम सरकारी अस्पतालों में कथित तौर पर नकली दवाओं के पाए जाने पर दिल्ली सतर्कता विभाग की रिपोर्ट के आधार पर उठाया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, सतर्कता विभाग ने एलएनजेपी, डीडीयू और आईएचबीएएस जैसे प्रमुख दिल्ली सरकार के अस्पतालों से एकत्र किए गए घटिया दवाओं के नमूनों के आधार पर जांच शुरू की। सतर्कता विभाग ने निर्धारित किया कि दवाएं खराब गुणवत्ता की थीं।

स्वाति मालीवाल को आप ने बनाया राज्यसभा उम्मीदवार

नईदिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) ने आगामी राज्यसभा चुनाव के लिए दिल्ली महिला आयोग (डीसीडब्ल्यू) की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल को अपना उम्मीदवार बनाया है। महिलाओं के अधिकारों की वकालत के लिए जानी जाने वाली स्वाति मालीवाल को नामांकित करने का निर्णय संसदीय मामलों में उनकी शुरुआत होगी। आप की राजनीतिक मामलों की समिति (पीएसी) ने संजय सिंह और एनडी गुप्ता को उच्च सदन के सदस्य के रूप में उनके दूसरे कार्यकाल के लिए मैदान में उतारने का फैसला किया है, क्योंकि उनका वर्तमान कार्यकाल 27 जनवरी, 2024 को समाप्त हो रहा है। सुशील कुमार गुप्ता, जिनका राज्यसभा सदस्य के रूप में कार्यकाल इस महीने समाप्त हो जाएगा, स्वाति मालीवाल के लिए रास्ता बनाएंगे। मामले से परिचित एक व्यक्ति ने बताया कि गुप्ता ने हरियाणा की चुनावी राजनीति में खुद को पूरी तरह से झोंकने की अपनी आकांक्षा व्यक्त की है।

16 सीटिंग सांसद हैं, इससे कम मंजूर नहीं

बिहार इंडिया गठबंधन में घमासान बढ़ने की संभावना, राजद, कांग्रेस और वामपंथी पार्टियां में रार!

पटना। लोकसभा चुनाव को लेकर बिहार में इंडिया गठबंधन में घमासान बढ़ने की संभावना दिखने लगी है। सीट शेयरिंग को लेकर जदयू ने अपना स्टैंड क्लीयर कर दिया। जल संसाधन मंत्री संजय झा ने शुक्रवार को कहा कि हमारे 16 सीटिंग सांसद हैं, इससे कम सीट मंजूर नहीं बल्कि इससे ज्यादा सीटें चाहिए। जदयू ने यह भी स्पष्ट किया है कि कांग्रेस और वामपंथी पार्टियां अपनी सीटों को लेकर राजद से बात करें। सीट शेयरिंग पर जदयू की बात सिर्फ राजद से होगी। जदयू के पास जो 16 लोकसभा सीटें हैं, वह तो हमारे दल के पास ही रहेगी। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को इंडिया का संयोजक बनाये जाने के सवाल पर उन्होंने कहा कि इस एलायंस के सूत्रधार नीतीश कुमार रहे हैं। लेकिन उन्होंने कभी भी ऐसी कोई इच्छा जाहिर नहीं की। संयोजक बनाये जाने पर अभी इस बात की कोई जानकारी नहीं है। भाजपा और सुशील मोदी पर बरसते हुए उन्होंने कहा कि इंडिया गठबंधन की चिंता ये लोग न करें। जदयू और हमारे नेता को किसी पद की चिंता नहीं है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की चाहत विपक्ष को एकजुट करने की थी वो उन्होंने कर दिया।

सीट शेयरिंग पर भी जल्द फैसला ले लिया जाएगा। संजय झा ने यह जरूर कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पीएम मैटेरियल हैं। 18 साल का उनका मुख्यमंत्री का शानदार रिकॉर्ड देखेंगे तो उनसे अच्छा रिकॉर्ड किसी का नहीं है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि लेकिन उनकी कोई इच्छा नहीं है कि वह संयोजक बने या पीएम बनें, लेकिन वह पीएम मैटेरियल हैं। उन्होंने कहा कि इंडिया गठबंधन में सीट शेयरिंग में लगातार देर हो रही है। वहीं राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा में जाने के सवाल पर उन्होंने कहा कि हमें निमंत्रण नहीं मिला है। मुख्यमंत्री को निमंत्रण मिला या नहीं मिला इस बारे में उन्हें जानकारी नहीं है। तेजस्वी यादव केबयान कि मंदिर बने या स्कूल और अस्पताल पर कहा कि इस बयान को गलत तरीके से बताया गया है। स्कूल अस्पताल भी बनने चाहिए।

इंडिया अलायंस महागठबंधन में सीतामढ़ी लोकसभा सीट को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। इस बार जदयू और राजद के नेताओं ने मिलकर संभावित जदयू प्रत्याशी विधान परिषद के सभापति देवेश चंद्र ठाकुर के खिलाफ

मोर्चा खोल दिया है। सीतामढ़ी जिले के महागठबंधन के सभी विधायकों, पूर्व विधायकों एवं पूर्व सांसद ने शुक्रवार को पटना के एक होटल में अहम बैठक की।

बताया जा रहा है कि अगर जल्दी की इस विवाद का निपटारा नहीं किया गया तो महागठबंधन के भीतर इसको लेकर खींचतान आगे बढ़ सकती है। दरअसल, देवेश चंद्र ठाकुर की सीतामढ़ी सीट से दावेदारी के बाद विरोधी गुट सक्रिय हो गया है। पटना के एक बड़े होटल में टिकट की दावेदारी को लेकर बैठक हुई है।

जिसमें जदयू नेता व पूर्व मंत्री रंजू गीता, विधान पार्षद रामेश्वर महतो, पूर्व सांसद अर्जुन राय, पूर्व सांसद रामकुमार शर्मा, पूर्व विधायक अबु दोजाना, सुनील कुशवाहा समेत एक दर्जन से ज्यादा नेता शामिल थे। एकसाथ जुटे इन नेताओं ने तय किया कि सीतामढ़ी सीट से देवेश चंद्र ठाकुर की दावेदारी का हर हाल में विरोध करेंगे।

इन नेताओं ने कहा कि देवेश चंद्र ठाकुर पिछड़ों और अति पिछड़ों का अपमान कर रहे हैं, ऐसे नेता को उम्मीदवार कैसे बनाया जा सकता है? बैठक में मौजूद पूर्व मंत्री रंजू गीता ने कहा कि अभी इंडिया गठबंधन में सीट शेयरिंग फाइनल नहीं हुआ है। कौन पार्टी कहां चुनाव लड़ेगी ये तय नहीं हुआ है। पहले सीट फाइनल होगा और तब उम्मीदवार तय होगा।

लेकिन देवेश चंद्र ठाकुर अपने मुंह मियां मिट्ठू बने हुए हैं। वे खुद को उम्मीदवार घोषित कर रहे हैं। रंजू गीता ने कहा कि देवेश चंद्र ठाकुर ने मुझे अंधा और कौआ कहा है। मैं पिछड़े की बेटी हूं तो क्या मुझे कोई कौआ और अंधा कहेगा? पिछड़ों को अपमानित करने वाले नेता को बर्दाश्त नहीं किया जायेगा।

वहीं, पूर्व सांसद अर्जुन राय ने कहा कि देवेश चंद्र ठाकुर स्वंयभू उम्मीदवार बन गए हैं। पार्टी या गठबंधन में अभी कहीं उम्मीदवार की चर्चा नहीं है, लेकिन देवेश चंद्र ठाकुर अलग ही दावा कर रहे हैं। वे पिछड़ों को अपमानित कर रहे हैं। ऐसे नेता को पार्टी उम्मीदवार कैसे बना सकती है? बता दें कि सीतामढ़ी लोकसभा सीट से जदयू ने अपना उम्मीदवार लगभग तय कर लिया है।

देवेश चंद्र ठाकुर ने दावा किया है कि उनको राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने चुनाव की तैयारी करने के लिए कहा है। देवेश ठाकुर ने यह भी कहा कि अगर किसी को इस बात से दिक्कत है तो वो शीर्ष नेतृत्व से पुष्टि कर सकता है। लेकिन, इसके बाद से ही सीतामढ़ी के स्थानीय नेताओं की ओर से विरोध भी किया जा रहा है।

...तो कुर्बानी देने के लिए तैयार है कांग्रेस सिर्फ 255 लोकसभा सीटों पर नजर

नईदिल्ली। इंडिया ब्लॉक के सहयोगियों की खींचतान और दबाव के बीच, कांग्रेस नेतृत्व ने गुरुवार को राज्य इकाइयों से कहा कि पार्टी आगामी लोकसभा चुनावों में 255 सीटों पर ध्यान केंद्रित करेगी, जो शायद 2019 के राष्ट्रीय चुनावों की तुलना में कम सीटों पर चुनाव लड़ने की उसकी तैयारी का संकेत है। इसने यह भी घोषणा की कि इंडिया के साझेदारों के साथ सीट साझा करने की बातचीत तुरंत शुरू होगी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और वरिष्ठ नेता राहुल गांधी ने एआईसीसी महासचिव (संगठन) केसी वेणुगोपाल के साथ पार्टी की पांच सदस्यीय राष्ट्रीय गठबंधन समिति के सदस्यों से मुलाकात की, जिन्होंने पिछले कुछ दिनों में राज्य इकाइयों के साथ व्यापक चर्चा की थी। समिति ने अपनी रिपोर्ट नेतृत्व को सौंप दी और उसे इंडिया ब्लॉक के घटकों के साथ बातचीत शुरू करने की अनुमति दे दी गई। सूत्रों ने कहा कि खड़गे ने दिन में एआईसीसी महासचिवों और राज्य प्रभारियों, राज्य कांग्रेस अध्यक्षों और कांग्रेस विधायक दल (सीएलपी) के नेताओं की एक अलग बैठक में कहा कि पार्टी 255 सीटों पर ध्यान केंद्रित करेगी। बैठक में राहुल गांधी भी शामिल हुए।

राहुल भारत जोड़ नहीं रहे तोड़ने में लगे हैं: नड्डा

शिमला। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा आज अपने गृह राज्य हिमाचल प्रदेश के दौरे पर हैं। सोलन में उन्होंने भव्य रोड शो किया। इसके साथ ही उन्होंने अभिनंदन समारोह को संबोधित भी किया। अपने संबोधन में नड्डा ने मोदी सरकार की उपलब्धियां गिनवाई और विपक्ष पर निशाना भी साधा। नड्डा ने कहा कि झूठ बोलकर राजनीति नही चलती है, लोगों को धोखे में रखकर राजनीति नहीं चलती है। लोगों से जुड़ना पड़ता है, उनकी तकदीर बदलनी पड़ती है। और ये काम हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया है, इसलिए हमें राजस्थान में जीत मिली, मध्य प्रदेश में जीत मिली और छत्तीसगढ़ में भी जीत मिली।

विपक्ष पर वार करते हुए नड्डा ने कहा कि भूपेश बघेल ने गरीबों को दी गई केंद्र सरकार की योजनाओं को लटकाया इसलिए छत्तीसगढ़ की जनता ने उन्हें और उनकी सरकार को लटका दिया। राजस्थान में लोगों को समझ आ गया था कि गहलोत की सरकार महिलाओं पर अत्याचार करने वाली सरकार है, युवाओं के साथ अन्याय करने वाली सरकार है। 19 बार पेपर लीक हुआ, कोई भर्ती नहीं हुई इसलिए प्रदेश की जनता ने उन्हें घर बैठा दिया। उन्होंने कहा कि आज जब देश को बांटने के लिए जाति जाति जाति... चल रही है, तो मोदी जी ने कहा हमारे लिए सिर्फ चार जातियां हैं... महिला, किसान, युवा और गरीब।

उन्होंने साफ तौर पर कहा कि मोदी की गारंटी यानी गारंटी पूरी होने की गारंटी है। पीएम गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत 80 करोड़ ये अधिक लोगों को हर महीने मुफ्त राशन मिल रहा है। आयुष्मान योजना के तहत 50 करोड़ से अधिक लोगों को हर वर्ष 5 लाख तक का मुफ्त इलाज मिल रहा है। उन्होंने कहा कि ये जो तीन प्रदेशों (मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान) में जीत हुई है और सभी जगहों पर कमल खिल रहा है... ये मोदी जी के प्रति जनता का अटूट विश्वास और भारत की राजनीति की संस्कृति बदलने के कारण हो रहा है।

अपना हमला जारी रखते हुए नड्डा ने कहा कि भारत को तोड़ने में तुमने कोई कसर छोड़ी नहीं, अब भारत को जोड़ने की यात्रा पर चले हो। भारत को कमजोर करने वाली धारा 370 को मोदी जी ने हटा दिया, लेकिन कांग्रेस ने धारा 370 हटाने का विरोध किया और अब ये भारत को जोड़ने चले हैं। उन्होंने कहा कि जेएनयू के परिसर में संसद पर हमला करने वाले मास्टरमाइंड के समर्थन में नारे लगाए जा रहे थे कि अफजल हम शार्मिंदा हैं, तेरे कातिल जिंदा हैं। और दूसरे दिन राहुल गांधी नारे लगाने वालों के साथ खड़े हो जाते हैं... आज तक राहुल गांधी ने माफी नहीं मांगी। जब तक राहुल गांधी माफी नहीं मांगते हैं, ये भारत जोड़ नहीं रहे हैं भारत को तोड़ने में लगे हैं। जेपी नड्डा ने कहा कि 1984 में सिखों का कत्लेआम कर दिया गया, हमारे सिख भाईयों के साथ अन्याय हुआ और तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने कहा कि जब बड़ा पेड़ गिरता है, तो धरती हिलती है। ये भारत जोड़ो यात्रा पर निकले हैं या तोड़ो यात्रा पर निकले हैं... ये न्याय करने निकले हैं या अन्याय करने निकले हैं। उन्होंने कहा कि आज ओबीसी ओबीसी कर रहे हैं। काका कालेलकर की रिपोर्ट दशकों धूल फांकती रही। मंडल कमीशन की रिपोर्ट इंदिरा गांधी के समय आ गई थी, लेकिन दिल्ली की अलमारियों में धूल फांकती रही। कांग्रेस ने न कभी चर्चा की और न बात की। आज राहुल गांधी ओबीसी ओबीसी का नारा लगा रहे हैं। ये न्याय की बात कर रहे हैं। जबकि ओबीसी को संवैधानिक दर्जा मोदी सरकार ने दिया।

खेल
प्रमुख समाचार

अफ्रीका को रौंदकर भारत वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप रैंकिंग में नंबर 1

नई दिल्ली। भारत और साउथ अफ्रीका के बीच खेला गया दूसरा टेस्ट मैच रोहित शर्मा की टीम ने 7 विकेट से जीत लिया। ये मैच टेस्ट क्रिकेट के इतिहास का सबसे छोटा टेस्ट मैच था। इस मैच में कुल 107 ओवर डाले गए और दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने 642 गेंदों का सामना किया है। ये मैच दूसरे दिन दूसरे सेशन से पहले ही खत्म हो गया। इस बेहतरीन जीत के साथ टीम इंडिया आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप की प्वाइंट्स टेबल में बड़ी छलांग लगाई है। अब टीम इंडिया सभी को पछाड़ते हुए 26 अंकों के साथ नंबर 1 पर पहुंच गई है।

इस मैच में साउथ अफ्रीका की पहली पारी 55 रनों पर ढेर हो गई। भारत ने पहली पारी में 153 रन बनाए। अफ्रीका दूसरी पारी में सिर्फ 176 रन ही बना पाई। इसके साथ ही टीम इंडिया को जीत के लिए केवल 79 रनों का लक्ष्य मिला। इस लक्ष्य को टीम इंडिया ने 7 विकेट शेष रहते हुए हासिल कर लिया। इस जीत ने टीम इंडिया के 26 अंक हो गए हैं और वो पहले नंबर 1 पर पहुंच गई है जबकि साउथ अफ्रीका 12 अंकों के साथ नंबर 2 पर और न्यूजीलैंड 12 अंकों के साथ नंबर 3 पर बनी हुई है।

पाकिस्तान को हुआ नुकसान

भारतीय टीम ने आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2023/2025 में कुल अब तक 4 मैच खेले हैं। इस दौरान रोहित शर्मा की टीम ने 2 टेस्ट मैचों में जीत हासिल की है जबकि उनसे 1 मैच में हार मिली है। इस दौरान एक मैच ड्रॉ भी हुआ है। टीम इंडिया की इस जीत से पाकिस्तान और ऑस्ट्रेलिया को भी नुकसना हुआ है। ऑस्ट्रेलिया नंबर 4, बांग्लादेश नंबर 5, पाकिस्तान नंबर 6, वेस्टइंडीज नंबर 7, इंग्लैंड नंबर 8 और श्रीलंका नंबर 9 पर बनी हुई है।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/ प्रमुख समाचार

सेंसेक्स 72 हजार के ऊपर बंद निफ्टी 21,700 के पार

नईदिल्ली। हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन यानी शुक्रवार को देसी शेयर बाजार हरे निशान पर बंद हुए। आज के कारोबार में बीएसई सेंसेक्स 179 अंक मजबूत हुआ। वहीं, निफ्टी में भी 52 अंक की बढ़त दर्ज की गई। व्यापक बाजारों में, बीएसई मिडकैप इंडेक्स 0.19 फीसदी बढ़ा और स्मॉलकैप इंडेक्स 0.61 फीसदी बढ़ा। बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 178.58 अंक यानी 0.25 फीसदी की बढ़त के साथ 72,026.15 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स में आज 71,779.83 और 72,156.48 के रेंज में कारोबार हुआ। वहीं, दूसरी तरफ नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के निफ्टी में भी 52.20 अंक यानी 0.24 फीसदी की मजबूती दर्ज की गई। निफ्टी दिन के अंत में 21,710.80 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी में आज 21,629.20 और 21,749.60 के रेंज में कारोबार हुआ।

एटीसी के भारतीय कारोबार का अधिग्रहण करेगी ब्रुकफील्ड

नईदिल्ली। कनाडा स्थित ब्रुकफील्ड 2.5 अरब अमेरिकी डॉलर के एक बड़े सौदे में अमेरिकन टावर कॉर्पोरेशन के भारतीय कारोबार का अधिग्रहण करने के लिए पूरी तरह तैयार है। इसमें एटीसी इंडिया पर दो अरब अमेरिकी डॉलर का उद्यम मूल्य और एक अक्टूबर 2023 से लगने वाला 'क्षतिपूर्ति शुल्क' भी शामिल है। इस लेन-देन के लिए विनियामक की अनुमति आवश्यक है। इसके 2024 की दूसरी छमाही में पूरा होने की उम्मीद है। डीआईटी की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, " डेटा इंफ्रास्ट्रक्चर ट्रस्ट (डीआईटी), ब्रुकफील्ड एसेट मैनेजमेंट के एक सहयोगी द्वारा प्रायोजित एक इंफ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट ने आज भारत में अमेरिकन टॉवर के संचालन (एटीसी इंडिया) में 100 प्रतिशत इक्विटी हितों का अधिग्रहण करने के लिए एटीसी के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर करने की घोषणा की।

मैक्रोटेक डेवलपर्स की बिक्री तीसरी तिमाही में 12% बढ़ी

नईदिल्ली। रियल एस्टेट कंपनी मैक्रोटेक डेवलपर्स की चालू वित्त वर्ष 2023-24 की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में बिक्री बुकिंग 12 प्रतिशत बढ़कर 3,410 करोड़ रुपये हो गई। आवासीय संपत्तियों की बेहतर मांग के दम पर यह वृद्धि हुई है। कंपनी की 2022 में समान अवधि में बिक्री बुकिंग 3,040 करोड़ रुपये रही थी। मैक्रोटेक डेवलपर्स ने शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया कि अग्रिम बुकिंग के मामले में कंपनी के लिए तीसरी तिमाही बेहतरीन रही। कंपनी के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी अभिषेक लोढ़ा ने कहा कि लगातार आय बढ़ने और पर्याप्त रोजगार सृजन के दम पर उच्च गुणवत्ता वाले घरों की मजबूत मांग बढ़ रही है।

सुजलॉन ग्रुप को मिला 225 मेगावाट का विंड एनर्जी ठेका

नईदिल्ली। रिन्यूएबल एनर्जी समाधान प्रदान करने वाले सुजलॉन ग्रुप को एवररेन्यू एनर्जी से 225 मेगावाट का विंड एनर्जी ठेका मिला है। कंपनी की तरफ से जारी एक बयान के अनुसार, सुजलॉन तमिलनाडु में त्रिची जिले के वेंगईमंडलम और तूतिकोरिन जिले के ओट्टापिडारम में एवररेन्यू एनर्जी की साइट पर हाइब्रिड लैटिस ट्यूबलर (एचएलटी) टावर और 75 पवन टरबाइन जनरेटर (डब्ल्यूटीजी) स्थापित करेगा। प्रत्येक की रेटेड क्षमता तीन मेगावाट है। सुजलॉन ग्रुप के वाइस चेयरमैन गिरीश तांती ने एक बयान में कहा कि एवररेन्यू एनर्जी के साथ यह परियोजना भारतीय बाजार के आशाजनक वाणिज्यिक तथा औद्योगिक (सी एंड आई) खंड के अनुरूप है। यह समय के साथ राष्ट्रीय लक्ष्यों को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण होगी।

2023 में भारत की आर्थिक क्षेत्र में उपलब्धि लंबे समय तक याद रखी जाएंगी

प्रह्लाद सबनानी

वित्तीय वर्ष 2023-24 में भारत की आर्थिक विकास दर लगभग 7 प्रतिशत के आसपास रहने की प्रबल सम्भावनाएं बन रही हैं। इस वर्ष की प्रथम तिमाही, अप्रैल-जून 2023, में आर्थिक विकास दर 7.8 प्रतिशत की रही है, वहीं द्वितीय तिमाही, जुलाई-सितम्बर 2023 में 7.6 प्रतिशत की रही है। इसी प्रकार, दीपावली त्यौहार पर लगभग 4 लाख करोड़ रुपए के व्यापार के चलते एवं अक्टोबर 2023 माह में विनिर्माण के क्षेत्र में विकास दर के 12 प्रतिशत से ऊपर रहने से इस वर्ष की तृतीय तिमाही, अक्टूबर-दिसम्बर 2023, में भी आर्थिक विकास 7 प्रतिशत रह सकती है। इससे पूरे वित्तीय वर्ष 2023-24 में भी आर्थिक विकास दर 7 प्रतिशत रहने की प्रबल सम्भावनाए बन रही हैं। जबकि, विश्व के कई अन्य विकसित देशों में मंदी की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। इस प्रकार भारत वर्ष 2023 में भी लगातार विश्व की सबसे तेज गति से विकास करती अर्थव्यवस्था बना रहा।

भारत के आर्थिक विकास में लगातार गति आने से भारत में विदेशी निवेश की मात्रा भी लगातार बढ़ रही है। इससे भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 62,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर को पार कर गया है। 8 दिसम्बर 2023 को समाप्त सप्ताह में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 60,700 करोड़ अमेरिकी डॉलर पर था, जो 15 दिसम्बर 2023 को समाप्त सप्ताह में बढ़कर 61,600 करोड़ अमेरकी डॉलर के स्तर पर पहुंच गया एवं 22 दिसम्बर 2023 को समाप्त सप्ताह में 62,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर को पार कर गया है। इस प्रकार, भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में तेजी का सिलसिला लगातार जारी है। हालांकि, अक्टूबर 2021 में भारत का

विदेशी मुद्रा भंडार अपने उच्चतम स्तर 64,500 करोड़ अमेरिकी डॉलर पर पहुंच गया था, अब शीघ्र ही इस उच्चत्तम स्तर को पार कर जाने की भरपूर सम्भावना व्यक्त की जा रही है।

कोरोना महामारी के दौरान, भारतीय रुपए पर अत्यधिक दबाव आ गया था, अंतरराष्ट्रीय बाजार में रुपए को अवमूल्यन से बचाने एवं भारत रुपए के मूल्य को स्थिर बनाए रखने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक ने अमेरिकी डॉलर को भरपूर मात्रा में बाजार में बेचा था इससे भारत में विदेशी मुद्रा भंडार कम हो गया था। विदेशी मुद्रा भंडार किसी भी देश को जरूरत पड़ने पर आर्थिक सुरक्षा प्रदान करता है। विदेशी मुद्रा भंडार के बढ़ने से केंद्र सरकार एवं भारतीय रिजर्व बैंक को देश के आर्थिक विकास में गिरावट के चलते पैदा हुए किसी भी बाहरी एवं अंदरूनी वित्तीय अथवा आर्थिक संकट से निपटने में मदद मिलती हैं।

यह आर्थिक मोर्चे पर संकट के समय देश को आरामदायक स्थिति उपलब्ध कराता है। विश्व बैंक द्वारा जारी की गई एक जानकारी के अनुसार, वर्ष 2023 में अनिवासी भारतीयों ने रिकार्ड 12,500 करोड़ अमेरिकी डॉलर की राशि का प्रेषण भारत में किया है। अनिवासी भारतीयों द्वारा भारत में भेजी गई यह राशि पूरे विश्व में किसी भी देश को भेजी गई राशि में सर्वाधिक है। यह आर्थिक क्षेत्र में भारत की आंतरिक मजबूती को दर्शाता है। विदेशी निवेशकों के साथ ही अनिवासी भारतीयों का भी भारतीय अर्थव्यवस्था पर विश्वास लगातार बढ़ रहा है। अमेरिका, ब्रिटेन, सिंगापुर एवं खाड़ी के देशों में अनिवासी भारतीयों की भारी संख्या निवास करती है और केवल इन 4 देशों से ही 54 प्रतिशत प्रेषण भारत को प्राप्त हुआ है। वर्ष 2022 में अनिवासी भारतीयों द्वारा 11,110 करोड़ अमेरिकी डॉलर की राशि भारत में प्रेषित की गई थी। भारत आज विश्वभर के निवेशकों के लिए एक आकर्षक केंद्र के रूप विकसित हो गया है।

विशेष रूप से केंद्र सरकार एवं कुछ राज्यों द्वारा की जा रही पहल विदेशी पूंजी को भारत में आकर्षित करती नजर आ रही है। प्रत्यक्ष विदेशी निवेश के लिए भारत आज इमर्जिंग अर्थव्यवस्थाओं के बीच स्वीट स्पॉट के रूप में दिखाई दे रहा है।

क्रमशः ...

चीनी नहीं है घर में, लो मेहमान आ गये... मंहगाई की भट्ठी पे, शराफत उबाल दो...

छ्ग में नई भाजपा की सरकार को ग्रामीण अर्थ व्यवस्था ठीक करने के साथ मंहगाई,बेरोजगारी के अलावा अपनी घोषणा के अनुसार किसानों को दो पिछला बोनस देना पड़ा है वहीं महतारी वंदन योजना में हर विवाहित महिला को एक हजार मासिक भी भुगतान करना होगाजिसके कारण आर्थिक भार पड़ेगा वहीं पिछली भूपेश सरकार का करीब 82 हजार करोड़ का कर्ज भी विरासत में मिला है। नई सरकार के वित्तमंत्री ओपी चौधरी(पूर्व आईएएस) पर बड़ी जिम्मे दारी होगी क्योंकि अपनी सरकार की घोषणा तो पूरी करनी होगी वहीं कर्ज की अदायगी भी करनी पड़ेगी। भूपेश सरकार ने विधान सभा में बताया था कि जनवरी,2023तक उस पर कुल 82,125 करोड़ रुपये कर्ज है। कर्ज की राशि में भारी वृद्धि की एक अहम वजह कोरोना महामारी का काल है जिसकी वजह से देश के तकरीबन सभी राज्यों के राजस्व के अपने स्त्रोत सूख गये थे। तथ्य यह है कि नई सरकार को आने वाले पांच वर्षों के दौरान उक्त कर्ज के एक बड़े हिस्से की अदाएगी करनी होगी।आरबीआई डाटा के अनुसार वर्ष 2024-25 से वर्ष 2028-29 के दौरान मप्र पर बकाये कुल कर्ज का 40.3% राशि को चुकाना होगा।राजस्थान की सरकार को इस दौरान 40.5त्न तेलगांना की नई सरकार को 29.7% कर्ज की राशि चुकानी होगी।सबसे ज्यादा छत्तीसगढ़ की सरकार को मौजूदा कर्ज की राशि की 70.4% राशि चुकानी होगी।

पहले भगवान फिर, भक्त बनते हैं छग गृहमंत्री..

छग गठन के बाद भगवान के नामधारी गृहमंत्री बनते रहे, पर भूपेश सरकार में भक्त नामधारी को गृहमंत्री बनाया था। विष्णुदेव साय ने डिप्टी सीएम विजय शर्मा को गृहमंत्री बनाया है, विजय शर्मा भी हनुमान के भक्त हैं। पिछले गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू, भगवान कृष्ण के परम भक्त राजा मयूरध्वज के पुत्र का नाम था। आरे से चीरने की जानकारी ताम्रध्वज की पौराणिक किवदंतियों में मिलती है खैरआंकड़े के हिसाब से राज्य बनने के बाद या यों कहें कि प्रदेश में भाजपा की सरकार बनने के बाद से नक्सल वाद बढ़ा,अपराध दर में वृद्धि भी हुई थी। नक्सलियों के हमले से कांग्रेस के बड़े नेताओं की हत्या, 74सीआरपीएफ के जवानों की शहादत, दंतेवाड़ा में देश का सबसे बड़ा नक्सली जेल ब्रेक, नक्सली हमले से युवा पुलिस अधीक्षक विनोद चौबे की शहादत, युवा पुलिस अधीक्षक राहुल शर्मा की खुदकुशी (?), भिलाई- कुम्हारी के पास रेल अपहरण कर एक कुख्यात अपराधी को पुलिस हिरासत से छुड़वा लिया गया?खैर नये राज्य के गठन और भगवान के नामधारी गृहमंत्रियों पर एक नजर डालें..नया राज्य बनने के बाद जोगी की सरकार में पहले गृहमंत्री नंदकुमार पटेल बनें। नाम में 'नंद' का समावेश था नंद यथा कृष्ण से जुड़ा हुआ है। बाद में भाजपा की सरकार बनी और डा. रमनसिंह की पहली पारी 2003 में वरिष्ठ नेता बृजमोहन अग्रवाल को गृहमंत्री बनाया गया। इनके तो नाम मेंं ही 'मोहन' जुड़ा था यानि इनका नाम भी कृष्ण का ही उपनाम है। इसके बाद से डा.रमन ने कृष्ण के नाम को सुरक्षा से नहीं जोड़ने का संभवत: निर्णय लिया तथा 'मोहन' को हटाकर 'राम' नाम का सहारा लिया। वैसे भी 'श्रीराम' को तो भाजपा अपनी पार्टी का ही मानती है। श्रीराम को तो एक तरह से भाजपा अपना 'कापी राइट' ही समझती है। डा. रमन की दो पारियों में क्रमश: रामविचार नेताम और ननकी राम कंवर को गृहमंत्री बनाया इनके नाम में भी 'राम' जुड़ा था,ननकी राम 1977 के संसदीय सचिव रहे, इस राम के खाते में भी कोई खास उपलब्धि नहीं आई यही नहीं 2013 का विधानसभा चुनाव भी वे हार गये2013 में गठित मंत्रिमंडल में गृहमंत्री के रूप में तीसरे राम को जिम्मेदारी दी गई। तीसरे राम थे रामसेवक पैकरा,सीधे-सादे पैकरा का प्रदेश भाजपा अध्यक्ष होने के कारण प्रदेश के आम तथा नेताओं से अच्छे संबंध थे,पर वे भी सफल नहीं हो सके यही नहीं अगला चुनाव भी हार गये। बाद में भूपेश की सरकार में सीएम के दावेदार ताम्रध्वज साहू को कॉंग्रेस आलाकमान की राय पर गृहमंत्री बनाया गया था पर वह भी 2023 का विस चुनाव हार गये।

हिट एंड रन... नये कानून का विरोध......?

2024 के पहले दिन ही पेट्रोल पम्पों में लम्बी लाइनें लग गई थी, कारण था ट्रक और बड़ी गाड़ी के ड्राइवरों की हड़ताल। पेट्रोल टेंकरों के ड्राइवर की भी हड़ताल से पेट्रोल की आपूर्ति प्रभावित होने संकट की आशंका थी। ड्राइवरों की हड़ताल का कारण केंद्र द्वारा 'हिट एंड रन' के मामलों में विदेश की तर्ज पर सख्त प्रावधान लाया

गया है। इसे लाने से पहले विदेश की तरह बेहतर सड़क और परि वहन व्यवस्था सुनिश्चित करने पर ध्यान दिया जाना चाहिए था। प्रदर्शन कारी ड्राइवरों का कहना था कि नएकानून के अनुसार,'हिट एंड रन' मामलों में 10 साल तक की जेल और सात लाख रुपये का जुर्माना हो सकता है। ड्राइवर इतनी बड़ी राशि कैसे भर सकते हैं। हिट एंड रन मामले में आईपीसी की धारा 279 (लापरवाही से वाहन चलाना), 304 ए (लापरवाही के कारण मौत)और 338(जान जोखिम में डालना) के तहत केस दर्ज किया जाता है।इसमें दो साल की सजा का प्रावधान है। खास मामलों में आईपीसी की धारा 302 भी जोड़ी जाती है।हि?ट एंड रन कानून में बदलाव के बाद सेक्शन 104(2) के तहत हिट एंड रन के बाद अगर आरोपी ड्राइवर घटना स्थल से भागता है या पुलिस या मजिस्ट्रेट को सूचित नहीं करता है तो उसे 10 साल तक की सजा भुगतनी पड़ेगी।7 लाख रुपये का जुर्माना भी देना होगा।वैसे फिलहाल केंद्र सरकार इस क़ानून पर पुनर्विचार का आश्वासन देकर आदोलन को कुछ दिन टालने में सफल हो गई है?

विष्णु देव,किरण देव के बाद कुछ 'देव' की बारी...

छ्ग की सरकार के मुखिया यानि सीएम विष्णु देव साय बने हैं,भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष किरण देव बने है लगता है कि अब 'देव' नाम धारियों की निकल पड़ी है। जल्दी ही 2 वरिष्ठ आईपीएस तथा 'देव' नाम धारी डायरेक्ट जनरल (डीजी)बन जाएँगे। छ्ग में नई सरकार बनते ही एसीएस तथा सचिव की पदोन्नति हो गई है अब पुलिस मुख्यालय में कुछ बड़ेअफसरों की पदोन्नति होना है। 2 एडीजी कोडीजी बनाने के लिये जल्दी ही डीपीसी होने की चर्चा तेज है। छ्ग पुलिस में डीजी के 2 रिक्त पदों के 1992 बैच के पवन 'देव' और अरुण 'देव' गौतम दावेदार हैं। हालांकि दोनों एडीजी को जनवरी 22 में ही पदोन्नत हो जाना था पर इनका इंतजार खत्म नहीं हुआ। वैसे डीपीसी की चर्चा तेज हुई थी पर छ्ग विधान सभा चुनाव को लेकर आचार संहिता के चलते पदोन्नति समिति की बैठक नहीं हो सकी थी।जल्दी डीपीसी होने की संभावना है। इधर काफ़ी समय से जनसंपर्क में लूपलाईन में पदस्थ आलोक 'देव'

भी जल्दी ही एडीशनल डायरेक्टर पदोन्नत होने वाले हैं।

88आईएएस का तबादला,आईपीएस मयंक को बड़ी जिम्मेदारी

छ्ग की विष्णुदेव सरकार ने 88आईएएस तथा एक आईपीएस का तबादला कर बड़ी प्रशासनिक सर्जरी कर दी है।जिसमें एसीएस, सचिव,उप सचिव से लेकर 19 जिलों के कलेक्टर भी शामिल हैं।इधर एडीजी स्तर के अधिकारी दीपांशु काबरा को आयुक्त जन संपर्क के पद से हटाकर उनकी जगह आईपीएस मयंक श्रीवास्तव कीनियुक्ति महत्वपूर्ण जिम्मेदार पद पर की गई है।2009-10 तथा 2014 में इन्होंने 3 राज्य पालों के एडीसी का कार्य भार भी सम्हाला था।मयंक कोरबा,दुर्ग,बिलासपुरआदि जिलों में एसपी रह चुके हैँ तो नक्सली क्षेत्र सुकमा, नारायणपुर आदि में भी अपनी सेवाएं दे चुके हैं। जांजगीर में एक मूक बधिर बालक के गड्डे में गिरने के मामले में इनकी टीम ने इनके निर्देश में सफल आपरेशन भी चलाया था।

और अब बस...

- क्या दिल्ली से कोई रिटायर आईएएस छ्ग आ सकता है...?
- छ्ग के एक चर्चित पूर्व मंत्री को नई सरकार में मंत्री नहीं बनाने के पीछे क्या एक बड़े नेता का दबाव था?

कलेक्टर के बाद बड़े पैमाने पर डिप्टी कलेक्टरों का तबादला

रायपुर। छत्तीसगढ़ में आईएएस के बाद अब राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों का बड़े पैमाने पर तबादला किया गया है. इसका आदेश आज सामान्य प्रशासन विभाग ने जारी किया. इसमें 29 डिप्टी कलेक्टरों को इधर से उधर किया गया है.

डॉ. रेणुका श्रीवास्तव सीईओ जिपं बालोद से उ.ब.कांकेर, इंद्रजीत बर्मन अपर कलेक्टर कबीरधाम से बलरामपुर रामानुजगंज, रवि कुमार साहू सीईओ जिपं बीजापुर से सीईओ जिपं धमतरी, जगन्नाथ वर्मा संयुक्त कलेक्टर रायपुर से सूरजपुर, विपुल कुमार गुप्ता संयुक्त कलेक्टर दुर्ग से बिलासपुर, प्रवीण कुमार वर्मा संयुक्त कलेक्टर दुर्ग से बस्तर, धनीराम रात्रे संयुक्त कलेक्टर रायगढ़ से बेमेतरा, अतुल विश्वकर्मा संयुक्त कलेक्टर रायपुर से रामानुजगंज, सुश्री सुमन राज संयुक्त कलेक्टर बीजापुर से रायपुर, जागेश्वर कुमार कौशल डिप्टी कलेक्टर दुर्ग से बीजापुर, धनराम मरकाम डिप्टी कलेक्टर बेमेतरा से रायगढ़, मुकेश कुमार गोड़ डिप्टी कलेक्टर द.बस्तर दंतेवाड़ा से बेमेतरा, श्रीमती उमा राज डिप्टी कलेक्टर धमतरी से अंबिकापुर, नरेंद्र कुमार बंजारा डिप्टी कलेक्टर बलौदाबाजार भाटापारा से कांकेर, टीकाराम देवांगन डिप्टी कलेक्टर गरियाबंद से कांकेर, विश्वास र ाव मस्के डिप्टी कलेक्टर बेमेतरा से जशपुर, महेश शर्मा डिप्टी कलेक्टर बिलासपुर से रायगढ़, हरिओम ींद्विवेदी डिप्टी कलेक्टर बिलासपुर से जशपुर, श्रीमती ललिता भगत डिप्टी कलेक्टर बिलासपुर से सूरजपुर, हरिशंकर पैकरा डिप्टी कलेक्टर कोरबा से महासमुंद, रोहित कुमार साहू डिप्टी कलेक्टर रायगढ़ से जशपुर, शिवकुमार कंवर डिप्टी कलेक्टर रायगढ़ से बिलासपुर, शबाब खान डिप्टी कलेक्टर जशपुर से सुकमा, गौतम सिंह डिप्टी कलेक्टर बलरामपुर रामानुजगंज से कोरबा, ओमप्रकाश वर्मा डिप्टी कलेक्टर बस्तर से सारंगढ़ बिलाईगढ़, विस्वास क ुमार डिप्टी कलेक्टर उ.ब.कांकेर से सक्ती, रामसिंह सोरी डिप्टी कलेक्टर नारायणपुर से सुकमा, शंकर लाल सिन्हा डिप्टी कलेक्टर कोण्डागांव से बस्तर, श्रीकांत कोराम डिप्टी कलेक्टर सुकमा से राजनांदगांव शामिल है।

आठ हजार पृष्ठ और बीस खण्डों वाली 'गिरीश पंकज रचनावली' प्रकाशित

रायपुर। हिंदी साहित्य में रचनावली प्रकाशन की एक परंपरा है, जिसमें किसी लेखक का समग्र लेखन समाहित हो जाता है। इसी परंपरा में पिछले 45 वर्षों से साहित्य और पत्रकारिता की दुनिया में सक्रिय छत्तीसगढ़ के लेखक गिरीश पंकज की रचनावली बीस खण्डों में प्रकाशित होकर आ गई है। हर खंड में 400 पेज हैं। कुल 8000 पृष्ठ हैं। रचनावली के प्रकाशक-संपादक वरुण माहेश्वरी ने बताया की रचनावली के प्रारंभिक पाँच खण्डों में व्यंग्य रचनाएं हैं। छह से दस खण्डों में 14 उपन्यास हैं। उस के बाद अन्य खण्डों में कहानी, लघुकथा, गीत, ग़ज़ल,डेढ़ हजार से अधिक दोहे, बाल साहित्य, नाटक एवं समसामयिक विषयों पर लिखे गए साहित्यिक

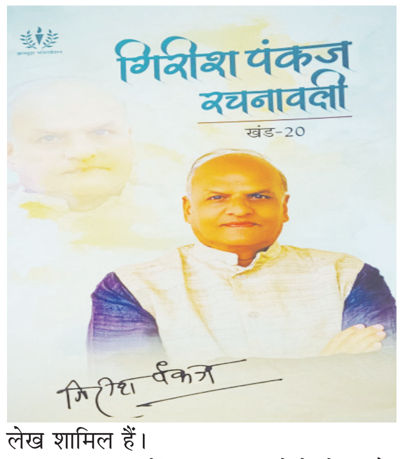

लेख शामिल हैं।

रचनावालियों का इतिहास देखें तो इसके पूर्व अनेक पुरोधा रचनाकारों की रचनावली प्रकाशित हो चुकी है। जैसे पंडित विद्यानिवास मिश्र रचनावली (21 खण्ड), प्रेमचंद रचनावली (20 खण्ड), दिनकर रचनावली (14 खण्ड), यशपाल रचनावली (14 खण्ड), अज्ञेय रचनावली (13 खण्ड), हजारीप्रसाद द्विवेदी रचनावली (12 खण्ड), बच्चन रचनावली (11 खण्ड), सर्वेश्वरदयाल सक्सेना ग्रंथावली (9 खण्ड), वृंदावनलाल वर्मा समग्र (सात खंड) निराला रचनावली (8 खण्ड), मुक्तिबोध रचनावली (6 खण्ड), परसाई रचनावली (6 खण्ड), प्रमोद वर्मा रचनावली (पांच खण्ड), जयशंकर प्रसाद ग्रन्थावली (5 खण्ड),दुष्यंत रचनावली (चार खण्ड) आदि।

छत्तीसगढ़/राजधानी
प्रमुख समाचार

कांग्रेस के नवनियुक्त प्रदेश प्रभारी सचिन पायलट 11 को आ रहे

रायपुर। छत्तीसगढ़ कांग्रेस के नवनियुक्त प्रभारी सचिन पायलट 11 जनवरी को रायपुर

पहुंच रहे है। यह प्रभारी बनने के बाद उनका पहला प्रदेश दौरा होगा। हाल ही में दिल्ली दौरे में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज एवं नेता प्रतिपक्ष डॉ चरण दास महंत दोनों ने प्रदेश प्रभारी से मुलाकात कर उन्हें प्रदेश आने का निमंत्रण दिया। इस पर श्री पायलट ने आगामी 11 जनवरी को राजधानी रायपुर आने की जानकारी दी है। गौरतलब है कि विधानसभा चुनाव में मिली करारी पराजय के बाद कांग्रेस हाईकमान ने पूर्व प्रभारी कुमारी सैलजा को पद से हटाकर राजेश पायलट को जिम्मेदारी सौंपी है। दौरे में श्री पायलट कांग्रेस नेताओं के साथ बैठक करेंगे और संगठन की पूरी जानकारी लेंगे। ठीक लोकसभा चुनाव से पहले ही पार्टी ने सचिन पायलट को छत्तीसगढ़ का जिम्मा सौंपा है। वहीं राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा भी छत्तीसगढ़ से गुजरने वाली है। प्रदेश के नेताओं के साथ होने वाली बैठक में इन विषयों को लेकर भी चर्चा हो सकती है। प्रदेश में विधानसभा चुनाव के बाद प्रदेश कांग्रेस के नेताओं में अंतर्कलह चरम पर है। ऐसे में लोकसभा चुनाव के लिए पार्टी को एकजुट करके लड़ने के लायक तैयार करना पायलट के लिए बड़ी चुनौती साबित होने वाली है।

अयोध्या धाम के लिए चलेगी 2 स्पेशल ट्रेन

रायपुर। 22 जनवरी को अयोध्या में राम मंदिर का उद्घाटन होने जा रहा है और इसके लिए रेलवे मंत्रालय ने देश भर में 1 हजार ट्रेनें चलाने का आदेश जारी किया है। एसईसीआर से कितनी ट्रेनें चलेंगी यह तो वर्तमान में स्पष्ट नहीं है लेकिन सूत्रों के हवाले से माने तो दुर्ग से अयोध्या तक दो ट्रेन चलाए जाने का निर्णय लिया गया है। ट्रेन दुर्ग से शुरू होगी और रायपुर, भाठापारा, उसलापुर, पेड्रा व अनूपपुर होते हुए अयोध्या जाएगी। उत्तर प्रदेश के अयोध्या के लिए भगवान राम के ननिहाल से दो ट्रेनों के सीधे चलाने का निर्णय लिया गया है। यह ट्रेन छत्तीसगढ़ में पांच प्रमुख स्टेशन होते हुए उत्तर प्रदेश के अयोध्या तक जाएगी। अयोध्या जाने वाले यात्री पूरे प्रदेश से कवर हो जाएं इसके लिए दुर्ग से ट्रेन शुरू होगी व रायपुर, भाठापारा, उसलापुर, पेंड्रा व अनूपपुर होते हुए अयोध्या जाएगी। ट्रेन में रेलवे के अलावा आईआरसीटीसी को भी खान पान की सुविधा के लिए निर्देश दिया गया है। दुर्ग से आयोध्या तक चलने वाली ट्रेन का नम्बर व दिन कब तक रेलवे अधिकारी क्लीयर करेंगे इसे लेकर डिमांड का इंतजार किया जा रहा है।

85वीं इंटर स्टेट यूथ एवं जुनियर नेशनल प्रतियोगिता के लिए छत्तीसगढ़ टेबल टेनिस टीम घोषित

रायपुर। भारतीय टेबल टेनिस महासंघ के तत्वावधान में बंगाल स्टेट टेबल टेनिस संघ द्वारा कोलकाता में 06 से 14 जनवरी 2024 तक 85वीं इंटर स्टेट यूथ एवं जुनियर नेशनल टेबल टेनिस प्रतियोगिता 2023 आयोजित की जा रही है जिसमें 06/01/2024 से 09/01/2024 तक जुनियर (एकल/युगल) एवं यूथ बालिका (टीम/एकल/युगल) वर्ग तथा दिनांक 11/01/2024 से 14/01/2024 तक जुनियर (एकल/युगल) एवं यूथ बालक (टीम/एकल/युगल) वर्ग की प्रतियोगिता होगी । उक्त प्रतियोगिता हेतु रायपुर उत्तर के पूर्व विधायक एवं छत्तीसगढ़ हाउसिंग बोर्ड के पूर्व चेयरमेन श्री कुलदीप जुनेजा द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य के जुनियर एवं यूथ (बालक एवं बालिका) टीम की घोषणा की गयी। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ ओलंपिक संघ के उपाध्यक्ष शरद शुक्ला, पदाधिकारी श्री विनय बैसवाड़े, प्रदीप जोशी सहित सभी पदाधिकारियो ने टीम को शुभकामनाए दी एवं अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद जतायी। प्रतियोगिता में भाग लेने हेतु छत्तीसगढ़ राज्य कि जुनियर एवं यूथ बालिका टीम कल रवाना हुयी तथा जुनियर एवं यूथ बालक टीम दिनाक 09 जनवरी को रवाना होगी।

4 वर्षीय मासूम के हार्ट में था ब्लॉकेज, मेकाहारा में पेसमेकर लगाकर दी नई जिंदगी

रायपुर। पंडित जवाहरलाल नेहरू स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय से संबद्ध डॉ. भीमराव अम्बेडकर स्मृति चिकित्सालय स्थित एडवांस कार्डियक इंस्टीट्यूट में कार्डियोलॉजी विभागाध्यक्ष डॉ. स्मित श्रीवास्तव एवं टीम ने 4 वर्षीय मासूम के हृदय में पेसमेकर लगाकर नई जिंदगी दी। मासूम को जन्म से ही हृदय में ब्लॉकेज(रूकावट) था जिसके कारण उसके पल्स (नाड़ी) की गति 40 से 50 बीट प्रति मिनट पर आ गया था। डॉ. श्रीवास्तव के मुताबिक एसीआई में अब तक 4 साल से लेकर 102 साल के बुजुर्ग के हृदय में पेसमेकर का सफल प्रत्यारोपण किया जा चुका है। छोटे बच्चों में पेसमेकर लगाने के केसेस कम ही आते हैं। लगभग 22 हजार जीवित बच्चों में से एक को पेसमेकर लगाने की आवश्यकता होती है। वहीं ज्यादातर केसेस में पेसमेकर की जरूरत नहीं पड़ती। ऐसे केस में एनेस्थेसीया के डॉक्टर की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण होती है क्योंकि बच्चे को पूरा बेहोश करके पेसमेकर डालना पड़ता है। मासूम के केस के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी देते हुए डॉ. स्मित श्रीवास्तव कहते हैं कि बच्चे को जन्मजात हार्ट ब्लॉक की समस्या थी। शुरू में तो पता नहीं चला लेकिन खेलकूद के दौरान हांफने लगा। बच्चे को बार-बार सर्दी-खांसी होती थी। अस्पताल में शिशु रोग विशेषज्ञ को दिखाया तो पता चला कि हार्ट में ब्लॉकेज है। उसके बाद बच्चे को एसीआई लेकर आये जहां पर बच्चे की समस्या को देखते हुए पेसमेकर लगाने का निर्णय लिया गया।

57 एलएमटी गेहूं का स्टॉक ई-नीलामी के लिए रखा

रायपुर। सरकार द्वारा देश में गेहूं और आटे की बढ़ती कीमत को संबोधित करने के लिए। भारत में, 57 एलएमटी गेहूं का स्टॉक ई-नीलामी के लिए रखा गया है। भारतीय खाद्य निगम, छत्तीसगढ़ क्षेत्र ने 3 जनवरी तक ई-नीलामी में खुली बाजार बिक्री योजना (घरेलू) के तहत 66700 मीट्रिक टन की पेशकश बाजार में की है। 3 जनवरी की ई-नीलामी में 29 से अधिक बोलीदाताओं ने भाग लिया और 3500 मीट्रिक टन की मात्रा बेची गई। 10 जनवरी की ई-नीलामी के लिए छत्तीसगढ़ क्षेत्र में ओएमएसएस (डी) योजना के तहत 3500 मीट्रिक टन गेहूं की पेशकश की जाएगी। प्रोसेसर/आटा मिलर्स/निर्माताओं/गेहूं के अंतिम उपयोगकर्ताओं को दिनांक 10.01.2024 की ई-नीलामी में गेहूं की बिक्री के लिए भाग लेने की अनुमति है। संभावित बोलीदाताओं को अधिक मात्रा के लिए बोली लगाने में सक्षम बनाने के लिए, प्रति ई-नीलामी गेहूं की अधिकतम बोली मात्रा 200 मीट्रिक टन से बढ़ाकर 250 मीट्रिक टन कर दी गई है। संभावित खरीदारों को सलाह दी जाती है कि वे निविदा दस्तावेज़ को अच्छी तरह से देखें। इसके अलावा, डीएफपीडी ने अर्ध-सरकारी को 4 एलएमटी गेहूं 17.15 रुपये प्रति किलोग्राम की दर से उतारने का निर्णय लिया है। और सहकारी संगठन, यानी, केंद्रीय भंडार, एनसीसीएफ और एनएएफईडी, ओएमएसएस (डी) के तहत उक्त आवंटित गेहूं को आटा में परिवर्तित करने और इसे %भारत आटा% ब्रांड के तहत जनता को बिक्री के लिए पेश करते हैं, जिसका एमआरपी 27.50 रुपये से अधिक नहीं होना चाहिए।

कलेक्टर ने ली राजस्व विभाग की समीक्षा बैठक

राजस्व अमला अपने कामों मे तेजी लाए, लोंगो की समस्याओं का करें त्वरित निराकरण: सिंह

रायपुर। राजस्व विभाग प्रकरणों का जल्द निपटारा करें। आम जनता से जुड़े राजस्व कार्यो का त्वरित निराकरण करने पहल करें उन्हें राहत दें। जाति-आय तथा निवास प्रमाण पत्र इत्यादि निश्चित समयावधि पर बनाकर दें। यह बात कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने कही। वे आज रेडक्रॉस सभाकक्ष में जिले के राजस्व अधिकारियों की समीक्षा बैठक ले रहे थे।

कलेक्टर डॉ सिंह ने सभी अनुविभागीय अधिकारी तथा तहसीलदार से चर्चा कर उनसे राजस्व प्रकरणों सहित अन्य विषयों की जानकारी ली। उन्होने कहा कि वाले अविवादित नामांतरण ,बंटवारा तथा सीमांकन के प्रकरणों को जल्द से जल्द एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण करें। सभी एसडीएम अपने अधीनस्थ एवं मैदानी राजस्व अमलों से समय पर प्रतिवेदन प्राप्त करें। निरंतर दौरा करें और नामांतरण के पंचायत में लंबित प्रकरणों का भी समाधान करें। डॉ सिंह ने कहा कि आरबीसी 6-4 के तहत आर्थिक सहायता दिलाना सीधा

आम जनता से जुड़ा विषय है। इस पर संवेदनशीलता से कार्य करें और हितग्राहियों को नियमानुसार जल्द मुआवजा प्रदान करें।

उन्होंने कहा कि पटवारियों को अपने कार्यालय में बैठने का दिन सुनिश्चित करें संबंधित पंचायत की दीवार में लिखाये। सभी तहसीलदार राजस्व प्रकरणों का हल्कावार समीक्षा करें और यह भी ध्यान दें कि कोई भी प्रकरण अपंजीकृत ना हो। सभी राजस्व न्यायालय निश्चित समय पर नियमित रूप से लगाएं ताकि पक्षकारों को बार-बार ना आना पडे और उनके प्रकरणों में जल्द निर्णय हों। उन्होंने कहा कि सीमांकन के प्रकरण शीघ्र निराकृत करें। अतिक्रमण की शिकायत मिलने पर नियमानुसार जल्द कार्रवाई करें। सकारात्मक भाव से काम करें और अनुशासन बनाएं रखें। बी- 1 पढ़कर सुनाए तथा फौती दर्ज करनेअभियान चलाएं। भाड़ा नियंत्रण के लंबित प्रकरणों को समीक्षा कर जल्द निपटारा करें। कलेक्टर डॉ सिंह ने कहा कि प्रत्येक राजस्व अधिकारी का अपने क्षेत्र में जनता के साथ प्रत्यक्ष संपर्क होता है। उनके साथ संवेदनशीलता के साथ व्यवहार करें। ऐसे कार्यों में त्वरित पहल करें। आधार सीडिंग, किसान किताब की प्रविष्टि, जेंडर प्रविष्टि की समीक्षा करें। धान खरीदी केन्द्रो में व्यवस्था बनाएं रखें और धान बेचने वाले किसानों को किसी प्रकार की तकलीफ ना हो। इस बैठक में अपर कलेक्टर श्री बी.बी पंचभाई, श्री बी.सी साहू सभी एसडीएम सहित राजस्व विभाग के सभी अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

निर्वाचक नामावलियों के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण वर्ष-2024 का कार्यक्रम जारी

रायपुर। भारत निर्वाचन आयोग, नई-दिल्ली द्वारा आगामी लोकसभा निर्वाचन-2024 के दृष्टिगत प्रदेश के नागरिकों का मतदाता सूची में नाम पंजीयन, विलोपन, स्थानातंरण एवं प्रविष्टि में किसी भी प्रकार के संशोधन हेतु फोटोयुक्त निर्वाचक नामावलियों का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम वर्ष-2024 जारी कर दिया गया है। आयोग द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार 06 जनवरी, 2024 (शनिवार) को प्रदेश के सभी मतदान केन्द्रों में मतदाता सूची का प्रारंभिक प्रकाशन किया जाएगा और इसी के साथ दावा-आपत्ति प्राप्त करने की कार्यवाही प्रारंभ हो जाएगी। सभी नागरिक 22 जनवरी, 2024 तक दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। इस दौरान 13 जनवरी 2024 (शनिवार) एवं 14 जनवरी 2024 (रविवार) को समस्त मतदान केन्द्रों में दो दिवसीय विशेष शिविर का भी आयोजन किया जाएगा। इस अवधि में प्राप्त सभी दावा-आपत्तियों का निराकरण पूर्ण कर 08 फरवरी 2024 (गुरुवार) को निर्वाचक नामावली का अन्तिम प्रकाशन किया जाएगा। आयोग के निर्देशानुसार प्रारंभिक प्रकाशन 06 जनवरी, 2024 एवं अंतिम प्रकाशन 08 फरवरी, 2024 को सभी मतदान केन्द्रों की मतदाता सूची का प्रकाशन मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय के वेबसाईट पर भी किया जाएगा। निर्वाचक नामावलियों के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण के संबंध में मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, छत्तीसगढ़ द्वारा राज्य स्तर पर सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ 05 जनवरी को बैठक भी आयोजित की गई।

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.